



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

29 माघ 1942 (श10)

(सं0 पटना 118) पटना, वृहस्पतिवार, 18 फरवरी 2021

J e l à k/ku fo Hkk

अधिसूचना

18 फरवरी 2021

o r u l {g r k 1/2 fu; e k o y h j 2021

एस० ओ० 78, दिनांक 18 फरवरी 2021—साधारण खंड अधिनियम, 1897 (1897 का 10) की धारा 24 के साथ पठित मजदूरी संहिता, 2019 (2019 का 29) की धारा 67 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य सरकार निम्नलिखित प्रारूप नियमों को बनाने और—

(i) बिहार मजदूरी भुगतान नियमावली, 1937; एवं यथासंशोधित

(ii) बिहार न्यूनतम मजदूरी नियमावली, 1951; एवं यथासंशोधित

के अधिक्रमण में, जिन्हें मजदूरी संहिता, 2019 की धारा 69 द्वारा, ऐसे अधिक्रमण से पहले या विलोप किए गए कार्यों को छोड़कर, निरसन किया जाता है, और इन्हें इनसे प्रभावित होने वाले सभी व्यक्तियों की सूचना के लिए उक्त धारा 67 की उप-धारा (1) द्वारा यथाअपेक्षित अधिसूचित किया जाता है, और एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप अधिसूचना पर, जिस सरकारी राजपत्र में यह अधिसूचना प्रकाशित की गई, उसकी प्रतियां जनता को उपलब्ध कराने की तारीख से 21 दिनों की अवधि की समाप्ति के पश्चात्, विचार किया जाएगा; यदि कोई आपत्ति अथवा सुझाव हो उसे संयुक्त श्रमायुक्त, बिहार को अथवा lcbihar@bihar.gov.in पर ईमेल से भेजा जाएगा। किसी व्यक्ति द्वारा दिये गये आपत्ति अथवा सुझाव को उपयुक्त अंकित अवधि के पश्चात् राज्य सरकार द्वारा विचारित किया जाएगा।

v /; k; & I

i kj {Hkd

द कोड ऑन वेजेज, 2019 (2019 का 29) की धारा 67 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार राज्यपाल उक्त धारा की उपधारा 1 की अपेक्षानुसार पूर्ववर्ती प्रकाशन के अनुसार निम्न नियमावली बनाते हैं।

1- l {ktr u ke] fo Lr kj , o ai kj Hk %

(1) यह नियमावली वेतन संहिता (बिहार) नियमावली, 2021 कही जा सकेगी।

(2) इसका विस्तार सम्पूर्ण बिहार राज्य में होगा।

(3) इनका प्रभाव बिहार राज्य पत्र में अंतिम रूप से प्रकाशन की तिथि से होगा।

- 2- *i fj Hk'lk, &&* इन नियमों में, जब तक कि विषय या संदर्भ अन्यथा की आवश्यकता न हो, —
- (क) *^c kf/kd j h^m* से अभिप्रेत है धारा 45 की उप-धारा (1) के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा नियुक्त प्राधिकारी;
- (ख) *^v i ly h; ^c kf/kd kj h^m* से अभिप्रेत है धारा 49 की उपधारा (1) के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा नियुक्त अपीलीय प्राधिकारी;
- (ग) *^v i ly ^m* से अभिप्रेत है धारा 49 की उप-धारा (1) के अंतर्गत की गई अपील;
- (घ) *^c kMZ^m* से अभिप्रेत है धारा 42 के उप-धारा (4) के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा गठित राज्य सलाहकार बोर्ड;
- (ङ.) *^p s j i l z ^m* से अभिप्रेत है बोर्ड का अध्यक्ष;
- (च) *^l g r k^m* से अभिप्रेत है मजदूरी पर संहिता, 2019 (2019 का 29);
- (छ) *^l fe fr ^m* से अभिप्रेत है धारा 8 की उपधारा (1) के खंड (क) के तहत राज्य सरकार द्वारा नियुक्त समिति;
- (ज) *^fn u ^m* से अभिप्रेत है मध्य-रात्रि में शुरू होने वाले 24 घंटों की अवधि;
- (झ) खतरनाक प्रक्रिया से अभिप्रेत है वैसी प्रक्रिया जहां राज्य सरकार की राय हो कि किसी कारखाने में हो रहे परिचालन या प्रक्रिया के कारण किसी नियोजित व्यक्ति को गंभीर शारीरिक चोट, विषाक्तिकरण अथवा बीमारी की संभावना हो;
- (ञ) *^Q, e Z^m* से अभिप्रेत है, इन नियमों से उपाबद्ध एक फॉर्म;
- (ट) *^v fr d q ky Q o l k; ^m* से अभिप्रेत है वह व्यवसाय जिसमें इसके निष्पादन में विशिष्ट में विशिष्ट स्तर की उत्कृष्टता की मांग होती है और एक पर्याप्त अवधि के लिए गहन तकनीकी अथवा व्यवसायिक प्रशिक्षण अथवा व्यावहारिक व्यावसायिक अनुभव के माध्यम से अर्जित क्षमता अपेक्षित होती है और साथ ही कर्मचारी से यह अपेक्षा होती है कि ऐसे व्यवसाय के निष्पादन में शामिल अपने मत या निर्णय के लिए सम्पूर्ण जिम्मेदारी स्वीकार करे;
- (ठ) *^fu j h kd & l g & l fo / kka n kr k^m* से अभिप्रेत है राज्य सरकार द्वारा नियुक्त एक व्यक्ति, जो धारा 51 की उप-धारा (1) के तहत अधिसूचना द्वारा;
- (ड) *^l n L; ^m* बोर्ड के एक सदस्य से अभिप्रेत है और इसके अध्यक्ष भी शामिल हैं;
- (ढ) *^e g ku x j h; {k^m* से अभिप्रेत है एक कॉम्पैक्ट क्षेत्र जिसमें दस लाख या उससे अधिक की आबादी होती है, जिसमें एक या अधिक जिले शामिल होते हैं अथवा राज्य सरकार द्वारा अधिसूचना द्वारा घोषित;
- (ण) *^x f & e g ku x j h; {k^m* से अभिप्रेत है एक कॉम्पैक्ट क्षेत्र जिसकी आबादी दस लाख से कम है लेकिन एक लाख से अधिक है, जिसमें एक या एक से अधिक जिले शामिल हैं राज्य सरकार द्वारा अधिसूचना द्वारा घोषित;
- (त) *^t u l h; k^m* से अभिप्रेत है पिछली आबादी की जनगणना में बताई गई जनसंख्या जिसके संबंधित आंकड़े प्रकाशित किए गए;
- (थ) *^i a h-r VM ; fu ; u ^m* से अभिप्रेत है ट्रेड यूनियन अधिनियम, 1926 (1926 का 16) के तहत पंजीकृत ट्रेड यूनियन; अथवा ट्रेड यूनियन को परिभाषित करने हेतु तत्समय प्रवृत्त अधिनियम;
- (द) *^x ke h k {k^m* से अभिप्रेत है वह क्षेत्र जो महानगरीय क्षेत्र गैर-महानगरीय क्षेत्र नहीं;
- (ध) *^v u q p h^m* से अभिप्रेत है इन नियमों के लिए अनुसूची;
- (न) *^v u q kx ^m* से अभिप्रेत है संहिता का एक खंड;
- (प) *^v / k d q ky Q o l k; ^m* से अभिप्रेत है जिसमें इसके निष्पादन में जॉब पर अनुभूति द्वारा प्राप्त कौशल का उपयोग अपेक्षित होता है और कुशल कर्मचारी के पर्यवेक्षण अथवा मार्गदर्शन में इसका उपयोग किये जाने लायक होता है और इसमें अकुशल व्यवसाय का पर्यवेक्षण भी शामिल है;
- (फ) *^d q ky Q o l k; ^m* से अभिप्रेत है वह व्यवसाय है जिसमें इसके निष्पादन में जॉब पर अनुभव के द्वारा अथवा तकनीकी या व्यावसायिक संस्थान में प्रशिक्षु के रूप में प्रशिक्षण के माध्यम से कुशलता और सक्षमता जरूरत होती है और जिसके निष्पादन में पहल करने और विवर्क की आवश्यकता होती है;
- (ब) *^v d q ky Q o l k; ^m* से अभिप्रेत है एक व्यवसाय है, जिसके प्रदर्शन में केवल ऑपरेटिंग अनुभव के आवेदन की आवश्यकता होती है और इसमें आगे कोई कौशल शामिल नहीं होता है;
- (भ) नियम 53 के प्रयोजनार्थ "फर्म" से अभिप्रेत है भारतीय साझेदारी अधिनियम, 1932 (1932 का 9) के अन्तर्गत परिभाषित फर्म।
- (म) इन नियमों में वर्णित अन्य शब्दों और अभिव्यक्तियों को परिभाषित किया गया है और कोड के तहत उन्हें निर्दिष्ट अर्थ क्रमशः दिए जाएंगे।

v /; k; & II

U; w r e e t n j h

3- e t n j h d h U; w r e n j d h x . k u k d j u s d k i f 0 ; k

- (1) धारा 6 के उप-खंड (5) के प्रयोजनों के लिए, मजदूरी की न्यूनतम दर निम्नलिखित मानदंडों को ध्यान में रखते हुए दिन के आधार पर तय की जाएगी :-
- (I) मानक श्रमिक वर्ग परिवार जिसमें एक दंपति और कमाने वाले कार्यकर्ता के अलावा दो बच्चे शामिल हैं; जो तीन वयस्क उपभोक्ता इकाइयों के बराबर होंगे;
 - (II) प्रति उपभोक्ता इकाई प्रति दिन 2700 कैलोरी का शुद्ध उपभोग;
 - (III) मानक श्रमिक वर्ग परिवार के अनुसार प्रति वर्ष 66 मीटर कपड़ा;
 - (IV) भोजन और कपड़ों के खर्च पर हुए कुल व्यय का 10 प्रतिशत आवास किराया व्यय;
 - (V) ईंधन, बिजली और व्यय के अन्य विविध मदों के लिए न्यूनतम मजदूरी का 20 प्रतिशत; तथा
 - (VI) बच्चों की शिक्षा, चिकित्सा आवश्यकता, मनोरंजन और आकस्मिक वेतन पर व्यय न्यूनतम वेतन का 25 प्रतिशत का व्यय;

या,

- (2) सलाहकार बोर्ड की अनुशंसा पर राज्य सरकार न्यूनतम मजदूरी के निर्धारण के लिए तापमान या आर्द्रता या परिसंकटग्रस्त व्यवसाय, खतरनाक प्रक्रियाएं जैसे काम की कठिनाता एवं प्रक्रियाओं या भूमिगत काम को साथ ही साथ श्रम ब्यूरो, भारत सरकार द्वारा अधिसूचित उपभोक्ता मूल्य सूचकांक को भी ध्यान में रख सकती है।
- (3) राज्य सरकार मजदूरी पर संहिता, 2019 की धारा 9 के तहत केन्द्र सरकार द्वारा तय किए गए Floor Wage के नीचे न्यूनतम मजदूरी तय नहीं करेगी।

4- e t n j h d h U; w r e n j d s f u / k k z . k d s f y , e k u n d M A-

- (1) धारा 6 के तहत मजदूरी की न्यूनतम दर तय करते समय, राज्य सरकार संबंधित भौगोलिक क्षेत्र को तीन श्रेणियों में विभाजित कर सकेगी, यानी महानगरीय क्षेत्र, गैर महानगरीय क्षेत्र और ग्रामीण क्षेत्र।
- (2) राज्य सरकार कौशल वर्गीकरण के संबंध में राज्य सरकार को सलाह देने के उद्देश्य से एक तकनीकी समिति का गठन करेगी, जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे: -
 - (i) अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव, श्रम संसाधन विभाग - अध्यक्ष;
 - (ii) श्रमायुक्त, बिहार - सदस्य;
 - (iii) कौशल विकास और उद्यमशीलता विभाग का एक प्रतिनिधि, - सदस्य;
 - (iv) सचिव, बिहार निर्माण श्रमिक बोर्ड, - सदस्य;
 - (v) मुख्य कारखाना निरीक्षक, - सदस्य;
 - (vi) श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार का एक प्रतिनिधि - सदस्य;
 - (vii) राज्य सरकार द्वारा नामित के रूप में मजदूरी निर्धारण में दो तकनीकी विशेषज्ञ- सदस्य; तथा
 - (viii) श्रम संसाधन विभाग में संयुक्त श्रमायुक्त, मजदूरी से संबंधित- सदस्य सचिव;
 - (ix) केन्द्रीय श्रम संगठन के दो प्रतिनिधि
 - (x) नियोक्ता संघ के दो प्रतिनिधि।
- (3) राज्य सरकार उप-नियम (2) में निर्दिष्ट तकनीकी समिति की सलाह पर कर्मचारियों के व्यवसायों को चार श्रेणियों में वर्गीकृत करेगी, जिसमें किसी प्रविष्टि को जोड़कर अथवा हटाकर अनुसूची ई में निर्दिष्ट ऐसे व्यवसायों के वर्गीकरण में अकुशल, अर्ध-कुशल, कुशल और उच्च कुशल के आधार पर किया जा सकेगा, किसी प्रविष्टि को हटाना या जोड़ना।
- (4) उप-नियम (2) में उल्लिखित तकनीकी समिति, उप-नियम (3) के तहत राज्य सरकार को सलाह देते हुए, संभावित सीमा तक, व्यवसाय के राष्ट्रीय वर्गीकरण या राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेम वर्क अथवा तत्समय व्यवसायों की पहचान के लिए तैयार किए जा रहे अन्य समरूप योग्यता फ्रेम वर्क को ध्यान में रखेगी।

5- e g a k b Z H k U s d s l a k k k u d s f y , l e ; v a j k y ।- न्यूनतम मजदूरी पर कर्मचारियों को देय महंगाई भत्ते को संशोधित करने के लिए प्रत्येक वर्ष जीवन निर्वाह भत्ता की लागत और रियायती दर पर आवश्यक वस्तुओं के संबंध में रियायत के नकद मूल्य की गणना 1 अप्रैल से पहले और फिर 1 अक्टूबर से पहले किये जाने हेतु प्रयास किया जायेगा।

6- d k; Z d s ?kV's d h l k; k t ks, d l ke kU; d k; Zfn ol d k x Bu d j x h A&

- (1) धारा 13 के उप-खंड (1) के खंड (क) के तहत सामान्य कार्य दिवस में आठ घंटे का काम और बाकी के एक या अधिक अंतराल शामिल होंगे, जो कुल मिलाकर एक घंटे से अधिक नहीं होंगे।
- (2) किसी कर्मचारी के कार्य दिवस को इस प्रकार व्यवस्थित किया जाएगा कि विश्राम की अवधि के अंतराल, को सम्मिलित किया जाए, यदि कोई हो, तो वह किसी भी दिन बारह घंटे से अधिक नहीं फैलेगा।
- (3) उप-नियमों (1) और (2) के प्रावधान कृषि रोजगार में कार्यरत कर्मचारी के मामले में, राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर ऐसे संशोधनों के अधीन निर्धारित हो सकते हैं।
- (4)(क) जब एक दिन के लिए मजदूरी की दर तय की जाती है, तो, ऐसी राशि को एक घंटे के लिए मजदूरी की दर तय करने के लिए आठ से विभाजित किया जाएगा और एक महीने के लिए मजदूरी की दर तय करने के लिए छब्बीस से गुणा किया जाएगा और इस तरह के विभाजन और गुणा में एक-आधे गुणक और आधे से अधिक को अगले आंकड़े के रूप में परिवर्तित किया जाएगा और एक-आधे से कम वाले गुणक को नजरअंदाज किया जाएगा।
- (ख) जहां एक नियोजित व्यक्ति ने सामान्य कार्यदिवस से कम समय के लिए कार्य किया है, तो उसके द्वारा किए गए कार्य के घंटों के लिए मजदूरी का भुगतान उसे अनुपातिक रूप से किया जाएगा; और कि यदि ऐसे व्यक्ति ने सामान्य कार्यदिवस के तीन चौथाई से अधिक के लिए कार्य किया है, तो उसे कोड के धारा 10 (i) में निर्दिष्ट परन्तुक के अधीन पूरे दिन के लिए कार्य किया जाना माना जायेगा।
- (ग) धारा 10 के परन्तुक के खंड (ii) के तहत परिस्थितियाँ-धारा 10 के अन्तर्गत एक कर्मचारी को पूर्ण सामान्य कार्य दिवस के लिए मजदूरी प्राप्त करने का अधिकार नहीं होगा, यदि वह तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य कानून के तहत ऐसी मजदूरी प्राप्त करने का हकदार नहीं है।
- (5) इस नियम का कोई भी प्रावधान कारखाना अधिनियम, 1948 (1948 का 63) या तत्समय प्रवृत्त किसी कानून लागू होने के समय किसी प्रावधानों को प्रभावित करेगा;

7- l klr kfg d fo J ke d k fn ol A&

- (1) इस नियम के प्रावधानों के अधीन, एक कर्मचारी को हर सप्ताह एक दिन विश्राम की अनुमति दी जाएगी (यहाँ के बाद में "विश्राम दिवस" के रूप में संदर्भित किया जाएगा) जो सामान्यतः रविवार को होगा, लेकिन नियोक्ता सप्ताह के किसी अन्य दिवस को इस प्रयोजन हेतु किसी भी कर्मचारी या कर्मचारियों के वर्ग के लिए विश्राम दिवस निर्धारित कर सकता है;

और कि एक कर्मचारी इस उप-नियम के तहत विश्राम दिवस के लिए हकदार होगा, यदि उसने एक ही नियोक्ता के अधीन लगातार छह दिनों से कम के लिए काम किया हो;

परन्तु और कि उस कर्मचारी को उस दिवस के बारे में सूचित किया जाएगा जो कि विश्राम दिवस के रूप में निर्धारित किया गया हो और आगे की किसी भी बदलाव के पहले, बदलाव को प्रभावित होने के पूर्व, रोजगार सुस्पष्ट स्थान पर नोटिस प्रदर्शित करेगा।

Li 'Vht j. k & इस उप-नियम के प्रथम परन्तुक में निर्दिष्ट छह दिवसों से कम नहीं की निरंतर अवधि की गणना के उद्देश्य से, किसी भी दिन जिस पर एक कर्मचारी को काम के लिए उपस्थित होना आवश्यक है, लेकिन उसे उपस्थिति के लिए केवल एक भत्ता दिया जाता है और कार्य प्रदान नहीं किया जाता है, एक कार्य दिवस जिस पर एक कर्मचारी को औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) के तहत मुआवजा के भुगतान पर रखा जाता है, या तत्समय प्रवृत्त किसी कानून लागू होने और किसी भी छुट्टी या छुट्टी के साथ या बिना भुगतान के नियोक्ता द्वारा कर्मचारी को छह दिनों की अवधि में, विश्राम दिवस से पहले तुरंत दी गई, वह दिवस कार्य दिवस माना जाएगा, जिस दिन कर्मचारी ने काम किया है।

- (2) किसी भी ऐसे कर्मचारी को विश्राम दिवस को काम करने हेतु अनुज्ञात नहीं किया जाएगा, जब तक कि विश्राम दिवस के तुरंत पहले या बाद में पूरे पांच दिनों में से एक पूरे दिवस के लिए एक विश्राम दिवस नहीं दिया गया हो;

और कि इस प्रकार कोई प्रतिस्थापन नहीं किया जाएगा, जिसके परिणामस्वरूप कर्मचारी एक पूरे दिन के लिए एक विश्राम दिवस के बिना लगातार दस दिनों से अधिक कार्य करना हो।

- (3) जहां इस नियम के पूर्वगामी प्रावधानों के अनुसार, कोई भी कर्मचारी विश्राम के दिन काम करता है और उसे विश्राम दिवस के पांच दिन पहले या बाद के किसी भी दिन विश्राम दिवस दिया जाता है, विश्राम दिवस के लिए, कार्य के साप्ताहिक घंटों की गणना करने के उद्देश्य से उस सप्ताह में शामिल किया जायेगा, जिसमें वह दिन प्रतिस्थापित होता है।

- (4) कर्मचारी को-

(क) विश्राम दिन के लिए अगले पूर्ववर्ती दिन के लिए लागू दर पर परिकलित मजदूरी दी जाएगी; और

(ख) जहां पर वह विश्राम के दिन काम करता है और उसे प्रतिस्थापित विश्राम दिन दिया गया है तब उसे समयोपरि दर से और विश्राम दिन के लिए अगले पूर्ववर्ती दिन के लिए लागू दर से मजदूरी दी जाएगी;

यह भी उपबंध किया जाता है कि जहां—

- (I) संहिता के अंतर्गत यथा अधिसूचित कर्मचारी की मजदूरी की न्यूनतम दर मजदूरी की न्यूनतम मासिक दर को छब्बीस से भाग करके निकाली गई; अथवा
- (II) कर्मचारी की मजदूरी की वास्तविक दैनिक दर मजदूरी की मासिक दर को छब्बीस से भाग करके निकाली गई है और ऐसी मजदूरी की वास्तविक दैनिक दर कर्मचारी की अधिसूचित न्यूनतम दैनिक दर से कम नहीं होगी, तब विश्राम दिन के लिए कोई मजदूरी देय नहीं होगी; और
- (III) कर्मचारी ने विश्राम के दिन काम किया है और उसे प्रतिस्थापित विश्राम दिन दिया गया है तब उसे केवल उसी विश्राम दिन के लिए समयोपरि दर पर देय मजदूरी के बराबर राशि दी जाएगी जिस दिन उसने काम किया है;

और यदि कोई विवाद उत्पन्न होता है कि क्या इस उपबंध के प्रावधानों के अनुसार मजदूरी की दैनिक दर निकाली गई है, तब क्षेत्राधिकार रखने वाले मुख्य श्रम आयुक्त अथवा उप श्रम आयुक्त इस संबंध में उन्हें किए गए आवेदन पर, संबंधित पक्षों को अपने लिखित अभ्यावेदनों के लिए अवसर देने के पश्चात उसका निर्णय करेंगे।

यह भी उपबंध किया जाता है कि यदि कोई कर्मचारी मात्रानुपाती दर प्रणाली से संचालित होता है, तब विश्राम दिन अथवा प्रतिस्थापित विश्राम दिन के लिए, जैसी भी स्थिति हो, मजदूरी वह होगी जिसे राज्य सरकार उस रोजगार के संबंध में इस संहिता के अंतर्गत नियत मजदूरी की न्यूनतम दर को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर निर्धारित करे।

Li "Vhd j. k&& इस उप-नियम में 'अगला पूर्ववर्ती दिन' से अभिप्रेत वह अंतिम दिन है, जिस दिन कर्मचारी ने काम किया है, जो विश्राम दिन या प्रतिस्थापित विश्राम दिन के पहले, जैसी भी स्थिति हो, आता है; और जहां प्रतिस्थापित विश्राम दिन, विश्राम दिन के तुरंत अगले दिन आता है तब अगला पूर्ववर्ती दिन से अभिप्रेत वह अंतिम दिन होगा जिस दिन कर्मचारी ने काम किया है और जो विश्राम दिन के पहले था।

- (5) इस नियम के प्रावधान अधिक अनुकूल शर्तों के पूर्वाग्रह से संचालित नहीं होंगे, यदि कोई हो, जिस पर कोई कर्मचारी हो सकता है, किसी अन्य कानून के तहत या किसी पुरस्कार, समझौते या सेवा के अनुबंध के तहत और ऐसे मामले में, कर्मचारी केवल अधिक अनुकूल शर्तों के लिए ही हकदार होगा।

Li "Vhd j. k&& इस नियम के प्रयोजनों के लिए, 'सप्ताह' का अर्थ शनिवार की रात को मध्यरात्रि से शुरू होने वाली सात दिनों की अवधि होगी।

8- j k= h i ky h A& जहाँ किसी नियोजन में कोई कर्मचारी किसी एक पाली में काम करता है, जो आधी रात्रि से आगे फैलता है, तब — (क) नियम 7 के प्रयोजनों के लिए पूरे दिन के लिए एक विश्राम दिवस का अर्थ इस 24 घंटे लगातार, उस समय से शुरू होते हैं जब उसकी पारी समाप्त होती है और (ख) ऐसे मामले में अगले दिन को उस समय से शुरू होने वाले चौबीस घंटों की अवधि माना जाएगा, जब इस तरह की शिफ्ट समाप्त होती है, और पिछले दिन आधी रात के बाद के समय के दौरान ऐसे कर्मचारी काम में लगे होते हैं।

9- d e f k f j ; k&d s e k e y s e a / k j k 13 d h m i / k j k 1/2 d s c ; k s u k&d s f y , l h e k v k s ' k r k&&

- (क) किसी भी आपात स्थिति में लगे हुए, जिसे रोका या अनुमान नहीं किया जा सकता था;
 - (ख) तैयारी संबंधी कार्य या पूरक कार्य की प्रकृति के कार्य में लगे हुए हैं जो आवश्यक रूप से संबंधित रोजगार में काम करने वाले सामान्य के लिए निर्धारित सीमा से बाहर किया जाना अपेक्षित हो;
 - (ग) जिसका रोजगार अनिवार्य रूप से आंतरायिक है;
 - (घ) ऐसे कार्य में लगा हुआ है जिसे तकनीकी कारणों से ड्यूटी समाप्त होने से पूरा किया जाना है; तथा
 - (ङ) ऐसे कार्य में लगा हुआ है, जिसे प्राकृतिक शक्तियों की अनियमित क्रिया पर कभी-कभी निर्भर होने के सिवाय नहीं किया जा सकता था;
- तब नियम 6, 7 एवं 8 के प्रावधान इस शर्त के अधीन लागू होंगे कि—

- (i) कर्मचारी के कार्यघंटों का फैलाव किसी भी दिन में 16 घंटों से अधिक नहीं होगा; और
- (ii) विश्राम के अंतराल को छोड़कर वास्तविक कार्य घंटे और निष्क्रियता की अवधि, जिसके दौरान कर्मचारी ड्यूटी पर हो सकता है लेकिन उससे शारीरिक गतिविधि करने या नियमित उपस्थिति के लिए नहीं कहा जाता है, किसी भी दिन में 9 घंटे से अधिक नहीं होगी।

10- y a h e t n j h d h v o f / k A& धारा 14 के तहत मजदूरी की न्यूनतम दर के प्रयोजनार्थ लम्बी मजदूरी अवधि महीना होगी।

v / ; k; & III

e t n j h d k H k r k u

11- /kkj k 18 d h mi /kkj k 1/2 1/2 d s [kM 1/4 Q 1/2 1/2 d s r g r o l y h A & धारा 18 के उपधारा (2) के खंड (एफ) (ii) के लिए, ऋण की वसूली के लिए कटौती राज्य सरकार द्वारा अनुमोदित और श्रम के कल्याण के लिए गठित किसी भी कोष से, और ब्याज, यदि कोई हो, तो इसके संबंध में, ऋण और ब्याज, यदि कोई हो, राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए किसी भी दिशा-निर्देश या परिपत्र के अधीन होगा।

12- /kkj k 18 d h mi /kkj k 1/4 1/2 d s r g r o l y h A—जहां धारा 18 की उपधारा (2) के तहत प्राधिकृत कुल कटौतियाँ कर्मचारी की मजदूरी के पचास फीसदी से अधिक है, तब अधिकता को अग्रेनीत किया जाएगा और उत्तरवर्ती मजदूरी की अवधि या मजदूरी की अवधियों, जैसी भी स्थिति हो, से ऐसी किस्तों में वसूल की जाएगी ताकि किसी भी महीने में वसूली उस महीने में कर्मचारी की मजदूरी की पचास प्रतिशत से अधिक न हो।

13- /kkj k 19 d h mi /kkj k 1/4 1/2 d s r g r i k f / k d k j h A—जिस संबंधित कर्मचारी के कार्य के स्थान पर प्राधिकार क्षेत्र वाले निरीक्षक-सह-सुविधाप्रदाता धारा 19 के उपधारा (1) के प्रयोजनों के लिए प्राधिकारी होंगे।

14- /kkj k 19 d h mi /kkj k 1/2 1/2 d s r g r l y u k c n f ' k Z d j u s d h j h r A—धारा 19 की उपधारा (2) में संदर्भित सूचना को कार्य स्थल के परिसर में, जहां पर रोजगार किया जाता है, प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित किया जाएगा ताकि प्रत्येक संबंधित कर्मचारी आसानी से सूचना की सामग्री को पढ़ सके और सूचना की एक प्रति निरीक्षक-सह-सुविधाप्रदाता को अधिकार क्षेत्र में भेज दे।

15- /kkj k 19 d h mi & /kkj k 1/3 1/2 d s v a x Z d k ; J o f / k A—नियोक्ता अनुमोदन प्राप्त करने के लिए विस्तृत विवरणों को निर्दिष्ट करने के लिए यथाविहित लिखित में अथवा इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से सूचना देगा। निरीक्षक-सह-सुविधाप्रदाता को जुर्माना लगाने के लिए नियम 13 में निर्दिष्ट अनुमोदन देने या इनकार करने से पहले संबंधित कर्मचारी और नियोक्ता को सुनवाई का अवसर प्रदान करेगा।

16- d V k h h d h l y u k A—

- (1) जहां एक नियोक्ता धारा 20 के उपधारा (2) के उपबंध के अनुपालन में कोई भी कटौती करता है तो वह ऐसी कटौती की सूचना यथाविहित लिखित में अथवा इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से ऐसी कटौती के कारणों को स्पष्ट करते हुए ऐसी कटौती की तारीख से 10 दिनों के अंदर क्षेत्राधिकार रखने वाले निरीक्षक-सह-सुविधाप्रदाता को भेज देगा।
- (2) निरीक्षक-सह-सुविधाप्रदाता उप-नियम (1) के अंतर्गत ऐसी सूचना प्राप्त करने के बाद, इस तरह की सूचना की जाँच करेगा और यदि वह पाता है कि उसमें दिया गया स्पष्टीकरण संहिता के किसी प्रावधान या उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों के उल्लंघन है, तो वह नियोक्ता के विरुद्ध संहिता के अंतर्गत उचित कार्रवाई आरंभ करेगा।

17- /kkj k 21 d h mi /kkj k 1/2 1/2 d s r g r d V k h h d h c f O ; k A— यदि कोई नियोक्ता कर्मचारी के वेतन से धारा 21 की उपधारा (1) के अंतर्गत नुकसान अथवा हानि के लिए कटौती करना चाहता है, तो वह—

- (i) कर्मचारी को विशिष्ट रूप में उसकी निगरानी के लिए उसे सौंपे गए सामान के नुकसान अथवा हानि अथवा धन के नुकसान के लिए जिसके लिए वह उत्तरदायी है तथा किस प्रकार से ऐसे नुकसान अथवा हानि के लिए प्रत्यक्ष रूप से उस कर्मचारी की उदासीनता अथवा चूक उत्तरदायी है, के बारे में व्यक्तिगत रूप से तथा लिखित में कर्मचारी को उल्लेख करेगा; और
- (ii) तत्पश्चात् कर्मचारी को स्पष्टीकरण देने का अवसर देगा तथा किसी नुकसान अथवा हानि के लिए यदि कोई कटौती की जाती है, तो ऐसी कटौती करने की तारीख से 15 दिन के भीतर इसकी सूचना कर्मचारी को दी जाएगी।

18- /kkj k 23 d s r g r v f x z d h o l y h d s c k j s e a ' k r & वसूली, जैसा मामला हो, A—

- (i) धारा 23 के खंड (ख) के तहत रोजगार शुरू होने के पश्चात् कर्मचारी को दिए गया अग्रिम धन, अथवा
- (ii) किसी कर्मचारी को वेतन का अग्रिम जो उसने धारा 23 के खंड (ग) के तहत अर्जित नहीं किए गया, का भुगतान नियोक्ता द्वारा निर्धारित किस्तों में संबंधित कर्मचारी के वेतन में नियोक्ता द्वारा किया जाएगा, ताकि किसी भी अथवा सभी किश्ते उस वेतन अवधि में कर्मचारी की वेतन अवधि में वेतन के पचास प्रतिशत से अधिक नहीं होगी तथा ऐसी वसूली के विवरण प्रपत्र -1 में रखे गए रजिस्टर में दर्ज किए जाएंगे।

19- /kkj k 24 d s r g r d V k h h A—राज्य सरकार द्वारा अनुमोदित गृह निर्माण अथवा अन्य प्रयोजनों के लिए स्वीकृत ऋणों और उन पर ब्याज की वसूली हेतु कटौतियाँ ऐसे ऋणों को स्वीकृत करने की सीमा तथा इन पर देये ब्याज दर को विनियमित करने वाले समय-समय पर राज्य सरकार द्वारा दिए गए निदेश अथवा जारी परिपत्र के अधीन होंगी।

v /; k; IV

c ksu l d k Hq r ku

20- NBsy f kko 'KZd s fy , l S' v kW v Fkoko l S' v , Q d h x . ku k A—छटे लेखा वर्ष के लिए, सेट ऑन अथवा सेट ऑफ, जैसा भी मामला हो, की गणना धारा-26 की उप-धारा (7) के खंड (i) के अंतर्गत अनुसूची 'क' में वर्णित ढंग से पांचवे तथा छठे लेख वर्ष से संबंधित आवंटन योग्य सरप्लस सेट ऑन अथवा सेट ऑफ की अधिकता अथवा कमी, यदि कोई हो, जैसा भी मामला हो, को ध्यान में रखते हुए की जाएगी।

21- l kr o ay f kkd u o 'KZd s fy , l S' v kW v Fkoko l S' v , Q d h x . ku k A—सातवें लेखा वर्ष के लिए, सेट ऑन अथवा सेट ऑफ, जैसा भी मामला हो, की गणना धारा 26 की उप-धारा (7) के खंड (ii) के तहत अनुसूची 'क' में वर्णित ढंग से पांचवे, छठे एवं सातवें लेख वर्ष से संबंधित आवंटन योग्य सरप्लस सेट ऑन अथवा सेट ऑफ की अधिकता अथवा कमी, यदि कोई हो, जैसा भी मामला हो, को ध्यान में रखते हुए की जाएगी।

22- /kkj k 32 d s [kM ¼ ½ d srgr l dy y kEk d h x . ku k A— किसी नियोक्ता से प्राप्त किसी प्रतिष्ठान से लेखा वर्ष के संबंध में प्राप्त किए गए सकल लाभों की गणना बैंकिंग कंपनी के मामले में, अनुसूची 'ख' में विनिर्दिष्ट तरीके से की जाएगी।

23- /kkj k 32 d s [kM ¼ k½ d srgr l dy y kEk d h x . ku k A— किसी नियोक्ता से प्राप्त किसी प्रतिष्ठान से लेखा वर्ष के संबंध में प्राप्त किए गए सकल लाभों की गणना बैंकिंग कंपनी के मामले में, अनुसूची 'ग' में विनिर्दिष्ट तरीके से की जाएगी।

24- /kkj k 34 d s [kM ¼ x ½ d srgr v kx s j d e d h d Vks h A—नियोक्ता के संबंध में अनुसूची 'घ' में विनिर्दिष्ट अतिरिक्त राशियों की कटौति धारा 34 के खण्ड (ग) के अंतर्गत पूर्व शुल्कों के रूप में सकल लाभ से की जाएगी।

25- /kkj k 36 d h mi & /kkj k ¼ ½ d srgr v kx s y s t kus d k c c k A— किसी लेखा वर्ष में जहां आवंटन योग्य सरप्लस धारा 26 के अंतर्गत प्रतिष्ठान में कर्मचारियों को भुगतय अधिकतम बोनस की राशि से अधिक हो जाता है, तो वह अधिक राशि को, उस लेखा वर्ष में प्रतिष्ठान में नियोजित कर्मचारियों के कुल वेतन के 20 प्रतिशत की सीमा के अध्यक्षीन, अनुसूची 'क' में वर्णित अनुसार ढंग से बोनस के भुगतान के प्रयोजनार्थ प्रयोग किए जाने के लिए चौथे लेखा वर्ष सहित आगामी लेखा वर्ष और इसी प्रकार आगे के लेखा वर्षों में सेट ऑन करने के लिए अग्रेषित किय जाएगा।

26- /kkj k 36 d h mi & /kkj k ½ ½ d srgr v kx s y s t kus d k c c k A— किसी लेखा वर्ष में जहां कोई सरप्लस उपलब्ध नहीं है अथवा उस वर्ष में आवंटन योग्य सरप्लस धारा 26 के अंतर्गत प्रतिष्ठान में कर्मचारियों को भुगतय न्यूनतम बोनस की राशि सेक म हो जाता है, तथा नियम 26 के अंतर्गत अग्रेनीत कोई राशि अथवा प्रयाप्त राशि नहीं है तथा सेट ऑन नहीं है जिसे न्यूनतम बोनस के भुगतान के प्रयोजनार्थ प्रयोग किया जा सकता है, वहां, ऐसी न्यूनतम राशि अथवा कमी, जैसा भी मामला हो, को अनुसूची 'क' में वर्णित ढंग के अनुसार चौथे लेखा वर्ष सहित आगामी लेखा वर्ष तथा उसके बाद के वर्षों में सेट ऑफ करने के लिए अग्रेषित किया जाएगा।

v /; k; V

j kT; l y kg d kj c kMZ

27- c kMzd k x Bu A—

- (1) बोर्ड में राज्य सरकार द्वारा नामित किए जाने वाले धारा 42 की उप-धारा (1) के खण्ड (क) एवं (ख) में निर्दिष्टानुसार नियोक्ताओं एवं कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले व्यक्ति तथा इसी उप-धारा के खण्ड (ग) और (घ) में निर्दिष्टानुसार स्वतंत्र व्यक्ति एवं राज्य सरकारों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।
- (2) धारा 42 के उप-धारा (1) के खंड (क) में संदर्भ में नियोक्ताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले व्यक्तियों की संख्या बारह होगी और इसी उपधारा के खंड (ख) में निर्दिष्ट कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले व्यक्ति भी बारह होंगे।
- (3) नियोक्ता एवं नियोजित के प्रतिनिधियों के साथ-साथ राज्य सरकार द्वारा धारा 42 के उप-धारा (6) के खंड (ग) में निर्दिष्ट निम्नलिखित स्वतंत्र व्यक्ति नामांकित किए जायेंगे, अर्थात: —

1.	अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव, श्रम संसाधन विभाग, बिहार सरकार	अध्यक्ष
2.	श्रम आयुक्त, बिहार।	सदस्य सचिव
3.	संयुक्त श्रम आयुक्त बिहार, पटना	सदस्य
4.	अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव अथवा उनका एक प्रतिनिधि, ग्रामीण विकास विभाग, बिहार सरकार	सदस्य
5.	अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव अथवा उनका एक प्रतिनिधि, भवन निर्माण विभाग, सरकार का एक प्रतिनिधि।	सदस्य
6.	अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव अथवा उनका एक प्रतिनिधि, लोक निर्माण विभाग, बिहार सरकार	सदस्य

7.	अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव अथवा उनका एक प्रतिनिधि, शहरी विकास एवं आवास विभाग, बिहार सरकार	सदस्य
8.	राज्य सरकार द्वारा किसी कानून के अधीन गठित एक औद्योगिक न्यायाधिकरण का एक पीठासीन अधिकारी,	सदस्य
9.	दो सदस्य, जिनमें से प्रत्येक, मजदूरी और श्रम संबंधी मुद्दों के क्षेत्र में एक पेशेवर होगा	सदस्य
10.	शिक्षाविदों और सिविल सोसायटी सदस्यों के	सदस्य

(4) राज्य सरकार बोर्ड के सदस्यों को नामित करते समय, यह ध्यान में रखेगी कि उप-नियम (2) के तहत स्वतंत्र सदस्य बोर्ड के कुल सदस्यों के एक तिहाई से अधिक न हो और बोर्ड के सदस्यों में एक तिहाई सदस्य महिलाएं हों।

28- c k M Z d h c B d A—अध्यक्ष, नियम 30 के प्रावधानों के अधधीन, किसी भी समय जब वह उचित समझे, बोर्ड की बैठक बुला सकता है;

बशर्ते कि न्यूनतम आधे सदस्यों से लिखित में मांग होने पर, अध्यक्ष ऐसी मांग प्राप्त होने की तारीख के तीस दिन के अंदर बैठक बुलाएंगे।

29- c B d k a d h l p u k A—अध्यक्ष प्रत्येक बैठक की तारीख, समय और स्थान का निर्धारण करेंगे तथा उक्त विवरण को शामिल करते हुए बैठक में की जाने वाली कार्यसूची के साथ लिखित नोटिस ऐसी बैठक की निर्धारित तारीख से कम-से कम पन्द्रह दिन पहले पंजीकृत डाक एवं इलेक्ट्रॉनिक ढंग से प्रत्येक सदस्य को भेजा जाएगा;

बशर्ते कि किसी बैठक में अध्यक्ष की अनुपस्थिति में, सदस्य अपने में से उस बैठक की अध्यक्षता करने हेतु मतों के बहुमत से सदस्य का चुनाव करेंगे;

30- v / ; { k d s d k ; Z v / ; { k

(i) बोर्ड की बैठकों में अध्यक्षता करता है:

बशर्ते कि किसी भी बैठक में अध्यक्ष की अनुपस्थिति में, सदस्य अपने में से उस बैठक की अध्यक्षता करने हेतु मतों के बहुमत से सदस्य का चुनाव करेंगे।

(ii) बोर्ड की प्रत्येक बैठक की कार्यसूची का निर्धारण करेंगे;

(iii) जब बोर्ड की बैठक में, यदि किसी मुद्दे को मतदान द्वारा तय किया जाना है, तो मतदान कराएंगे तथा बैठक में गुप्त मतदान को गणना करेंगे अथवा कराएंगे।

(iv) राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचना द्वारा सौंपे गए अन्य कार्य

31- x . k i p u k z A—किसी बैठक में कोई कार्य नहीं किया जाएगा यदि न्यूनतम एक-तिहाई सदस्य तथा नियोक्ताओं एवं कर्मचारियों दोनों का न्यूनतम एक-एक प्रतिनिधि उपस्थित नहीं है;

बशर्ते कि, यदि किसी बैठक में एक तिहाई सदस्यों से कम सदस्यों से कम सदस्य उपस्थित हैं, तो अध्यक्ष उस बैठक को मूल बैठक की तारीख से अधिकतम सात दिन के लिए स्थगित कर सकते हैं तथा ऐसी स्थगित बैठक में कार्य का निपटान वैध हो जाएगा चाहे उपस्थित सदस्यों की संख्या कुछ भी हो;

बशर्ते कि ऐसी स्थगित बैठक की तारीख, समय एवं स्थान सभी सदस्यों को इलेक्ट्रॉनिक ढंग से अथवा पंजीकृत डाक से सूचित किया जाए।

32- c k M Z d s d k ; Z d k f u i V k u A—बोर्ड के एक बैठक में बोर्ड के सभी कार्यों पर विचार किया जाएगा, तथा उपस्थित सदस्यों और मतदान करने वालों के बहुमत द्वारा कार्यों का निर्णय लिया जाएगा तथा बराबर मत होने पर, अध्यक्ष का मत निर्णायक होगा:

बशर्ते कि अध्यक्ष उचित समझें तो निदेश दे सकते हैं कि किसी भी मामले के संबंध में निर्णय आवश्यक कागजात के परिचालन तथा सदस्यों को लिखित मत प्राप्त करके किया जाएगा:

इसके साथ-साथ शर्त यह है कि पूर्ववर्ती परंतुक के अंतर्गत किसी मामले में कोई निर्णय नहीं लिया जाएगा जब तक कि न्यूनतम दो-तिहाई सदस्य इसका समर्थन न करें।

33- e r n k u d k r j h d k A—बोर्ड में मतदान यामान्यतः हाथ उठाकर किया जाएगा परंतु यदि सदस्य बैलेट द्वारा मतदान की मांग करता है अथवा यदि अध्यक्ष ऐसा निर्णय लेते हैं तो मतदान गुप्त मतदान द्वारा अध्यक्ष द्वारा यथानिर्धारित ढंग से कराया जाएगा।

34- c B d k a d h d k ; Z k g h A—

(1) बोर्ड की प्रत्येक बैठक की कार्यवाहियां, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ बैठक में उपस्थित सदस्यों के नाम दर्शाते हुए, बैठक के तुरंत बाद हर हाल में अगली बैठक से सात दिन पहले प्रत्येक सदस्य तथा राज्य सरकार को अग्रपिठ की जाएगी।

(2) बोर्ड की प्रत्येक बैठकों की कार्यवाहियों की अगली बैठक में आवश्यक समझे जाने वाले संशोधनों, यदि कोई हो, के साथ पुष्टि की जाएगी।

35- x o kg kã d h l k{kh v kš n Lr ko s kã d k i Lr q hd j . k A-

- (1) अध्यक्ष, यदि अपने कर्तव्य के निर्वहन के दौरान अपेक्षित हों तो किसी व्यक्ति को गवाह के रूप में प्रस्तुत होने तथा कोई दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए आहूत कर सकता है।
- (2) प्रत्येक व्यक्ति, जिसे बुलाया जाता है और जो 0बोर्ड के समक्ष गवाह के रूप में प्रस्तुत होता है, वह अपने द्वारा खर्च के लिए सिविल न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत होने वाले गवाहों को देय भत्ते के भुगतान के लिए उस समय प्रवृत्त स्केल के अनुसार भत्ता का पात्र होगा।

36- l fe fr ; kã d h fu ; qü A- राज्य सरकार धारा 8 की उपधारा (1) के खंड (क) के तहत कई समिति बना सकती है क्योंकि यह उस खंड में निर्दिष्ट उद्देश्यों के लिए आवश्यक समझती है।

37- c kãMZd s l n L; kã d k d k; Å ky Å

- (1) मनोनीत सदस्यों का कार्यकाल धारा 42 की उप-धारा (1) के तहत उसकी नियुक्ति या नामांकन, जो भी मामला हो, की तारीख से सामान्यतः उसकी नियुक्ति अथवा नामांकन की तारीख से सामान्यतः दो वर्ष का होगा;
बशर्ते कि ऐसे सदस्य, दो वर्ष की उक्त अवधि की समाप्ति होने के बावजूद, अपने उत्तराधिकारी की नियुक्ति अथवा नामांकन तक अपने पद पर बने रहेंगे,
- (2) आकस्मिक स्थिति को भरने के लिए नामित बोर्ड का स्वतंत्र सदस्य जिसके स्थान पर उनको नामित किया गया है, उस सदस्य के शेष कार्यकाल के लिए वह पद पर बना रहेगा।
- (3) बोर्ड के आधिकारिक सदस्य तब तक पद पर रहेंगे, जब तक कि उनका स्थान उनके जैसे अन्य आधिकारिक सदस्यों द्वारा न ले लिया जाए।
- (4) पदेन सदस्य यथा अध्यक्ष या सदस्य सचिव अपने कार्यलय के कार्यकाल तक अपने पद को धारण करेंगे।
- (5) उप-नियमों (1), (2), और (3) में शामिल किसी बात के बावजूद, बोर्ड के सदस्य राज्य सरकार के प्रसाद पर्यन्त अपने पद पर बने रहेंगे।

38- ; k=k HkÜkk A-बोर्ड के अध्यक्ष सदस्य उनके द्वारा अपनी ड्यूटी के संबंध में की गई किसी भी यात्रा के लिए राज्य सरकार के समूह-क अधिकारी पर लागू दरों एवं शर्तों के अधीन यात्रा एवं पड़ाव भत्ता प्राप्त करने के पात्र होंगे।

39- v f/kã kj h v kš d e Å kj h A- राज्य सरकार बोर्ड के कामकाज के लिए जो इसे आवश्यक लगे, बोर्ड को कम से कम संयुक्त श्रम आयुक्त, अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों को उपलब्ध करा सकती है।

40- c kãMZd s l n L; kã d s i q % u ke kd u g s q i k=r k A-एक निवर्तमान सदस्य बोर्ड की सदस्यता के लिए पुनः नामांकन हेतु पात्र होगा परंतु वह कुल दो कार्यकाल के लिए सदस्य रह सकता है।

41- c kãMZd s v /; {k v kš v U; l n L; kã d k b Lr hQ k A-

- (1) बोर्ड का सदस्य, अध्यक्ष को लिखित रूप से नोटिस देकर, अपनी सदस्यता से इस्तीफा दे सकता है और अध्यक्ष राज्य सरकार को संबोधित एक पत्र द्वारा इस्तीफा दे सकता है।
- (2) इस्तीफा इसकी स्वीकृति की सूचना की तारीख 30 दिनों की समाप्ति, जो भी पहले हो, से प्रभावी होगा।
- (3) जब बोर्ड में कोई रिक्ति होती अथवा बोर्ड की सदस्यता में कोई रिक्ति होने की संभावना होती है, तो तत्काल अध्यक्ष इसकी रिपोर्ट राज्य सरकार को देंगे तथा राज्य सरकार, तब संहिता के उपबंधों के अनुसार रिक्तियों को भरने हेतु उपाय करेगी।

42- l n L; r k l e k r d j u k A-यदि बोर्ड का कोई सदस्य अध्यक्ष को पूर्व सूचना दिए बिना, लगातार तीन बैठकों में अनुपस्थित हो जाता है, तो वह बोर्ड का सदस्य नहीं रहेगा।

43- v ; kã; r k A-

- (1) एक व्यक्ति को बोर्ड का सदस्य होने तथा सदस्य के रूप में नामित होने के लिए अयोग्य हो जाएगा-
 - (i) यदि उसे सक्षम न्यायालय द्वारा विकृत चित/ पागल घोषित कर दिया जाता है अथवा
 - (ii) यदि वह अनुन्युक्त दिवालिया ह; अथवा
 - (iii) यदि संहिता शुरू होने से पहले या बाद में उसे नैतिक अपराध में शामिल अपराध का दोषी पाया गया है।
- (2) यदि यह प्रश्न उठता है कि अयोग्यता उप-नियम (1) के तहत हुई है या नहीं, तो राज्य सरकार का निर्णय अंतिम होगा।

v / ; k; VI

c d k; k; n ko ka b R; kfn d k Hq r ku

44- /kkj k 44 d h mi & /kkj k 1/4 1/2 d s [kM 1/4 1/2 d s r gr Hq r ku A—जब संहिता के अंतर्गत कर्मचारी को देय कोई राशि उसकी मृत्यु अथवा उसका ठिकाना नहीं पता होने के कारण उसको देनी बकाया है, तथा इस राशि के कर्मचारी को देय होने की तारीख से तीन माह की समाप्ति तक कर्मचारी को यह राशि भुगतान नहीं की जा सकी, तो नियोक्ता द्वारा यह राशि क्षेत्राधिकार वाले प्राधिकार के पास जमा की जाएगी, जो उसके पास राशि जमा कराने की तारीख के दो माह के अंदर कर्मचारी द्वारा नामित व्यक्ति की पहचान का पता लगाकर उस राशि का वितरण करेगा।

45- /kkj k 44 d smi & /kkj k 1/4 1/2 d s [kM 1/4 1/2 d s v a x Z v l for fjr c d k; k d k t e k A—

- (1) जहां इस संहिता के तहत किसी कर्मचारी को देय कोई राशि कर्मचारी द्वारा नामांकन नहीं करने के कारण अथवा अन्य किसी कारण से असंवितरित रह जाती है, तथा इस राशि के देय होने की तारीख से छह माह की समाप्ति तक कर्मचारी के नामित को इस राशि का भुगतान नहीं किया जा सका, जो नियोक्ता द्वारा ऐसी सम्पूर्ण राशि छह माह की उक्त अवधि के अंतिम दिन से पन्द्रह दिन की समाप्ति से पहले उस क्षेत्राधिकार वाले प्राधिकार के पक्ष में जमा की जाएगी।
- (2) उप नियम-1 के अन्तर्गत विनिर्दिष्ट राशि नियोजक द्वारा उस क्षेत्राधिकार वाले प्राधिकार के पक्ष में बैंक अन्तरण अथवा भारत के अनुसूचित बैंक से निर्गत रेखांकित डिमान्ड ड्राफ्ट जमा किया जायेगा।

46- /kkj k 44 d h mi & /kkj k 1/4 1/2 d s [kM 1/4 1/2 d s d s v a x Z v l for fjr n s ka d s fui Vku d k r j hd k A—

- (1) नियम 47 के उप नियम (1) में संदर्भित राशि (एतदुपरांत इस नियम में राशि के रूप में संदर्भित) संबंधित क्षेत्राधिकार वाले प्राधिकार के पास जमा राशि उसी के पास रहेगी तथा वह उसे राज्य अथवा राज्य सरकार प्रतिभूतियों में निवेशित अथवा किसी अनुसूचित बैंक में सावधि जमा के रूप में रखेगा।
- (2) संबंधित क्षेत्राधिकार के प्राधिकार जितनी जल्दी संभव हो सके, राशि से संबंधित विवरणों के साथ, जिसे सूचनार्थ प्राधिकार प्रयाप्त समझे, नोटिस बोर्ड पर न्यूनतम पन्द्रह दिन के लिए नोटिस प्रदर्शित करेगा तथा क्षेत्र में जिसमें असंवितरित वेतन अर्जित किया गया था, उसमें सामान्यतः समझी जाने वाली भाषाओं में परिचालित हो रहे किन्हीं दो समाचार पत्रों में भी इस नोटिस को प्रकाशित करेगा।
- (3) उप-नियम (4) के उपबंध के अधधीन, संबंधित क्षेत्राधिकार वाला प्राधिकार नामिति अथवा उस व्यक्ति को जिसने उस राशि का दावा किया है, जैसा भी मामला हो, तथा जिसके पक्ष में उस प्राधिकार ने सुनवाई का अवसर प्रदान करने के पश्चात् राशि भुगतान करने को निर्णय किया है, राशि जारी करेगा।
- (4) यदि यह असंवितरित राशि सात साल में लिए अदावाकृत रहती है, तो इसका निपटान इस संबंध में समय-समय पर राज्य सरकार द्वारा यथा-निर्देशित ढंग से किया जाएगा।

v / ; k; VII

i i =] jft LVj v k; o r u i p h Z

47- , d y v u q; kx d k : i A— धारा 45 की उप-धारा (5) के अंतर्गत प्रपत्र-II में विनिर्दिष्ट के साथ इस प्रपत्र में एकल आवेदन दायर किया जा सकता है।

48- v i h y A— धारा 45 की उप-धारा (2) के तहत प्राधिकारी द्वारा पारित एक आदेश से पीड़ित कोई भी व्यक्ति धारा 49 की उप-धारा (1) के अंतर्गत प्रपत्र-III में अपीलकर्ता द्वारा वर्णित दस्तावेजों के साथ इस प्रपत्र में संबंधित क्षेत्राधिकार वाले अपीलीय प्राधिकार को अपील कर सकता है।

49- jft LVj d k i i = A—

- (1) धारा 19 की उप-धारा (8) में संदर्भित सभी जुर्माना एवं उनकी वसूलियों का विवरण इन नियमों के साथ संलग्न प्रपत्र-I के रूप में नियोक्ता द्वारा रखे जाने वाले रजिस्टर में इलेक्ट्रॉनिक ढंग में अथवा अन्यथा रूप में रखा जाएगा तथा उक्त उप धारा (8) में संदर्भित प्राधिकारी उस क्षेत्र के प्राधिकार होंगे।
- (2) धारा 21 की उपधारा (3) में संदर्भित सभी कटौतियों एवं वसूलियों का विवरण इन नियमों के साथ संलग्न प्रपत्र-I के रूप में नियोक्ता द्वारा रखे जाने वाले रजिस्टर में इलेक्ट्रॉनिक ढंग से अथवा अन्यथा रखा जाएगा।
- (3) किसी भी प्रतिष्ठान का प्रत्येक नियोक्ता जिस पर या संहिता लागू होती है, वह धारा 50 की उप-धारा (1) के प्रपत्र I और प्रपत्र IV में इलेक्ट्रॉनिक अथवा अन्य किसी रूप में रजिस्टर रखेगा।

50- o r u i p h Z A—प्रत्येक नियोक्ता वेतन भुगतान के समय अथवा उससे पहले धारा 50 के उप-धारा (3) के अंतर्गत प्रपत्र V में अपने कर्मचारियों इलेक्ट्रॉनिक अथवा अन्यथा ढंग से वेतन पर्ची जारी करेगा।

51- /kkj k 53 d h mi & /kkj k 1/4 1/2 d s v a x Z t kp d j kus d k r j hd k A-

- (1) जब धारा 53 की उपधारा (1) के अंतर्गत नियुक्त अधिकारी (भारत सरकार में अवर सचिव के समतुल्य अथवा उनसे उच्चस्तरीय पद धारक) जिन्हें राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित किया जायेगा। (एतदुपरांत इस नियम में अधिकारी के रूप में संदर्भित) उक्त उप धारा में संदर्भित अपराधों के संबंध में राज्य सरकार द्वारा इस प्रयोजनार्थ प्राधिकृत अधिकारी अथवा पीडित कर्मचारी अथवा पंजीकृत व्यवसाय संघ अथवा किसी निरीक्षक-सह-सुविधाप्रदाता द्वारा शिकायत दायर की जाती है, तो शिकायतकर्ता द्वारा उसके समक्ष प्रस्तुत साक्ष्यों पर विचार करने के पश्चात् अधिकारी का मत है कि अपराध किया गया है, तो यह अपराधी को प्रस्तुत होने के लिए तारीख का निर्धारण करते हुए शिकायत में विनिर्दिष्ट पते पर समन जारी करता है।
- (2) यदि वह अपराधी जिसे उप-नियम (1) के तहत समन जारी किया गया है, प्रस्तुत होता है अथवा अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है, तो अधिकारी उसे उसके खिलाफ शिकायत किए गए अपराध का उल्लेख करेगा और यदि अपराधी दोष स्वीकार करता है तो अधिकारी संहिता के उपबंधों के अनुसार उस पर शास्ति लगाएगा और यदि अपराधी दोष स्वीकार नहीं करता है, तो अधिकारी शिकायतकर्ता द्वारा प्रस्तुत गवाहों के शपथ पर साक्ष्य लेगा तथा इस तरह लाए गए गवाहों से प्रश्न पूछने (जिरह) का अवसर उपलब्ध कराएगा। यह अधिकारी गवाहों के शपथ पर बयान तथा जिरह को बचाव का अवसर देगा तथा उसके लिखित में रिकार्ड करेगा और दस्तावेजी साक्ष्यों को रिकार्ड में लेगा।
- (4) अधिकारी पक्षकारों को सुनने के बाद और मौखिक एवं दस्तावेजी साक्ष्यों पर विचार करके संहिता के उपबंधों के अनुसार शिकायत पर निर्णय लेगा।

52- /kkj k 56 d h mi & /kkj k 1/4 1/2 d s r g r t q k k y x kus d k r j hd k A-

- (1) कोई दोषी व्यक्ति यदि धारा 56 की उप-धारा (1) के अंतर्गत अपराध का शमन चाहता है, तो वह उक्त उप-धारा (1) के अंतर्गत अधिसूचित राजपत्रित अधिकारी को प्रपत्र VI में इलेक्ट्रॉनिक ढंग से अथवा अन्यथा आवेदन पर कर सकता है।
- (2) उप नियम (1) में संदर्भित राजपत्रित अधिकारी ऐसे आवेदन की प्राप्ति पर स्वयं सुनिश्चित करेगा कि यह अपराध संहिता के अंतर्गत शमनयोग्य है या नहीं और यदि अपराध शमनयोग्य है तथा दोषी व्यक्ति शमन के लिये सहमत हो जाता है, संहिता के अंतर्गत ऐसे अपराध के लिए उपबंधित अधिकतम जुर्माने की पचास प्रतिशत राशि पर अपराध की सुलह कर लेता है जिसका ऐसे अधिकारी द्वारा जारी शमन आदेश में निर्दिष्ट समय-सीमा में दोषी व्यक्ति द्वारा भुगतान किया जाना है।
- (3) जहां अभियोजन चलाने के पश्चात् उप नियम (2) के अंतर्गत अपराध में सुलह की गई है, वहां, वह अधिकारी अपने द्वारा जारी किए गए ऐसे आदेश को प्रति धारा 56 की उप धारा (6) के अंतर्गत आवश्यक कार्रवाई हेतु धारा 53 की उप धारा (1) में संदर्भित अधिकारी को भेजेगा।

v /; k; IX

fo fo /k

53- o r u d k l e ; i j H q r k u A-जहाँ कर्मचारी किसी प्रतिष्ठान में ठेकेदार के माध्यम से नियोजित है, वहां, वह कम्पनी अथवा फर्म अथवा संघ अथवा कोई अन्य व्यक्ति जो उस प्रतिष्ठान का मालिक है, ठेकेदार को उसके, जैसा भी मामला हो, द्वारा देय राशि का भुगतान वेतन के भुगतान की तारीख से पहले करेगा ताकि कर्मचारियों को वेतन का भुगतान धारा 17 के उपबंधों के अनुसार निश्चित रूप से किया जा सके।

स्पष्टीकरण:- इस नियम के प्रयोजनार्थ शब्द "फर्म" का वही अर्थ होगा जो इसका अर्थ भारतीय साझेदारी अधिनियम, 1932 (1932 का 9) में है।

54- U; w r e c k u l d s H q r k u g r q m U k j n k f; R o A-जहां किसी प्रतिष्ठान में, कर्मचारी ठेकेदार के माध्यम से नियोजित किए जाते हैं तथा ठेकेदार धारा 26 के अंतर्गत उनको न्यूनतम बोनस का भुगतान करने में असफल हो जाता है, वहां, कंपनी अथवा फर्म अथवा संघ अथवा धारा 43 के पंरतुक में यथा संदर्भित अन्य कोई व्यक्ति, कर्मचारियों अथवा किसी पंजीकृत श्रमिक संघ अथवा संघों जिनके कर्मचारी सदस्य हैं, द्वारा ऐसी असफलता की लिखित सूचना दिये जाने पर तथा इसकी पुष्टि करने पर कर्मचारियों को इस न्यूनतम बोनस का भुगतान करेगा।

55- f u j h k k ; k s u k A-

- (1) संहिता और इन नियमों के प्रयोजनों के लिए, राज्य सरकार के अनुमोदन से श्रम आयुक्त द्वारा एक निरीक्षण योजना बनाई जाएगी।
- (2) उप-नियम (1) में निर्दिष्ट निरीक्षण योजना में, अन्य संरचनात्मक तथ्यों के अतिरिक्त, योजना में प्रत्येक निरीक्षक-सह-सुविधाप्रदाता तथा प्रतिष्ठान को एक संख्या विनिर्दिष्ट की जाएगी।

i i = & II

1/4u; e & 47 n f k k z

[/kjk k 45 d h mi & /kjk k 1/5 1/2 d s v a x Z , d V v ko nu]

o s u l f g r k j 2019 1/2019 d k 29 1/2 d h /kjk k 45 d h mi & /kjk k 1/4 1/2 d s v a x Z fu ; Pr i k f /k d k j h d s l e f k
----- d s fy , { k = -----

आवेदन संख्या 20 का
क, ख, ग (संख्या का उल्लेख करें) और अन्य आवेदक
(संबंधित कर्मचारियों अथवा पंजीकृत व्यापार यूनियन अथवा निरीक्षक- सह-प्रोत्साहक के माध्यम से)
पता

और

.....क्ष, त्र, ज्ञ

पता

के बीच

इस आवेदन में निम्नलिखित का उल्लेख किया गया है:

- (1) आवेदक जिनका (जिनके) नाम संलग्न अनुसूची में दिए गए हैं, में शामिल (कार्य की प्रकृति जो वेतन संहिता 2019 द्वारा कवर होती है/हैं) मेसर्स के (प्रतिष्ठान) में से तक श्रेणी के रूप में नियुक्त किया गया था/है।
- (2) प्रतिवादी वेतन संहिता, 2019 की धारा 2 (1) की विवक्षा के अंतर्गत नियोक्ता है/हैं
- (3) (क) आवेदक (आवेदकों) को से तक की अवधि के लिए रुपये प्रति दिन के हिसाब से इस संहिता के अंतर्गत कर्मचारी (यों) की उनकी श्रेणी (यों) के लिए निर्धारित न्यूनतम वेतन की दरों से कम वेतन का भुगतान किया गया है।
(ख) आवेदक (को) को से तक की अवधि के लिए रुपये प्रति दिन के हिसाब से इस संहिता के अंतर्गत कर्मचारी (यों) की उनकी श्रेणी (यों) के लिए निर्धारित न्यूनतम वेतन की दरों से कम वेतन का भुगतान किया गया है।
(ग) आवेदक (को) को से तक की अवधि के लिए समयोपरि दर (रों) पर वेतन का भुगतान नहीं किया गया है।
(घ) आवेदक (को) को से तक की अवधि के लिए वेतन का भुगतान नहीं किया गया है।
(ङ) आवेदक (को) के वेतन (नों) से जो कटौती की गई है वह इस संहिता का उल्लंघन है। कटौती का ब्यौरा जिसका ब्यौरा इस आवेदन के साथ संलग्न अनुबंध में दर्शाया गया है।
(च) आवेदक (को) को लेखा वर्ष के लिए न्यूनतम बोनस का भुगतान नहीं किया गया है।
- (4) आवेदक प्रत्येक राशि पर स्वयं द्वारा मांगी गई राहत का मूल्य निम्नानुसार आकलित करता/करते हैं:
(क) रुपये
(ख) रुपये
(ग) रुपये
कुल रुपये
- (5) अतः आवेदक अनुरोध करता/करते हैं कि वेतन संहिता, 2019 की धारा 45 (2) के अंतर्गत निम्नलिखित के लिए निदेश जारी किया जाए;
(क) संहिता के अंतर्गत देय वेतन और वास्तव में भुगतान किए गए वेतन के बीच के अंतर का भुगतान।
(ख) विश्राम के दिवसों के लिए प्रतिपूर्ति का भुगतान।
(ग) समयोपरि दरों पर वेतन का भुगतान
(घ) रुपये का मुआवजा
- (6) आवेदक एतद्वारा यह घोषणा करता है/करते हैं कि इस आवेदन में उल्लिखित तथ्य उनकी अधिकतम जानकारी, विश्वास और सूचना के अनुसार सत्य है।

दिनांक

नियुक्त किए गए व्यक्ति (यों) अथवा किसी पंजृत ट्रेड यूनियन द्वारा विधिवत प्राधिकृत किसी अधिकारी अथवा निरीक्षक-सह-प्रोत्साहक के हस्ताक्षर अथवा अंगूठे का निशान।

u k % v ko n d] ; f n v ko ' ; d g k j r k s b l v ko n u d s l k F k C ; k f k u l s l a f i / k r v u q d k l g X u d j l d r k g l d r s g

i i = III

!fu ; e 48 n f kkt

वेतन संहिता, 2019 के अंतर्गत अपील प्राधिकारी के समक्ष वेतन संहिता की धारा 49 (1) के अंतर्गत अपील क, ख, ग पता

.....अपीलकर्ता

बनाम

ग, घ, ङ.

.....प्रतिवादी

अपील का ब्योरा

1. उस आदेश का विवरण, जिसके विरुद्ध अपील की गई है:-

संख्या और दिनांक:

प्राधिकारी जिसने प्रश्नगत आदेश जारी किया है

प्रदान की गई राशि:

प्रदान किया गया मुआवजा, यदि कोई हो:

2. मामले के तथ्य:

(इसमें तथ्यों का कालक्रमानुसार एक संक्षिप्त विवरण दें, जहां तक संभव हो प्रत्येक अनुच्छेद में एक अलग मामले अथवा तथ्य का उल्लेख किया जाए)

3. अपील के आधार:

4. वैसे मामले जिन्हें पहले दर्ज नहीं किया गया अथवा जो किसी अन्य न्यायालय अथवा किसी अपील प्राधिकारी के पास लंबित ना हो। :

अपीलकर्ता आगे यह घोषणा करता है कि उसने इस मामले के संबंध में जिसमें यह अपील की गई है, पहले कोई अपील, रिट याचिका अथवा सूट किसी न्यायालय अथवा किसी अन्य प्राधिकारी अथवा अपील प्राधिकारी के समक्ष दायर नहीं किया है और ना ही ऐसी कोई अपील, रिट याचिका या सूट नमें से किसी के पास लंबित है।

5. मांगी गई राहत

उपर उल्लिखित तथ्यों को ध्यान में रखते हुए अपीलकर्ता निम्नलिखित राहत प्रदान करने का अनुरोध करता है:-

(नीचे मांगी गई राहत (तो) का उल्लेख करें,

6. अनुलग्नकों की सूची:

1

2

3

4

.....

fn u kd %

LEkku %

v i hy d r kZ d k g Lr k{kj

d k; k; ; mi ; kx d s fy ,

n k; j d j u s d h r kj h{ k

v Fko k

Mkd } kj k i kIr d j u s d h r kj h{ k

i a hd j . k l q ; k

i k{/kd r g Lr k{kj d r kZ

i i = IV
 1/4u; e 49 1/3 1/2 n f k k
 d e p k j h j f t LVj

i fr 'Bku d k uke %

Loke h d k uke %

J e i g p ku l f; k 1/4 y v kb Ze 1/5%

fu; kii k d k uke %

fu; kii k d k i s @ V s %

Ø e l f; k	d e p k j h d k M	u ke	mi u ke	fy x a	fi r k @ i fr @ i Ru h d k u ke	t Ue fr fFk	j k'v'f; r k	' k f f. kd Lr j	d k; z g. k d h r k j h k	i n u ke	J s kh 1/4 p, l @, l, l; w/2	j ks x k j d k i d k j
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13

e ks kb z l f; k	; w, u	i s	b z v kb z h w kb z h l f; k	v k/ kb j	c s l k b r k l f; k	c s	' k k j k k / h kb z Q, l l h/2	o r z ku i r k	L f k k; h i r k
14	15	16	17	18	19	20	21	22	23

l s k i f L r d k l f; k	N k M s s d h r k j h k	N k M s s d k d k j . k	i g p ku fp U g	Q k s / k s	u e w k g L r k f k j @ v a B s d k fu ' k ku	v H f Dr ; k j
24	25	26	27	28	29	30

*(अति कुशल/कुशल/अर्धकुशल/अकुशल)

i i = V
 'fu ; e 50 n f kä
 o s u i p hZ

t k j h d j u s d h r k j h k %

i fr 'Bku d k u ke ----- i r k ----- v o f/k-----

1- d e p k j h d k u ke %

2- f i r k @ i f r @ i R u h d k u ke

3- i n u ke %

4- ; y u , u %

5- c h [k k r k l i ; k&

6- o s u v o f/k%

7- n s o s u d s n j % d -1/2 e y [k-1/2 e g a kb ZHkUkk x 1/2 v U; HkUs

8- d g m i f L F k f r @ f d , x , d k ; Z d h e k * k %

9- l e ; k i f j o s u

10 n s l d y o s u

11 d g d V k f r d -1/2 H k f o " ; f u f / k [k-1/2 b Z l v k b Z x 1/2 v U;

12- H k r k u f d ; k x ; k d g o s u

i i = VI

[fu; e 52 ¼½ n f k]

v i j k/k d s d R; d s fy , /kjk 56 d h mi /kjk ¼½ d s r gr v ko n u

1- v ko n d d k u ke %

2- fi r k@ i fr & i Ru h d k u ke

3- v ko n d d k i r k%

4- v i j k/k d s fo j . k

.....

.....

.....

5- l g r k d h /kjk k ft l d s r gr v i j k/k fd ; k x ; k g &

.....

6- bl l g r k d s r gr v i j k/k d s fy , i n ku fd ; k x ; k v f/kd r e t q k k

.....

7- D; k v ko n d d s fo :) d kb Zv fH; k u y f c r g S; k u g h a

8- D; k ; g v i j k/k i g y k v i j k/k g S; k v ko n d u s v i j k/k l s i g y s d kb Zv U; v i j k/k fd ; k FkA ; f n g k

r k s i g y s v i j k/k d k i w k Z fo j . k n A

.....

.....

.....

9- d kb Zv U; l p u k t k s v ko n d i n ku d j u k p k g r k g k s

.....

.....

.....

v ko n d

¼ ke v k f g L r k f k j ½

f n u k d &

v u w p h d

[fu; e 20] 21] 25 v k 26 n f k]

इस अनुसूची में सभी कर्मचारियों को देय वार्षिक वेतन अथवा मजदूरी के 8.33 प्रतिशत के बराबर बोनस की कुल राशि 1,04,167. मानी गई है। तदनुसार अधिकतम बोनस जिसके लिए सभी कर्मचारी भुगतान के पात्र (सभी कर्मचारियों के वार्षिक वेतन अथवा मजदूरी का 20 प्रतिशत) अधिकतम बोनस की राशी 2,50,000. रुपये होगी।

o 'K	c k u l d s : I k e n v k o f V r f d , t k u s ; k s ; m i y O k v f r f j D r j k f ' k d s 6 0 i f r ' k r ; k 6 7 i f r ' k r] t S k H h e k e y k g k j d s c j k e j j k f ' k	c k u l d s : I k e n s j k f ' k	o 'K Z d k v x s k l r l S & v k W v F k o k l S v k Y	d g v x f. k r l S & v k W v F k o k l S v k Y	
1	2	3	4	5	6
	रूपये	रूपये	रूपये	रूपये	वर्ष (का)
1	1,04,167	1,04,167**	शून्य	शून्य	
2	6,35,000	2,50,000*	सैट-ऑन 2,50,000*	सैट-ऑन 2,50,000*	(2)
3	2,20,000	2,50,000* (वर्ष 2 से 30,000 को शामिल करते हुए)	शून्य	सैट-ऑन 2,20,000	(2)
4	3,75,000	2,50,000*	सैट-ऑन 1,25,000	सैट-ऑन 2,20,000 1,25,000	(2) (4)
5	1,40,000	2,50,000* (वर्ष 2 से 1,10,000 को शामिल करते हुए)	शून्य	सैट-ऑन 1,10,000 1,25,000	(2) (4)
6	3,10,000	2,50,000*	सैट-ऑन 60,000	सैट-ऑन शून्य + 1,25,000 60,000	(2) (4) (6)
7	1,00,000	2,50,000* (वर्ष 4 से 1-25,000 तथा 6 से 25000 को शामिल करते हुए)	शून्य	सैट-ऑन 35,000	(6)
8	शून्य (नुकसान के कारण)	1,04,167** (वर्ष 6 से 35000 को शामिल करते हुए)	सैट ऑफ 69,167	सैट ऑफ 69,167	(8)
9	10,000	1,04,167**	सैट ऑफ 94,167	सैट ऑफ 69,167 94,167	(8) (9)
10	2,15,000	1,04,167** (वर्ष 8 से 69,167 तथा वर्ष 9 से 41,666 के सैट ऑफ के बाद)	शून्य	सैट ऑफ 52,501	(9)

टिप्पणी:-

* अधिकतम

+ वर्ष 2 के व्ययगत से 1,10,000 रुपये के सैट ऑन से अंत शेष

** न्यूनतम

v u w p h [k
l d y y k k d h l a . k u k
[f u ; e 2 2 n f k]

----- d k s l e k l r g k u s o k y k y f k k o ' k Z

e n l a	f o o j . k	m i e n k a d h j k f ' k j k f ' k	e k ; e n k a d h j k f ' k j k f ' k	v k f i D r ; k a
*1.	प्रायिक तथा आवश्यक उपबंध करने के पश्चात् लाभ-हानि लेखा में यथा प्रदर्शित निवल लाभ			
2.	निम्नलिखित के लिए उपबंधित राशि पीछे जोड़ दे: (क) कर्मचारियों को बोनस (ख) अवमूल्यन (ग) विकास रिबेट आरक्षिति (घ) कोई अन्य आरक्षिति मद संख्या 2 का योग	j k f ' k		पाद टिप्पण (1) देखें पाद टिप्पण (1) देखें
3.	निम्नलिखित को भी पीछे जोड़ दें: (क) कर्मचारियों को पूर्व लेखा वर्ष के लिए संदत्त बोनस (ख) कर्मचारियों को निम्नलिखित के योग के आधिक्य में संदत्त या संदेय उपदान के लिए विकलित राशि, अर्थात्— (1) किसी अनुमोदित उपदान निधि के लिए संदत्त किए जाने के लिए उपबंधित राशि, यदि कोई है, और (II) कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति पर या किसी कारणवश उनका नियोजन समाप्त कर दि जाने पर उन्हें संदत्त वास्तविक राशि (ग) आय कर के लिए अनज्ञेय राशि के आधिक्य में संदाय (घ) (वैज्ञानिक अन्वेषण पर उस पूंजीगत व्यय से भिन्न जिसकी जिसकी कटौती प्रत्यक्ष करों से संबंधित किसी वत्समय प्रवृत्त विधि के अधीन अनुज्ञात है) पूंजीगत आस्तियों के विक्रय पर हुई हानियों से भिन्न है, जिन पर आय कर हेतु अवमूल्यन अनुज्ञात किया गया है। (ड.) बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949, (1949 का 10) की धारा 34क की उपधारा 92 के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्रमाणित कोई राशि। (च) भारत के बाहर स्थित किसी व्यवसाय की हानियां या तत्संबंधी व्यय। मद संख्या 3 का व्यय	j k f ' k		पाद टिप्पण (1) देखें पाद टिप्पण (1) देखें

en la	fooj.k	mi en knd h j kf' k j kf' k	e q ; en knd h j kf' k j kf' k	v H qDr ; ka
4.	<p>निम्नलिखित से भिन्न वह आय, वे लाभ या अधिलाभ (यदि कोई हो) भी जोड़ दे, जो प्रकाशित अथवा प्रकटित आरक्षिति खाते में सीधे जमा किए गए हैं—</p> <p>(i) पूंजीगत प्राप्तियाँ तथा पूंजीगत लाभ (जिनमें उन पूंजीगत अस्तियों के विक्रय पर हुए लाभ भी सम्मिलित हैं, जिन पर आय-कर के लिए अवमूल्यन को अनुज्ञात नहीं किया गया है)</p> <p>(ii) भारत के बाहर स्थित किसी कारोबार के लाभ तत्संबंधी प्राप्तियां</p> <p>(iii) भारत के बाहर विनिधानों से विदेशी बैंककारी कंपनियों की आय</p> <p>मद संख्या 4 का व्यय</p>	j kf' k		
5.	मद संख्या 1, 2, 3 और 4 का सकल योग	j kf' k		
6.	<p>निम्नलिखित की कटौती करे:-</p> <p>(क) पूंजीगत प्राप्तियाँ और लाभ (जो उन आस्तियों के विक्रय से हुए लाभों में भिन्न हैं, जिनपर अवमूल्यन, आय-कर के लिए अनुज्ञात किया गया है।)</p> <p>(ख) भारत से बाहर स्थित किसी व्यवसाय के लाभ तथा तत्संबंधी प्राप्तियां</p> <p>(ग) भारत से बाहर विनिधानों से विदेशी बैंककारी कंपनियों की आय</p> <p>(घ) निम्नलिखित से भिन्न वे व्यय या हानियां (यदि कोई हो) जो प्रकाशित या प्रकटित आरक्षिति में से प्रत्यवतः विकसित की गई हैं:-</p> <p>(i) पूंजीगत व्यय तथा पूंजीगत हानियां (जो उन पूंजीगत आस्तियों के विक्रय पर हुई हानियों से भिन्न हैं, जिन पर अवमूल्यन, आय-कर के लिए अनज्ञात नहीं किया गया है)</p> <p>(ii) भारत से बाहर स्थित किसी व्यवसाय की हानियां</p> <p>(ड.) विदेशी बैंककारी कंपनियों के मामले में, प्रधान कार्यालय के आनुपातिक प्रशासनिक (उपरिव्यय) जो भारतीय व्यवसाय के हिस्से में आना चाहिए।</p>			<p>पाद टिप्पण (2) देखें</p> <p>पाद टिप्पण (2) देखें</p> <p>पाद टिप्पण (2) देखें</p> <p>पाद टिप्पण (3) देखें</p>

e n l a	fo o j . k	mi e n k a d h j k f ' k	e t ; e n k a d h j k f ' k	v H d r ; ka
		j k f ' k	j k f ' k	
	<p>(च) पूर्व लेखा वर्षों के लिए संदत्त किसी भी प्रत्यक्ष कर के किसी आधिक्य का प्रतिदाय तथा पूर्व लेखावर्षों के लेखे बोनस, अवक्षयण या विकास रिबेट संबंधी कोई उपबंधित अधिमान रकम यदि वह लेखा में पुनः प्रविष्ट की गई है।</p> <p>(छ) बजट संबंधी अनुदानों के माध्यम से किन्हीं विनिर्दिष्ट प्रयोजनों के लिए सरकार द्वारा या तत्समय प्रवृत्त किसी विधि द्वारा समाप्ति किसी निगमित निकाय द्वारा या किसी अन्य अभिकरण के माध्यम से संदत्त नकद साहयिकी, यदि कोई हो। मद संख्या का योग</p>	j k f ' k		<p>पाद टिप्पण (2) देखें</p> <p>पाद टिप्पण (2) देखें</p>
7.	बोनस के प्रयोजनों के लिए सकल लाभ (मद संख्यांक 5 (-) ऋण मद संख्या 6)		j k f ' k	

Li "Vhl j . k मद 3 की उपमद (ख) में, "अनुमोदित उपदान निधि" पद का वही अर्थ है जो उसका आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 2 के खंड (5) में है।

* जहां लाभ को कराधान के अध्यक्षीन लाभ औरी हानि खाते में रखा गया है और आय पर करों के लिए प्रावधान को दर्शाया गया है, वहां आय पर करों के लिए वास्तविक प्रावधान को लाभ से काट लिया जाएगा।

पाद – दिप्पण

- (1) यदि वे और जिस विस्तार तक वे लाभ और हानि खाते में जमा किए गए हों।
- (2) यदि वे और जिस विस्तार तक वे लाभ और हानि खाते में जमा किए गए हों।
- (3) उस अनुपात में जो [भारतीय सकल लाभ का (मद संख्या 7) (उस समेकित लाभ-हानि खाते के अनुसार जो केवल उपयुक्त मद संख्या 2 में हो यथा समायोजित रूप में है) संकलित विश्व सकल लाभ से है।]

v u w p h x
l d y y k h k d h l a . k u k

[f u ; e 24 n f k a]

----- d k s l e k l r g k u s o k y k y f k k o ' k Z

Accounting year ending.....

e n l u ; k	f o o j . k	m i e n k a d h : I k ; s : i ; :	e u ; i n k a d h : I k ; s : i ; :	v H k ; u D r ; k a
1.	लाभ एवं हानि खाते के अनुसार निवल लाभ			
2.	निम्नलिखित के लिए वापस शामिल करने का प्रावधान करें: (क) कर्मचारियों को बोनस (ख) अवमूल्यन (ग) पूर्ववर्ती लेखा वर्षों के लिए प्रावधान सहित (यदि कोई हो) प्रत्यक्ष कर (घ) विकास रिबेट/निवेश भत्ता/विकास भत्ता आरक्षिति (ङ.) अन्य कोई आरक्षिति मद संख्या 2 का कुल	रुपये		पाद टिप्पण (1) देखें पाद टिप्पण (1) देखें
3.	निम्नलिखित को भी पीछे जोड़ दे: (क) पूर्व लेखा वर्षों की बाबत कर्मचारियों को संदत्त बोनस (कक) कर्मचारियों को निम्नलिखित के योग के अधिक संदत्त या संदेय उपदान के संबंध में उनके नामे डाली गई राशि— (i) अनुमोदित उपदान निधि में जमा की गई या उसमें संदाय के लिए उपबंधित राशि यदि कोई हो, और (ii) कर्मचारियों को उनकी सेवानिवृति पर या किसी कारण से उनके नियोजन की समाप्ति पर वास्तव में संदत्त। (ख) आय-कर के लिए अनुज्ञेय राशि के आधिक्य में चदा/दान (ग) लेखा वर्ष के दौरान आय-कर अधिनियम की धारा 280घ के उपबंधों के अधीन कोई देय वार्षिकी या दी गई किसी वार्षिकी की संराशीकृत राशि			पाद टिप्पण (1) देखें

e n l ; k	fo o j . k	m i e n k a d h : l k ; s : i ; s	e ; i n k a d h : l k ; s : i ; s	v Hk; Dr ; ka
	<p>(घ) पूंजीगत व्यय (वैज्ञानिक अनुसंधान पर पूंजीगत व्यय जो प्रत्यक्ष करों के संबंध में उस समय लागू किसी कानून के अंतर्गत कटौती के रूप में अनुज्ञेय है, को छोड़कर) और पूंजीगत हानि (पूंजीगत परिसंपत्तियों के विक्रय, जिन पर आय-कर अथवा कृषिगत आय-कर के लिए मूल्य ह्रास की अनुमति है, को छोड़कर।)</p> <p>(ड.) भारत के बाहर स्थित किसी व्यापार के संबंध में हानि अथवा व्यय</p> <p>मद संख्या 3 का योग्य</p>	रूपये		पाद टिप्पण (1) देखें
4.	<p>निम्नलिखित से भिन्न वह आय, वे लाभ या अधिलाभ (यदि कोई हो) भी जोड़ दें, जो आरक्षित खाते में सीधे जमा किए गए हैं—</p> <p>(i) पूंजीगत प्राप्तियां तथा पूंजीगत लाभ (जिनमें उन पूंजीगत परिसंपत्तियों के विक्रय पर हुए लाभ भी सम्मिलित हैं, जिन पर आय-कर अथवा कृषिगत आय-कर के लिए अवमूल्यन अनुमेय नहीं है)</p> <p>(ii) भारत के बाहर स्थित किसी कारोबार के लाभ और तत्संबंधी प्राप्तियां</p> <p>(iii) भारत के बाहर निवेश से संबंधित विदेशी कंपनियों की आय</p> <p>मद संख्या 4 का कुल योग्य</p>	रूपये		
5.	मद संख्या 1, 2, 3 और 4 का योग्य	रूपये		
6.	<p>निम्नलिखित की कटौती करें—</p> <p>(क) पूंजीगत प्राप्तियों और लाभ (जो उन परिसंपत्तियों के विक्रय से हुए लाभों से भिन्न है, जिनपर अवक्षयण, आय-कर या कृषि आय-कर के लिए अनुज्ञात किया गया है)</p> <p>(ख) भारत से बाहर स्थित किसी व्यवसाय से संबंधित लाभ और प्राप्तियां।</p> <p>(ग) भारत से बाहर निवेश से विदेशी संस्थानों की आय</p> <p>(घ) आरक्षित में प्रत्यक्षतः नामे डाले गए वे व्यय या हानियां (यदि कोई हो) जो निम्न से भिन्न हैं—</p> <p>(i) पूंजीगत व्यय तथा पूंजी हानियां (जो उन पूंजी परिसंपत्तियों के विक्रय पर हुई हानियों से भिन्न है, जिन पर अवक्षयण, आय-कर अथवा कृषि आयकर के लिए अनुज्ञात नहीं किया गया है)</p>			<p>पाद टिप्पण (2) देखें</p> <p>पाद टिप्पण (2) देखें</p> <p>पाद टिप्पण (2) देखें</p>

<i>e n</i> <i>l ĩ ; k</i>	<i>fo o j . k</i>	<i>m i e n k a d h : l k ; s</i>	<i>e ĩ ; i n k a d h</i> <i>: l k ; s</i>	<i>v ĩ ; ĩ Dr ; k a</i>
		: i ; s	: i ; s	
	<p>(ii) भारत से बाहर स्थित किसी व्यवसाय की हानियां (ड.) विदेशी संस्थानों की दशा में प्रधान कार्यालय के आनुपाती प्रशासनिक (उपरिव्यय) जो भारतीय व्यवसाय के हिस्से में आना चाहिए।</p> <p>(च) पूर्व लेखा वर्षों के संदर्भ संदत्त किसी भी प्रत्यक्ष कर प्रतिदाय तथा पूर्व लेखावर्षों के बोनस, अवक्षयण, कराधान या विकास रिबेट या विकास भत्ता संबंधी यदि कोई अधिमात्रिक रूप में उपबंधित की गई है तो वह रूपलेखा में पुनः प्रविष्ट की गई हो।</p> <p>(छ) नकद सहायिकी, यदि कोई हो, जिसे विनिर्दिष्ट प्रयोजनों के लिए सरकार ने या द्वारा या तत्समय प्रवृत्त किसी विधि द्वारा स्थापित किसी निगमित निकाय ने या किसी अन्य अभिकरण के बजट अनुदान के माध्यम से दी है, चाहे वह सीधे या किसी अभिकरण के माध्यम से दी गई हो और उसके आगम ऐसे प्रयोजनों के लिए अरक्षित हो।</p> <p>मद संख्या का योग</p>	रूपये		<p>पाद टिप्पण (3) देखें</p> <p>पाद टिप्पण (2) देखें</p>
7.	बोनस के प्रयोजनों के लिए सकल लाभ (मद संख्यांक 5 में से मद संख्या 6 घटाकर जो आए)		रूपये	

Li "Vhl j . k मद 3 की उपमद (कक) में, "अनुमोदित उपदान निधि" पद का वही अर्थ है जो उसका आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 2 के खंड (5) में है।

पाद – दिप्पण

- (1) यदि वे और जिस सीमा तक वे लाभ और हानि खाते में जमा किए गए हों।
- (2) यदि वे और जिस सीमा तक वे लाभ और हानि खाते में जमा किए गए हों।
- (3) उस अनुपात में जो भारतीय सकल लाभ का (मद संख्या 7) (उस समेकित लाभ-हानि खाते के अनुसार जो केवल उपयुक्त मद संख्या 2 में हो यथा समायोजित रूप में है) संकलित विश्व सकल लाभ से है।

v u h p h ?k
[fu; e 2.5 n f k]

मद संख्या	नियोजक की श्रेणी	अतिरिक्त राशियां जिनकी कटौती की जानी है
(1)	(2)	(3)
1.	बैंकिंग कंपनी से भिन्न कंपनी	<p>(i) उसके अधिमान प्राप्त शेयर पूंजी के संबंध में लेखा वर्ष के लिए संदेय लाभांश जो ऐसी वास्तविक दर पर संशोधित हो, जिस पर ऐसे लाभांश संदेय है;</p> <p>(ii) लेखा वर्ष के यथा प्रारंभ पर उसकी समादत्त साम्य शेयर पूंजी का 8.5 प्रतिशत;</p> <p>(iii) लेखा वर्ष के यथा प्रारंभ पर उसके तुलन पत्र में दर्शित उसकी आरक्षितियों का 6 प्रतिशत जिसके अंतर्गत पूर्व लेखा वर्ष से अग्रेणीत कोई लाभ शामिल है;</p> <p>परन्तु जहां नियोजक कंपनी अधिनियम, 2013 (2013 का 18) की धारा 2(42) के अर्थ में विदेशी कंपनी है, वहां इस मद के अधीन कुल रूपये जिसकी कटौती की जानी है, वे उस संकलित मूल्य पर 8.5 प्रतिशत होंगी, जो भारत में उस कंपनी की शुद्ध निर्धारित परिसंपत्तियों के संदर्भ में उसके चालू देयताओं की रूपये की (जो उस किसी रूपये से भिन्न है, जो चाहे तो उसके प्रधान कार्यालय द्वारा दिये गए किसी आदिदाय राशियां अन्यथा या कंपनी द्वारा अपने प्रधान कार्यालय को दिये किसी ब्याज की रूपये कंपनी द्वारा प्रधान कार्यालय को देय दर्शाई गई है) कटौती करने से पश्चात है।</p>
2.	बैंकिंग कंपनी	<p>(i) उसकी अधिमान प्राप्त अंशपूंजी की बचत लेखा वर्ष के लिए संदेय लाभांश के ऐसी दर पर संबंधित है, जिस पर ये लाभांश संदेय है।</p> <p>(ii) लेखा वर्ष के आरंभ पर यथाविद्यमान उसकी प्रदत्त इक्यूटी शेयर पूंजी का 7.5 प्रतिशत;</p> <p>(iii) उसके तुलना पत्र में लेखा वर्ष के प्रारंभ पर यथादर्शित उसकी आरक्षित (रिजर्व) का 5 प्रतिशत, जिसके अंतर्गत पूर्व लेखा वर्ष से अग्रेणीत कोई लाभ भी शामिल है।</p> <p>(iv) लेखा वर्ष की बाबत कोई राशि, जो उसके द्वारा—</p> <p>(क) बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 17 की उपधारा (1) के अंतर्गत किसी आरक्षित निधि को अंतरित की गई है; अथवा</p> <p>(ख) भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दिए गए किसी निदेश या सूचना के अनुसार भारत में किन्हीं आरक्षितियों को अंतरित की गई है, उक्त दोनों में से जो भी अधिक है;</p> <p>परन्तु जहां बैंकिंग कंपनी, कंपनी अधिनियम, 2013 (2013 का 18) की धारा 2(42) के अर्थ में विदेशी कंपनी है, वहां इस मद के अधीन कुल रूपये जिसकी कटौती की जाने वाली रकम निम्नलिखित का योग होगी—</p> <p>(i) उसके अधिमान प्राप्त अंशधारियों को लेखा वर्ष के लिए ऐसी रकम पर जिसका उसकी कुल अधिमान प्राप्त अंश पूंजी से वही अनुपात है जो भारत में उसके कारोबारी निधियों का उसकी कुल विश्व कारोबारी निधियों से है, उसकी दर से संदेय लाभांश जिस पर ऐसे लाभांश संदेय है;</p> <p>(ii) इस रूपये का 7.5 प्रतिशत, जिसका उसकी कुल समादत्त साधारण अंशपूंजी से वही अनुपात है जो भारत में उसकी कुल कारोबारी निधियों का उसकी कुल विश्व कारोबारी निधियों से है;</p> <p>(iii) उस रकम का 5 प्रतिशत, जिसका उसकी कुल प्रकटित आरक्षितियों से वही अनुपात है जो भारत में उसकी कुल विश्व कारोबारी निधियों में है;</p> <p>(ii) कोई रूपये जो लेखा वर्ष के संबंध में उसके द्वारा बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 11 की उपधारा (2) के खण्ड</p>

		(ख) के उप-खण्ड (ii) के अधीन भारतीय रिजर्व बैंक में जमा की जाती है और जो पूर्वोक्त उपबंध के अधीन इस प्रकार जमा किए जाने के लिए अपेक्षित रकम से अधिक नहीं है।
3.	निगम	(i) लेखा वर्ष के यथा प्रारंभ पर उसकी समादत्त पूंजी का 8.5 प्रतिशत; (ii) लेखा वर्ष के यथा प्रारंभ पर उसके कुल तुलन-पत्र में दर्शित उसकी आरक्षितियों का, यदि कोई हों, 6 प्रतिशत जिसके अंतर्गत पूर्व लेखा वर्ष से अग्रेनीत कोई लाभ भी है।
4.	सहकारी सोसायटी	(i) लेखा सोसायटी द्वारा अपने स्थापन में निहित उस पूंजी का 8.5 प्रतिशत, जो लेखा वर्ष प्रारंभ पर उसकी लेखा-बहियों से साक्षित है; (ii) ऐसे रुपये जो लेखा वर्ष के संबंध में सहकारी सोसायटियों से संबंधित किसी तत्समय प्रवृत्त विधि के अधीन आरक्षित निधि में अग्रेनीत की गई हो।
5.	कोई अन्य नियोजक जो पूर्वोक्त श्रेणियों में से किसी में नहीं आता	उसके द्वारा अपने प्रतिष्ठान में निवेश की गई पूंजी का 8.5 प्रतिशत जो लेखा वर्ष के प्रारंभ पर उसकी लेखा बहियों से यथा साक्षित है: परन्तु जहां ऐसा नियोजक वह व्यक्ति है जिस पर आय-कर अधिनियम का अध्याय 22क लागू होता है, वहां उस अध्याय के उपबंधों के अधीन लेखा वर्ष के दौरान संदेय वार्षिक जमा राशि की भी कटौती की जाएगी: परन्तु यह भी कि जहां ऐसा नियोजक कोई फर्म है, वहां उस लेखा वर्ष के संबंध में उस प्रतिष्ठान से धारा 6 के खण्ड (क) के उपबंधों के अनुसार अवमूल्यन की कटौती के उपरांत उसे व्युत्पन्न सकल लाभों के 25 प्रतिशत के बराबर रकम की भी कटौती उस प्रतिष्ठान के संचालन में भाग लेने वाले सब भागीदारों के पारिश्रमिक के रूप में की जाएगी किन्तु जहां भागीदारी करार चाहे वह मौखिक या लिखित हो, ऐसे किसी भागीदार को पारिश्रमिक के संदाय के लिए उपबंध कराता है, तथा— (i) जहां ऐसे भागीदारों को संदेय कुल पारिश्रमिक उक्त 25 प्रतिशत से कम है, वहां ऐसी राशि अड़तालीस हजार रुपये से अधिक न हो, जो ऐसे हरेक भागीदार को संदेय है, अथवा (ii) जहां ऐसे भागीदारों को संदेय कुल पारिश्रमिक उक्त 25 प्रतिशत से अधिक है वहां उतने प्रतिशत रुपये या ऐसे हर एक भागीदार को अड़तालीस हजार रुपये की दर से परिकलित रुपये में से, जो भी कम हो, उस रुपये की परन्तुक के अधीन कटौती की जाएगी; अथवा परन्तु यह भी कि जहां ऐसा नियोजक व्यक्ति या हिन्दु अविभाजित परिवार है, वहां— (i) लेखा-वर्ष के संबंध में उस प्रतिष्ठान से ऐसे नियोजक को धारा 6 के खण्ड (क) के उपबंधों के अनुसार अवमूल्यन की कटौती करने के बाद व्युत्पन्न सकल लाभ के 25 प्रतिशत के बराबर रकम की; अथवा (ii) अड़तालीस हजार रुपये की, उक्त दोनों में से जो भी कम हो, कटौती ऐसे नियोजक के पारिश्रमिक के रूप में की जाएगी।

Li "Vhd j . k मद 3 की मद संख्या (iii), 2(iii) और 3(ii) में से दी गई 'आरक्षितियों' अभिव्यक्ति के अंतर्गत कोई ऐसी राशि शामिल नहीं है जो—

- (i) किसी ऐसे प्रत्यक्ष कर के संदाय के, जो तुलन पत्र के अनुसार संदेय होगा;
- (ii) धारा 34 के खण्ड (क) के उपबंधों के अनुर अनुज्ञेय किसी अवमूल्यन की पूर्ति के लिए;
- (iii) ऐसे लाभांशों के संदाय, जो घोषित किए गए हैं, लेकिन जिनके निम्नलिखित शामिल हैं—

(क) इस स्पष्टीकरण के खण्ड (i) में निर्दिष्ट रुपये से अतिरिक्त ऐसी राशि जो किसी प्रत्यक्ष-कर के संदाय के प्रयोजन के लिए अलग रखी गई है, और

(ख) कोई ऐसी राशि, जो धारा 34 के खण्ड (क) के उपबंधों के अनुसार इस राशि से अधिक राशि, जो किसी अवमूल्यन को पूरा करने के लिए अलग रखी गई है।

v u t p h M-
[f u ; e 4 1/2 n f k a]

Ø e l ÆE	v d q ky
1	बेलदार
2	ग्वाला
3	चरवाहा
4	क्लीनर (मोटर शेड, ट्रैक्टर, पशु-अहाता, एमटी)
5	चारा इक्टटा करना
6	डेयरी कुली
7	मजदूर (बागवान, डेयरी में फूस के ढेर लगाना, सिचाई, गोबर के ढेर लगाना, दूध दोहने का कक्ष, राशन कक्ष स्टोर, मलेरिया-रोधी, एम. आर.)
8	चालक (खच्चर, बैल, ऊंट, गधा)
9	ड्रेसर
10	चालक (बैल, खच्चर)
11	गडेरिया
12	डेयरी कामगार
13	(स्टोर-मजदूर)
14	वाहक (पत्थर),
15	तोड़ना (दस्ती औजारों के इस्तेमाल से)
16	हेल्पर
17	संदेशवाहक (कार्यालय)
18	माली
19	सईस
20	फूस बांधना और ले जाना
21	स्वीपर
22	गटठर तोलना और ले जाना,
23	तुलाईकार (गटठर, पल्ली)
24	पानी वाला
25	सईस
26	ट्राली मैन
27	वाल्व कर्मी
28	पहरेदार
29	सफेद करने वाला
30	लकड़हारा
31	लकड़हारा (स्त्री)
32	बोरीमैन
33	कोयला कर्मी
34	कंडेनसर
35	परिचारक
36	घास काटने वाला
37	मुच्छड जमादार
38	कंडेनसर परिचारक
39	शन्टर्स
40	टरनर

Ø e l Æ	v d q ky
41	बजरी फैलानेवाला
42	कूटने वाली महिला
43	बेल-महिला
44	चेन कर्मी
45	बोट मैन
46	बकेट मैन
47	श्रमिक (बॉयलर, पशु-अहाता, खेती, सामान्य भार चढ़ाना-उतारना, बंडिंग, कार्टिंग-फर्टिलाइजर, हार्वेस्टिंग, विविध बीज अंकुरण, बीज बोना, छाजन, प्रत्यारोपण, खरपतवार की छँटाई)
48	क्लीनर (क्रेन, ट्रक, राख के गड्ढे के लिए सुलगता कोयला),
49	कार्टमैन,
50	रखवाल (पुल),
51	वाहक (जल),
52	चौकीदार,
53	कंक्रीट (हाथ से मिलाने वाला),
54	दफादार,
55	चालक (बैल, ऊंट, गधा, खच्चर),
56	पलैग मैन,
57	पलैगमैन (ब्लास्ट ट्रेन),
58	मशीनों पर काम न करने वाला खलासी
59	गैंगमेन,
60	गेटिंगमैन (स्थायी मार्ग),
61	हैंडल मैन, जम्पर मैन,
62	कामिन (महिला कामगार),
63	खलास,
64	पुल
65	इलेक्ट्रिकल
66	मैरिन
67	मोपलह,
68	स्टोर
69	स्टीम रोड,
70	शेयर
71	रोलर सर्वेक्षण,
72	श्रमिक (बगीचा),
73	मजदूर,
74	छिद्र काटनेवाला
75	लॉरी प्रशिक्षु,
76	पेट्रोलमैन,
77	सर्चर
78	सिग्नल मैन,
79	स्ट्राइकर,
80	वैक्स नियंत्रक
81	क्लीनर
82	ड्रेसर/ड्रेसिंग मजदूर

Ø e l Æ	v d q ky
83	लोडर
84	मजदूर (पुरुष/महिला)
85	संदेशवाहक (पुरुष/महिला)
86	ट्रेमर
87	रखवाल (कॉपर, क्रोमाइट और ग्रेफाइट खानों के अलावा जहां यह अर्ध कुशल है)
88	कार्यालय चपरासी/चपरासी (बॉक्साइट खान के अलावा)
89	स्वीपर (पुरुष/महिला)
90	संवाहक
91	नंबर टेकर
92	ट्रॉली ट्राइपर
93	वाटर कैरियर
94	मृदा कटर
95	सर्वेक्षण खलासी
96	गेट मैन,
97	कंक्रीट (हाथ्स से मिलाने वाला)
98	विखण्डन भंडार
99	लैम्पमैन
100	बेलदार/बेलदार (कैंटीन)
101	कुली
102	चपरासी
103	रसोइया का सहायक
104	ऑफिस बॉय
105	खदान मजदूर
106	जेली बनाने वाला
107	अधि भारित अपसारक
108	अपशिष्ट अपसारक मजदूर
109	उतारने वाला
110	उत्खनन श्रमिक
111	खोदने वाला
112	कसाई
113	परिचारक
114	लॉरी सहायक
115	सतह लोडर
116	लकड़हारा
117	सतही मुकर
118	भूमिगत मुकर
119	स्ट्राइकर (मोपलाह गैंग),
120	टॉल बॉय
121	टाइल
122	लादने और उतारने में नियोजित व्यक्ति
123	किसी भी नाम से पुकारे जाने वाले अकुशल प्रकृति के स्वीपिंग और क्लीनिंग तथा अन्य वर्गों में नियोजित व्यक्ति।

Ø e l 4E	v † Zd qky
1	सहायक (चौधरी)
2	परिचारक (बुल-कैल्विंग लाइन्स, चौकीदार, चौफ कटर, हॉस्टल, शुष्क स्टॉक, अनाज भंजक, पंप, सीकलाइन)
3	अस्तबल, अहाता स्टॉक)
4	सहायक-प्लम्बर
5	परिचारक
6	भिश्ती
7	ब्रांडर
8	बुलमैन
9	बटरमैन
10	कोचमैन
11	मोची
12	खेतिहर
13	दफ्तरी
14	डिलीवरी मैन
15	धोबी
16	ड्रेसर
17	फायरमैन
18	ग्वाला
19	हैमरमैन
20	हेल्पर (लोहार)
21	हेल्पर
22	जमादार (स्टैंड)
23	जमादार
24	खलासी
25	माली वरिष्ठ
26	मेट / मिस्त्री
27	मजदूर (साक्षर)
28	नलबंद
29	ऑयलमैन
30	हलवाला
31	वीटेकर्स
32	पर्यवेक्षक
33	छप्पर
34	वाल्वमैन
35	वाल्वमैन (वरिष्ठ)
36	टिन केबलें लगाने वाला वायरमैन
37	रसोइया
38	डेन्डी
39	फ्राश
40	आरी कामगार
41	हेल्पर (लोको-क्रेन / ट्रक)
42	मांझी (बोटमैन)

Ø e l Æ	v † Z d q ky
43	बेलचावाला
44	मुक्कडेम (धात्विक बुलडोजर चालक खान विनियम, 1961 के तहत योग्यता प्रमाण पत्र के बिना
45	भिश्ती (मुश्क के साथ)
46	बोटमैन (मुखिया)
47	ब्रेकर
48	ब्रेकर (स्टोन, चट्टान, पहाड़ी पत्थर, पत्थर धातु)
49	कैनवीवर
50	चैनमैन (मुखिया)
51	चारपाई बुनकर
52	चेकर
53	क्रैकर
54	डॉलीमैन
55	सहायक
56	ड्रिलर
57	सुचालक (त्वचा)
58	उत्खनक
59	फेरोमन
60	फायरमैन (ईट भट्टा, वाष्प रोड रोलर)
61	द्वारपाल
62	घरामी
63	श्रेणीमैन
64	ग्रेटर
65	ग्रीजर-कम-फायरमैन
66	ग्राइन्डर
67	हैमरमैन
68	हेल्पर (कारीगर)
69	हेल्पर (आराकस)
70	कीमैन
71	खलासी (मुख्य पर्यवेक्षक, रिवटर्स-मोपलाह गैंग, पर्यवेक्षी)
72	श्रमिक (पत्थर काटना)
73	लास्कर
74	माली (मुखिया)
75	स्टॉकर्स और बोइलरमैन
76	थूमबामैन (फावड़ा कामगार)
77	टिनडेल्स
78	ट्रॉलीमैन (हेड मोटर)
79	फिटर (सहायक अर्ध-कुशल)
80	जमादार (अर्ध-कुशल)
81	मेट (पत्थर)
82	कसाब
83	खलासी (संरचनात्मक)
84	मसालची पी.एम. मेट्स
85	खनिक

Ø e l Æ	v † Zd qky
86	अप्रशिक्षित मेट/खनन मेट/धात्विक बुलडोजर चालक खान विनियम, 1961 के तहत सक्षमता प्रमाण पत्र के बिना मेट
87	बटलर/रसोइया
88	ब्रेकर (यांत्रिक उपकरणों का उपयोग करके)
89	शिशु-सदन आया/आया/ अप्रशिक्षित शिशु-सदन परिचारक
90	सहायक ड्रिलर
91	ऑयलमैन/ऑयलर
92	चौकीदार/वॉचमैन
93	हेल्पर (राजमिस्त्री, बढई, लोहार)
94	टिन्डेल्स
95	टोपाज
96	टोपकार (बड़ा पत्थर तोड़ने वाला)
97	ट्राली जमादार
98	विंचमैन
99	उपस्थिति-रखववाल
100	सहायक वायरमैन
101	मेट
102	मेट (लोहार, सड़क, बढई)
103	इंजन ड्राइवर और / या फीडर
104	फिटर
105	गैंग
106	मजदूर राजमिस्त्री
107	स्थायी मार्ग
108	पंप-चालक, टर्नर)
109	मजदूर (भारी वजन)
110	चार्ज-मैन
111	मिस्त्री (मुखिया)
112	मुकाडम
113	रात्री गार्ड
114	रनर (डाक डाक)
115	ऑयलमैन
116	खदान कर्मी
117	खदान परिचारक
118	स्टॉनमैन
119	स्टॉकर
120	थैचर
121	पंप परिचारक
122	बियरर
123	ब्रेकमैन
124	क्राउडर मैन
125	प्रयोगशाला सहायक
126	पॉइंट्समैन सेनकम्मी
127	पत्थर खानों और अर्ध-कुशल प्रकृति की किसी भी नाम से पुकारे जाने वाली श्रेणियाँ

Ø e l ÆE	d q ky
1	शिल्पकार (श्रेणी- II, III, IV)
2	लोहार
3	लोहार (श्रेणी II)
4	बॉयलरमैन
5	बढ़ई
6	बढ़ई (वर्ग II) बढ़ई-सह-लोहार
7	चौकीदार
8	चालक
9	चालक (इंजन ट्रैक्टर, एम टी मोटर)
10	बिजली मिस्त्री
11	फिटर
12	राजमिस्त्री
13	राजमिस्त्री श्रेणी II
14	मशीन हाथ (श्रेणी II, III, IV)
15	मशीनरमैन
16	मेट ग्रेट I (वरिष्ठ)
17	मैकेनिक
18	मिल्क राइटर
19	मिस्त्री (मुखिया)
20	मॉउल्डर
21	मस्टर राइटर
22	प्रचालक (ट्यूब-वेल)
23	पेन्टर
24	नलसाज
25	वेल्डर
26	पोशिशसाज
27	वायरमैन,
28	चिपर
29	चिपर-कम-ग्राइंडर
30	रसोइया (मुखिया)
31	ड्रिलर
32	ड्रिलर (कुआँ खोदना)
33	चालक (लोको/ट्रक)
34	इलेक्ट्रीशियन (सहायक)
35	मैकेनिक (ट्यूब-वेल)
36	मिस्त्री (स्टेल, ट्यूबवेल, टेलीफोन)
37	मीटर रीडर
38	मौसम अवलोकनकर्ता नवधानी
39	प्रचालक (बैचिंग संयंत्र, सिनेमा परियोजना, क्लैम्प शेल्फ, कम्प्रेसर, ग्रैन, डोरिक, डीजल इंजन, डोसर, ड्रैगलिंग ड्रिल डम्बर, खुदाई, फॉर्क लिफ्ट जेनरेटर, ग्रेडर, जैक हैमर और पेमेंट ब्रेकर लोडर, पंप, पाइल ड्राइविंग, स्क्रोपर, स्क्रीनिंग संयंत्र, शोवल, ट्रैक्टर, वाइब्रेटर, वेट बैच, रेलवे गार्ड, मरम्त (बैटरी)
40	शार्पर/स्लॉटर

Ø e l ÆE	d q ky
41	स्प्रेयर (असॉल्ट) स्टेशन मास्टर
42	पर्यवेक्षक (सिल्ट)
43	ट्रेड्स-मैन
44	ट्रेन जाँचकर्ता
45	टर्नर / मिलर
46	टायरर्वल्केनाइजर
47	आराकस
48	आराकस (चयन ग्रेड श्रेणी II) सेरांग
49	सेरंगपाइल
50	बॉयलर सहित ड्राइविंग पैंटूमस
51	शैप्समैन
52	पाली-प्रभारी
53	स्प्रेयरमैन
54	स्प्रेयरमैन (सड़कें)
55	पत्थर काटनेवाला
56	पत्थर काटनेवाला (चयन ग्रेड, ग्रेड II, श्रेणी II)
57	स्टोन चिस्लर
58	स्टोन चिस्लर (श्रेणी II)
59	स्टोन ब्लास्टर
60	उप-पर्यवेक्षक (निर्हरक)
61	पर्यवेक्षक
62	पम्प चालक
63	पंप चालक (चयन ग्रेड), ग्रेड II और III, श्रेणी II)
64	पंप चालक (चयन ग्रेड, पी.ई., चालक,
65	पम्पमैन
66	पम्पमैन (सहायक)
67	नलसाज
68	पालीशर (स्प्रे के साथ) ग्रेड II
69	रतन मैन
70	रिविट कटर (सहायक)
71	रिविटर
72	रिविटर (कटर)
73	रोड इंस्पेक्टर ग्रेड II, रेलवे प्लेट लेयर
74	रॉड बैंडर
75	हॉलेज प्रचालक
76	औषधालय परिचारक
77	वर्क सकर
78	अभ्रक कटर ग्रेड -I
79	ड्रेसर ग्रेड -I अभ्रक
80	पर्यवेक्षी फायरमैन
81	खानों में केवल फायरमैन
82	कंप्रेसर चालक
83	पंप मैन चालक 96. अभ्रक खानों में ग्राइन्डर

<i>Ø e l Æ</i>	<i>d q ky</i>
84	पर्यवेक्षक (सहायक)
85	दर्जी
86	दर्जी (तोशक)
87	ट्रॉस्पेयर
88	टार मैन
89	लाइन मैन
90	टिलर श्रेणी II
91	दीवार (फर्श छत)
92	टाइलर (चयन ग्रेड)
93	टिन-स्मिथ
94	टिन स्मिथ (चयन ग्रेड, ग्रेड II और III, श्रेणी II) टिंकर
95	वैल सिन्कर
96	सहायक मिस्त्री
97	आर्मेचर विंडर ग्रेड- II और III
98	भंडारी
99	लोहार
100	लोहार (चयन ग्रेड, ग्रेड II, III, श्रेणी II और III)
101	वॉयलरमैन
102	बोइलरमैन ग्रेड II और III
103	फोरमैन ग्रेड II
104	कार्य (सहायक)
105	ब्रिकलेयर
106	ब्रिकलेयर (चयन ग्रेड II)
107	ब्लास्टर
108	चौकीदार (मुख्य)
109	सुरक्षा गार्ड (अशस्त्र)
110	बढ़ई
111	बढ़ई (चयन ग्रेड, ग्रेड II और III, श्रेणी I और III सहायक)
112	बी.आई.एम. मार्ग
113	केबिनेट बनाने वाला
114	कैनमैन
115	सेलोटैक्स
116	कटर मेकर चार्गमेन, (द्वितीय श्रेणी और श्रेणी III, बढ़ई साधारण)
117	चेकर (कनिष्ठ)
118	चिक निर्माता
119	चिक मैन (कनिष्ठ) कंक्रीट मिक्सजयोर मिक्शर
120	कंक्रीट मिक्सचर प्रचालक
121	मोची
122	कोरमेकर
123	चालक
124	चालक मोटर वाहन
125	मोटर वाहन चयन ग्रेड
126	मोटर लॉरी

<i>Ø e l Æ</i>	<i>d q ky</i>
127	मोटर-लॉरी ग्रेड II
128	लॉरी ग्रेड II
129	डीजल इंजन
130	डीजल इंजन ग्रेड II
131	मैकेनिकल रोड रोलर आई.सी. और सीमेंट मिक्सर आदि
132	रोड रोलर
133	रोड रोलर ड्राइवर
134	चालक (इंजन स्टेटिक स्टोन क्रेशर), ट्रैक्टर बुल डोजर/ स्टीम रोड रोलर, वाटर पंप, मैकेनिकल सहायक, रोड रोलर, मैकेनिकल, स्टीम क्रैन, बुल डॉजर मैकेनिकल, सहित ट्रैक्टर, परिवहन, इंजन स्टेटिक और और रोड रोलर बॉयलर परिचर
135	इंजन परिचालक (स्टोन कर्षर मैकेनिकल)
136	डिस्ट्रेम्पर, इलेक्ट्रीशियन, इलेक्ट्रीशियन (ग्रेड II, श्रेणी II और श्रेणी III)
137	फिटर
138	फिटर (चयन ग्रेड, ग्रेड II और III) श्रेणी II और श्रेणी III सहायक, पाइप वर्ग II, पाइप लाइन बंद करने वाले लट्टे
139	सुदृढीकरण सह-मैकेनिक, मैकेनिक और प्लम्बर)
140	घरामी (प्रमुख)
141	घलेजियर (शीशा जड़ने वाला)
142	ब्लास्टिंग के लिए होल ड्रिलर
143	जोइनर
144	जोइनर (केबल, केबल ग्रेड II)
145	लाइनमैन (ग्रेड II, III, उच्च तनाव / निम्न तनाव)
146	राजमिस्त्री
147	राजमिस्त्री (चयन ग्रेड, ग्रेड II, III और श्रेणी बी मिस्त्री)
148	स्टोन (स्टोन श्रेणी II, ईट वर्क, स्टोन वर्क)
149	ईट-परत
150	टाइल बिछाना
151	बी. आई. एम. मुकद्दम (प्रमुख)
152	पत्थर काटना
153	साधारण मैकेनिक
154	मैकेनिक
155	मैकेनिक (श्रेणी II, एयर कंडीशनिंग, एयर कंडीशनिंग ग्रेड II)
156	डीजल ग्रेड II
157	रोड रोलर ग्रेड II
158	सहायक (रेडियो)
159	राजमिस्त्री (घरामी)
160	मिस्त्री
161	मिस्त्री ग्रेड II, एयर कंडीशनिंग ग्रेड II, पी वे, सर्वे, संतरा कार्य)
162	राज मिस्त्री श्रेणी क
163	माउल्डर
164	माउल्डर (ईट, टाइल)
165	पेंटर
166	पेंटर (चयन ग्रेड, ग्रेड II और III, श्रेणी II, सहायक लोटर और पालिशर, रफ)

<i>Ø e l Æ</i>	<i>d q ky</i>
167	लेपक
168	लेपक (राजमिस्त्री ग्रेड II)
169	पलम्बर
170	पलम्बर (चयन ग्रेड, द्वितीय II, सहायक लोटर और पालिशगर, रफ),
171	लेपक
172	प्लास्टर (राजमिस्त्री ग्रेड II)
173	पलम्बर (चयन ग्रेड, श्रेणी- II, सहायक वरिष्ठ, जूनियर, मिस्त्री ग्रेड II)
174	पाइपलाइन मिस्त्री
175	पलम्बर-कम-फिटर
176	पालिशर
177	पालिशर (तल)
178	सिरधर लठे मन
179	भूविज्ञानी
180	ट्रेलर्स
181	टर्नर
182	गद्दी बनानेवाला
183	अपोलोस्टर (ग्रेड II और III)
184	पेंटर स्प्रे (श्रेणी II)
185	लकड़हारा
186	लकड़हारा चयन ग्रेड
187	लकड़हारा श्रेणी II
188	वर्क सिरकार
189	वेल्डर
190	एयरविनेह होलेज परिचालक
191	ऑटो-इलेक्ट्रीशियन
192	पेंटर
193	लोहार
194	दर्जी
195	कंप्रेसर प्रचालक
196	ब्लास्टर - शॉट/फाइरेर
197	झाड़वर
198	मुख्य रसोइया
199	चार्लमैन
200	बढ़ई
201	कंक्रीट मिक्सर प्रचालक
202	कंप्रेसर परिचर
203	एयर कंप्रेसर परिचर
204	ट्रैक्टर चालक
205	वाहन चालक
206	केमिस्ट और सहायक/ केमिस्ट
207	सब-ओवरसियर (अयोग्य)
208	ड्रिलर
209	हैंडहोल ड्रिलर

<i>Ø e l Æ</i>	<i>d q ky</i>
210	ड्रिल मैकेनिक
211	ड्राइवर ऑटो
212	बिजली मिस्त्री
213	वायर लैस संचालक सहायक फोरमैन
214	फोरमैन
215	फिटर
216	फेरी चालक
217	जारीकर्ता लोको
218	सुपर फोरमैन
219	लहरा संचालक
220	आईएमीई चालक
221	चालक
222	लोको ड्राइवर
223	लोडर प्रचालक
224	लारनमैन
225	मैकेनिक मशीनिस्ट
226	राजमिस्त्री
227	प्रसाविका
228	टिन से मढ़नेवाला
229	सुपरवाइजरी मैकेनिक
230	केवल जिप्सम, बेराइट्स और रॉक फॉस्फेट में पंप परिचर
231	पंप ऑपरेटर / चालक
232	धात्विक खान / विनियम, 1961 के तहत योग्यता प्रमाण पत्र के साथ खनन मेट
233	मिस्त्री
234	कुशल मजदूर
235	टर्नर
236	वरिष्ठ मैकेनिक
237	ड्राफ्टमैन
238	पर्यवेक्षक
239	ड्राफ्ट्स मैन
240	वायरमैन
241	टिम्बर मैन / टिम्बर मिस्त्री इलैक्ट्र
242	स्टोन क्रेशर प्रचालक
243	क्रेशर प्रचालक
244	माउलडर
245	वेलडर
246	ऑपरेटर
247	कार्य मिस्त्री
248	इंजन चालक
249	खनन इंजन चालक ग्रेड -II
250	इंजनमैन
251	वाल्वमैन
252	कटर

<i>Ø e l Æ</i>	<i>d q ky</i>
253	विडिंग इंजन ड्राइवर ग्रेड - II
254	सुरक्षा गार्ड (अशस्त्र) / प्रमुख चौकीदार
255	फावड़ा प्रचालक
256	लिम्को लोडर प्रचालक
257	भूतल पर्यवेक्षक
258	डोजर संचालक
259	कंप्रेसर ड्रिलर
260	डम्पर ट्रैक्टर ऑपरेटर सहित
261	बॉयलर मैन (प्रमाण पत्र के साथ)
262	मशीनरी परिचर
263	एयर कंडिशन मैकेनिक
264	क्रेच परिचर केवल मैग्नेसाइट, मैंगनीज और मीका माइन्स में
265	फावड़ा आपरेटर
266	पावर और पंप हाउस प्रचालक
267	खान ग्रेड - I
268	ट्रैक्टर ऑपरेटर 80. टब रिपेयरर 81. खराद मिस्त्री
269	स्टेशनरी इंजन परिचर जेनरेटर ऑपरेटर 84. लोडिंग फोरमैनप
270	डीजल मैकेनिक
271	फेरो प्रिंटर सह-अध्यक्ष
272	व्हाइट वॉशिंग और कलर वाशिंग मैन
273	ऑपरेटर न्यूनेट्रिक उपकरण, ऑपरेटर (फिटर)
274	बोरमैन
275	बोरर
276	वायरमैन (ग्रेड II और III, मैकेनिक, इलेक्ट्रिकल)
277	व्हाइट वॉशर
278	व्हाइट वॉशर (चयन ग्रेड, द्वितीय श्रेणी)
279	वायरमैन
280	वेल्डर (श्रेणी II, ब्रिज कार्य)
281	वेल्डर गैस
282	मुक्कतम (धात्विक खान विनियम, 1961 के तहत क्षमता प्रमाण पत्र)
283	सुरक्षा गार्ड (अशस्त्र) और अन्य वर्ग जो भी नाम से जो कुशल प्रकृति के हैं
284	सहायक (फार्म)
285	सहायक (कैशियर)
286	पुस्तकालय अध्यक्ष
287	टेलेक्स या टेलीफोन ऑपरेटर
288	हिंदी अनुवादक
289	टेलेक्स या टेलीफोन ऑपरेटर
290	हिंदी अनुवादक
291	लेखा लिपिक
292	लिपिक
293	कंप्यूटर / डाटा एंट्री ऑपरेटर
294	टेलीफोन ऑपरेटर, टाइपिस्ट

Ø e l Æ	d q ky
295	स्टोर परिचर
296	एम. सी. लिपिक
297	मुंशी (मैट्रिकुलेट, गैर-मैट्रिकुलेट)
298	स्टोर क्लर्क (मैट्रिकुलेट गैर-मैट्रिकुलेट)
299	स्टोर कीपर
300	स्टोर कीपर ग्रेड I, ग्रेड II, (मैट्रिकुलेट)
301	स्टोर कीपर
302	स्टोर कीपर (मैट्रिकुलेट नॉन-मैट्रिकुलेट)
303	बुक कीपर
304	कार्य मुंशी
305	काम मुंशी (अधीनस्थ)
306	पत्रिका लिपिक
307	टेलर लिपिक
308	दुकान लिपिक
309	टैली लिपिक
310	स्टोर जारीकर्ता
311	औजार धारक
312	कंप्यूटर / डेटा एंट्री ऑपरेटर
313	रिकार्ड धारक
314	अन्वेषक
315	फाइल लिपिक
316	रजिस्टर कीपर
317	टाइम कीपर
318	लिपिक
319	मुंशी
320	टाइपिस्ट और अन्य श्रेणी जो भी नाम से पुकारते हैं जो लिपिक प्रकृति के हैं

Ø e l Æ	v R; f/kd d q ky
1	आर्टिफिशियल श्रेणी ।
2	लोहार श्रेणी ।
3	बढ़ई श्रेणी ।
4	मशीन
5	हस्त श्रेणी ।
6	राजमिस्त्री श्रेणी ।
7	मैकेनिक (वरिष्ठ)
8	पेंटर (ग्रेड I, श्रेणी I, स्प्रै) च्सेंजमतमत (मेसन) श्रेणी ।
9	प्लम्बर (प्रमुख, श्रेणी I)
10	मिस्त्री ग्रेड ।
11	पालिशगर (स्प्रै ग्रेड I के साथ)
12	रोड इंस्पेक्टर ग्रेड ।
13	लकड़हारा श्रेणी ।
14	स्टोन कटर ग्रेड ।
15	स्टोन कटर ग्रेड ।

Ø e l Æ	v R f/kd d q ky
16	स्टोन चिसलर श्रेणी ।
17	स्टोन चिसलर श्रेणी ।
18	उप-ओवरसियर (कुशल)
19	टिलर श्रेणी ।
20	टिनस्मिथ ग्रेड । और श्रेणी ।
21	गद्दी लगाने वाला ग्रेड ।
22	वार्निश करने वाला श्रेणी ।
23	वेल्डर-कम-फिटर और एयर कंडीशनिंग मैकेनिक
24	वेल्डर (गैस) श्रेणी ।
25	व्हाइट वॉशर श्रेणी ।
26	वायरमैन ग्रेड I, श्रेणी ।
27	लकड़हारा श्रेणी ।
28	चक्की (उपकरण) ग्रेड ।
29	प्रचारक (बैचिंग प्लांट ग्रेड ।)
30	लीडर ग्रेड ।
31	पाइल ड्राइविंग ग्रेड ।
32	पंप ग्रेड
33	स्क्रेपर ग्रेड ।
34	स्क्रीनिंग प्लांट ग्रेड ।
35	पंप ग्रेड ।
36	स्क्रेपर ग्रेड ।
37	सुरक्षा गार्ड (अशस्त्र)
38	आर्मेचर विंडर ग्रेड ।
39	लोहार ग्रेड । और श्रेणी ।
40	बॉयलरमैन ग्रेड ।
41	बॉयलरमैन फोरमैन ग्रेड ।
42	ईट परत वर्ग ।
43	केबल जॉइनर ग्रेड ।
44	बढ़ई ग्रेड । और श्रेणी ।
45	सेलो कटर और डेकोरेटर
46	चार्जमैन वर्ग ।
47	चेकर ड्राइवर लॉरी ग्रेडसीनियर ।
48	मोटर लॉरी ग्रेड ।
49	मोटर व्हीकल श्रेणी । और डीजल इंजन ग्रेड ।
50	रोड रोलर ग्रेड ।
51	पम्प क्लास इलेक्ट्रीशियन ग्रेड । और श्रेणी । / ग्रेड ।
52	फिटर (ग्रेड I, श्रेणी ।)
53	पाइप श्रेणी । (मुख्य)
54	फोरमैन (सहायक) लाइन मैन ग्रेड । राजमिस्त्री (कुशल ग्रेड । , श्रेणी ।)
55	मस्त रिग
56	मैकेनिक श्रेणी । और श्रेणी II
57	मैकेनिक (डीजल ग्रेड । और रोड रोलर ग्रेड ।
58	एयरकंडिशनिंग ग्रेड । / श्रेणी I, मिस्त्री ग्रेड ।

Ø e l Æ	v R; f/kd d q ky
59	मिस्त्री (एयरकंडिशनिंग ग्रेड ।)
60	ओवरसियर
61	ओवरसियर (सीनियर और जूनियर)
62	ड्रैगलाइन ग्रेड ।
63	ड्रिल ग्रेड ।
64	डम्पर ग्रेड ।
65	खुदाई ग्रेड ।
66	कांटा लिफ्ट ग्रेड ।
67	जेनरेटर ग्रेड ।
68	रिगर ग्रेड ।
69	रिगर ग्रेड ।।
70	चार्लर सिटर ग्रेड ।
71	फावडा और ड्रैगलाइन ट्रैक्टर ग्रेड ।
72	ट्रेड्समैन श्रेणी ।
73	टर्नर मिलर ग्रेड ।
74	कार्य (सहायक) ग्रेड ।
75	कंपाउंडर
76	सर्वेयर
77	विंडिंग इंजन चालक
78	ऑपरेटर (भारी मिट्टी उठाने वाली बेलचा और बुलडोजर)
79	मुख्य मिस्त्री
80	डिप्लोमा के साथ स्टाफ नर्स
81	जैक हैमर के अतिरिक्त ड्रिल ऑपरेटर
82	योग्यता प्रमाण पत्र सहित विद्युत पर्यवेक्षक
83	अंडरग्राउंड शिफ्ट बॉस
84	मुख्य मैकेनिक
85	योग्य और अनुभवी वेल्डर
86	मशीन टूल मैकेनिक
87	मैकेनिकल / प्लांट फोरमैन
88	खनन पर्यवेक्षक
89	व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक / शिक्षक
90	मुख्य इलेक्ट्रीशियन
91	लेखापरीक्षक
92	7 साल की सेवा वाले स्टेनो
93	स्टोर प्रभारी
94	शिफ्ट प्रभारी
95	पर्यवेक्षक
96	वॉच और वार्ड का प्रभारी
97	सुरक्षा गार्ड (सशस्त्र)
98	क्रेन ग्रेड ।
99	डीजल इंजर ग्रेड ।
100	डोजर ग्रेड ।
101	क्लैप शैल ग्रेड ।

श्रेणी	वर्ग/कदम
102	कंप्रेसर ग्रेड ।
103	ग्रेडर ग्रेड ।
104	ट्रैक्टर ग्रेड ।
105	बाइब्रेटर ग्रेड ।
106	स्क्रीनिंग प्लांट ग्रेड ।
107	बेलचा ग्रेड ।
108	फावड़ा और ड्रैगलाईन
109	टायरवेलकुलर ग्रेड ।
110	सिक्वोरिटी गार्ड (सशस्त्र) और अन्य श्रेणियों को जो भी नाम से बुलाया जाता है जो अत्यधिक कुशल प्रकृति के हैं।

(सं० 1 / code on wages 10-01/2021-634 / श्र०सं०)
बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
सूर्यकान्त मणि,
सरकार के उप-सचिव।

18 फरवरी 2021

एस० ओ० 79, एस० ओ० 78, दिनांक 18 फरवरी 2021 का अंग्रेजी भाषा में निम्नलिखित अनुवाद बिहार राज्यपाल के प्राधिकार से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जो भारतीय संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

(सं० 1 / code on wages 10-01/2021-635 / श्र०सं०)
बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
सूर्यकान्त मणि,
सरकार के उप-सचिव।

The 18th February 2021

Code on Wages (Bihar) Rules, 2021.

S.O. 78 dated 18th February 2021—The following draft rules, which the State Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 67 of the Code on Wages, 2019 (29 of 2019) read with section 24 of the General Clauses Act, 1897 (10 of 1897) and in supersession of the –

- (i) Bihar Minimum Wages Rules, 1951 and any amendment in the said rule ;
- (ii) Bihar Payment of Wages Rules, 1937 and any amendment in the said rule;

as the case may be, which are repealed by section 69 of the said Code on Wages, 2019, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, are hereby notified, as required by sub-section (1) of said section 67, for information of all persons likely to be affected thereby and the notice is hereby given that the said draft notification will be taken into consideration after the expiry of a period of twenty-one days from the date on which the copies of the Official Gazette in which this notification is published are made available to the public; Objections and suggestions, if any, may be addressed to Joint Labour Commissioner, Bihar or by E-mail lcbihar@bihar.gov.in.

The objections and suggestions should be sent in a proforma containing columns (i) specifying the name and address of the persons and organizations and column (ii) specifying the rule or sub-rule which is proposed to be modified and column (iii) specifying the revised rule or sub rule proposed to be submitted and the reasons therefore; Only those objections and suggestions, which are received from any person with respect to the said draft notification before expiry of the period specified above, will be considered by the State Government.

**CHAPTER I
PRELIMINARY**

In exercise of the powers conferred by section 67 of the Code on Wage, 2019 (No. 29 of 2019), the Governor of Bihar is pleased to make the following rules, the same having been previously published as required by sub-section (1) of said section namely;-

1. Short title, extent and commencement.—

- (1) These rules may be called the Code on Wages (Bihar) Rules, 2021.
- (2) They extend to the whole of Bihar.
- (3) They shall come into force from the date of their final publication in the Official Gazette of Bihar.

2. Definitions.- In these rules, unless the subject or context otherwise requires, —

- (a) **“Authority”** means the authority appointed by the State Government under sub-section (1) of section 45;
- (b) **“Appellate authority”** means the appellate authority appointed by the State Government under sub-section (1) of section 49;
- (c) **“Appeal”** means an appeal preferred under sub-section (1) of section 49;
- (d) **“Board”** means the State Advisory Board constituted by the State Government under sub-section (4) of section 42;
- (e) **“Chairperson”** means the chairperson of the Board;
- (f) **“Code”** means the Code on Wages, 2019 (29 of 2019);
- (g) **“Committee”** means a committee appointed by the State Government under clause (a) of sub-section (1) of section 8;
- (h) **“Day”** means a period of 24 hours beginning at mid-night;
- (i) **“Dangerous operations”** means operations where the State Government is of opinion that any manufacturing process or operation carried on in a factory exposes any persons employed in it to a serious risk of bodily injury, poisoning or disease;
- (j) **“Form”** means a form appended to these rules;
- (k) **“Highly skilled occupation”** means an occupation which calls in its performance a specific level of perfection and required competence acquired through intensive technical or professional training or practical occupational experience for a considerable period and also requires of an employee to assume full responsibility for his judgement or decision involved in the execution of such occupation;
- (l) **“Inspector-cum-Facilitator”** means a person appointed by the State Government, by notification under sub-section (1) of section 51;
- (m) **“Member”** means a member of the Board and includes its Chairperson;
- (n) **“Metropolitan area”** means a compact area having a population of ten lakhs or more comprised in one or more districts; or declared as such by the State government through notification.
- (o) **“Non-Metropolitan area”** means a compact area having a population of less than ten lakhs but more than one lakhs, comprised in one or more districts; or declared as such by the State government through notification.
- (p) **“Population”** means the population as ascertained at the last preceding census of which the relevant figures have been published;
- (q) **“Registered trade union”** means a trade union registered under The Trade Unions Act, 1926 (16 of 1926) or the law defining "registered trade union" for the time being in force;

- (r) “*Rural area*” means the area which is not the metropolitan area or non-metropolitan area;
- (s) “*Schedule*” means the schedule to these rules;
- (t) “*Section*” means a section of the Code on Wages, 2019;
- (u) “*Semi-skilled occupation*” means an occupation which in its performance requires the application of skill gained by the experience on job which is capable of being applied under the supervision or guidance of a skilled employee and includes supervision over the unskilled occupation;
- (v) “*skilled occupation*” means an occupation which involves skill and competence in its performance through experience on the job or through training as an apprentice in a technical or vocational institute and the performance of which calls for initiating and judgement;
- (w) “*Unskilled occupation*” means an occupation which in its performance requires the application of simply the operating experience and involves no further skills;
- (x) “*Firm*” means the meaning as assigned to it in the Indian Partnership Act, 1932 (9 of 1932) for the purpose of rule 53.
- (y) All other words and expressions used herein in these rules and not defined shall have the meanings respectively assigned to them under the Code.

CHAPTER II

Minimum wages

3. *Manner of calculating the minimum rate of wages.—*

- (1) for the purposes of sub-section (5) of section 6, the minimum rate of wages shall be fixed on the day basis keeping in view the following criteria , namely:-
 - (I) the standard working class family which includes a spouse and two children apart from the earning worker; an equivalent of three adult consumption units;
 - (II) A net intake of 2700 calories per day per consumption unit;
 - (III) 66 meters cloth per year per standard working class family;
 - (IV) Housing rent expenditure to constitute 10 per cent of food and clothing expenditure;
 - (V) Fuel, electricity and other miscellaneous items of expenditure to constitute 20 percent of minimum wage; and
 - (VI) Expenditure for children education, medical requirement, recreation and expenditure on contingencies to constitute 25 percent of minimum wage;

or
- (2) The recommendation of Advisory Board for fixation of minimum wage may also take into account arduousness of work like temperature or humidity or hazardous occupations or processes, dangerous operation or underground work as well as the Consumer Price Index notified by Labour Bureau Government of India.
- (3) The State Government shall not fix the minimum wages below the Floor Wages fixed by the Central Government under section 9 of the Code on Wage, 2019.

4. *Norms for fixation of minimum rate of wages.—*

- (1) While fixing the minimum rate of wages under section 6, the State Government may divide the concerned geographical area into three categories, that is to say the metropolitan area, non-metropolitan area and the rural area.

- (2) The State Government shall constitute a technical committee for the purpose of advising the State Government in respect of skill categorization, which shall consist of the following members, namely:-
- (i) Additional Chief Secretary, Labour Resources Department /Principal Secretary/Secretary - Chairperson;
 - (ii) Labour Commissioner, Bihar - Member;
 - (iii) A representative from the department responsible for Skill Development and Entrepreneurship, - Member;
 - (iv) Secretary, Board of Construction Workers, Bihar - Member;
 - (v) Chief Inspector of Factories, - Member;
 - (vi) A representative from Ministry of Labour and Employment, Government of India - Member;
 - (vii) Two technical experts in wage determination as nominated by the State Government -Members; and
 - (viii) Additional Labour Commissioner / Joint Labour Commissioner in the Department of Labour Resources dealing with the wages - Member Secretary;
 - (ix) Two representative from central Trade Union;
 - (x) Two representative from Employer Union.
- (3) The State Government shall, on the advice of the technical committee referred to in sub-rule (2), categorize the occupations of the employees into four categories that is to say unskilled, semi-skilled, skilled and highly skilled by modifying, deleting or adding any entry in the categorization of such occupations specified in Schedule E.
- (4) The technical committee referred in sub-rule (2) shall while advising the State Government under sub-rule (3) take into account, to the possible extent, the national classification of occupation or national skills qualification frame work or other similar frame work for the time being formulated to identify occupations.

5. Time Interval for revision of dearness allowance.—Endeavour shall be made so that the cost of living allowance and the cash value of the concession in respect of essential commodities at concession rate shall be computed once before 1st April and then before 1st October in every year to revise the dearness allowance payable to the employees on the minimum wages.

6. Number of hours of work which shall constitute a normal working day.—

- (1) The normal working day under clause (a) of sub-section (1) of section 13 shall be comprised of eight hours of work and one or more intervals of rest which in total shall not exceed one hour.
- (2) The working day of an employee shall be so arranged that inclusive of the intervals of rest, if any, it shall not spread over more than twelve hours on any day.
- (3) The provisions of sub-rules (1) and (2) shall, in the case of an employee employed in agricultural employment, be subject to such modifications as may, from time to time, be determined by the State Government.
- (4) (a) when the rate of wages for a day is fixed, then, such amount shall be divided by eight for fixing the rate of wages for an hour and multiplied by twenty six for fixing the rate of wages for a month and in such division and multiplication the factors of one-half and more than one-half shall be rounded as next figure and the factors less than one-half shall be ignored.

- (b) Where an employed person has worked for less than a normal working day, wages proportionate to the hours of work done by him shall be paid to him:

Provided that if such person has worked for more than three quarters of a normal working day, he shall be deemed to have worked for the full day, subject to the proviso specified in section 10 (i) of the code.

- (c) Circumstances under clause (ii) of the proviso to section 10.—An employee shall not be entitled to receive wages for a full normal working day under section 10, if he is not entitled to receive such wage under any other law for the time being in force.

- (5) Nothing in this rule shall be deemed to affect the provisions of the Factories Act, 1948 (63 of 1948) or the law for the time being in force;

7. Weekly day of rest.—

- (1) Subject to the provisions of this rule, an employee shall be allowed a day of rest every week (hereinafter referred to as “the rest day”) which shall ordinarily be Sunday, but the employer may fix any other day of the week as the rest day for any employee or class of employees:

Provided that an employee shall be entitled for the rest day under this sub-rule if he has worked under the same employer for a continuous period of not less than six days:

Provided further that the employee shall be informed of the day fixed as the rest day and of any subsequent change in the rest day before the change is effected, by display of a notice to that effect at the Conspicuous place of employment.

Explanation.- For the purpose of computation of the continuous period of not less than six days specified in the first proviso to this sub-rule, any day on which an employee is required to attend for work but is given only an allowance for attendance and is not provided with work, a day on which an employee is laid off on payment of compensation under the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) or the law for the time being in force and any leave or holiday, with or without pay, granted by the employer to an employee in the period of six days immediately preceding the rest day, shall be deemed to be days on which the employee has worked.

- (2) Any such employee shall not be required or allowed to work on the rest day unless he has or will have a substituted rest day for a whole day on one of the five days immediately before or after the rest day:

Provided that no substitution shall be made which will result in the employee working for more than ten days consecutively without a rest day for a whole day.

- (3) Where in accordance with the foregoing provisions of this rule, any employee works on a rest day and has been given a substituted rest day on any one of the five days before or after the rest day, the rest day shall, for the purpose of calculating the weekly hours of work, be included in the week in which the substituted rest day occurs.

- (4) An employee shall be granted- (a) for rest day wages calculated at the rate applicable to the next preceding day; and (b) where he works on the rest day and has been given a substituted rest day, then, he shall be paid wages for the rest day on which he worked, at the overtime rate and wages for the substituted rest day at the rate applicable to the next preceding day:

Provided that where- (i) the minimum rate of wages of the employee as notified under the Code has been worked out by dividing the minimum monthly

rate of wages by twenty- six; or (ii) the actual daily rate of wages of the employee has been worked out by dividing the monthly rate of wages by twenty-six and such actual daily rate of wages is not less than the notified minimum daily rate of wages of the employee, then, no wages for the rest day shall be payable; and (iii) the employee works on the rest day and has been given a substituted rest day, then, he shall be paid, only for the rest day on which he worked, an amount equal to the wages payable to him at the overtime rate; and, if any dispute arises whether the daily rate of wages has been worked out in accordance with the provisions of this proviso, Inspector-cum-Facilitator, on application made to him in this behalf, decide the same, after giving an opportunity to the parties concerned to make written representations. Provided further that in case of an employee governed by a piece-rate system, the wages for the rest day, or the substituted rest day, as the case may be, shall be such as the State Government may, from time to time determine having regard to the minimum rate of wages fixed under the Code, in respect of the employment.

Explanation.-In this sub-rule 'next preceding day' means the last day on which the employee has worked, which precedes the rest day or the substituted rest day, as the case may be; and where the substituted rest day falls on a day immediately after the rest day, the next preceding day means the last day on which the employee has worked, which precedes the rest day.

- (5) The provisions of this rule shall not operate to the prejudice of more favorable terms, if any, to which an employee may be, entitled under any other law or under the terms of any award, agreement or contract of service, and in such a case, the employee shall be entitled only to more favorable terms aforesaid.

Explanation.- For the purposes of this rule, 'week' shall mean a period of seven days beginning at midnight on Saturday night.

8. Night shifts.—Where an employee in an employment works on a shift which extends beyond midnight, then, -

- (a) a rest day for the whole day for the purposes of rule 7 shall, in this case means a period of twenty four consecutive hours beginning from the time when his shift ends; and
- (b) the following day in such a case shall be deemed to be the period of twenty-four hours beginning from the time when such shift ends, and the hours after midnight during which such employee was engaged in work shall be counted towards the previous day.

9. The extent and conditions for the purposes of sub-section (2) of section 13.-In case of employees.—

- (a) engaged in any emergency which could not have been foreseen or prevented;
- (b) engaged in work of the nature of preparatory or complementary work which must necessarily be carried on outside the limits laid down for the general working in the employment concerned;
- (c) whose employment is essentially intermittent;
- (d) engaged in any work which for technical reasons has to be completed before the duty is over; and
- (e) engaged in a work which could not be carried on except at times dependent on the irregular action of natural forces; the provisions of rules 6, 7 and 8 shall apply subject to the condition that – (i) the spread over of the hours of work of the

employee shall not exceed 16 hours in any day; and (ii) the actual hours of work excluding the intervals of rest and the periods of inaction during which the employee may be on duty but is not called upon to display either physical activity or sustained attendance shall not exceed 9 hours in any day.

10. Longer wage period.—The longer wage period for the purposes of minimum rate of wages under section 14 shall be by the month.

CHAPTER III

Payment of Wages

11. Recovery under clause (f)(ii) of sub-section(2) of section 18.—for the purpose of clause (f)(ii) of sub-section(2) of section 18, deduction for recovery of loans approved by the state government and made from any fund constituted for the welfare of labour , and the interest, if any, due in respect thereof shall be, subject to any direction made or circular issued by the state government from time to time for realizing the loans and interest ,if any.

12. Recovery under sub-section (4) of section 18.—where the total deductions authorized under sub-section (2) of section 18 exceed fifty per cent. of the wages of an employee, the excess shall be carried forward and recovered from the wages of succeeding wage period or wage periods, as the case may be, in such installments so that the recovery in any month shall not exceed the fifty per cent. of the wages of the employee in that month.

13. The authority under sub-section (1) of section 19.—Inspector-cum-Facilitator having jurisdiction over the place of work of the employee concerned shall be the authority for the purposes of subsection (1) of section 19.

14. The manner of exhibiting the notice under sub-section (2) of section 19.—a notice referred to in sub-section (2) of section 19 shall be displayed at the conspicuous places in the premises of the establishment in which the employment is carried on, so that every concerned employee would be easily able to read the contents of the notice and a copy of the notice shall be sent forthwith to the Inspector-cum-Facilitator having jurisdiction.

15. The procedure under sub-section (3) of section 19.—The employer shall give an intimation in writing electronically or otherwise specifying therein the detailed particulars for obtaining the approval of the imposition of fine to the Inspector-cum-Facilitator in rule 13 who shall, before granting or refusing the approval, give opportunity of being heard to the employee and the employer concerned.

16. Intimation of deduction.—

- (1) Where an employer makes any deduction in pursuance of the proviso to subsection (2) of section 20, he shall make intimation of such deduction electronically or otherwise to the Inspector-cum-Facilitator having jurisdiction within 10 days from the date of such deduction explaining therein the reason of such deduction.
- (2) The Inspector-cum-Facilitator shall, after receiving intimation under sub-rule (1), examine such intimation and if he finds that the explanation given therein is in contravention of any provision of the Code or the rules made thereunder, he shall initiate appropriate action under the Code against the employer.

17. Procedure for deduction under sub-section (2) of section 21.—Any employer desiring to make deduction for damages or loss under sub-section (1) of section 21 from the wages of an employee shall,-

- (i) explain to the employee personally and also in writing the damage or loss of goods expressly entrusted to the employee for custody or for loss of money for

which he is required to account and how such damages or loss is directly attributable to the neglect or default of the employee; and

- (ii) thereafter, give the employee an opportunity of being heard and deduction for any damages or loss, if made, shall be intimated to the employee within fifteen days from the date of such deduction.

18. Conditions regarding recovery of advance under section 23.—*The recovery, as the case may be of,*-

- (i) advances of money given to an employee after the employment begins under clause (b) of section 23; or
- (ii) advances of wages to an employee not already earned under clause (c) of section 23, shall be made by the employer from the wages of the concerned employee in installments determined by the employer, so as any or all installments in a wage period shall not exceed fifty percent of the wages of the employee in that wage period and the particulars of such recovery shall be recorded in the register maintained in Form-I.

19. Deduction under section 24.—Deductions for recovery of loans granted for house building or other purposes approved by the State Government, and the interest due in respect thereof shall be, subject to any direction made or circular issued by the State Government from time to time regulating the extent to which such loans may be granted and the rate of interest shall be payable thereon.

CHAPTER IV

Payment of Bonus

20. Calculation of set on or set off for the sixth accounting year.—For the sixth accounting year, set on or set off, as the case may be, shall be made under clause (i) of sub-section (7) of section 26, in the manner illustrated in Schedule A, taking into account the excess or deficiency, if any, as the case may be, of the allocable surplus set on or set off in respect of the fifth and sixth accounting years.

21. Calculation of set on or set off for the seventh accounting year.—For the seventh accounting year, set on or set off, as the case may be, shall be made under clause (ii) of sub-section (7) of section 26, in the manner illustrated in Schedule A, taking into account the excess or deficiency, if any, as the case may be, of the allocable surplus set on or set off in respect of the fifth, sixth and seventh accounting years.

22. Computation of gross profits under clause (a) of section 32.—The gross profits derived by an employer from an establishment in respect of the accounting year shall in the case of banking company, be calculated in the manner specified in Schedule B.

23. Computation of gross profits under clause (b) of section 32.—The gross profits derived by an employer from an establishment in respect of the accounting year in a case other than banking company, be calculated in the manner specified in Schedule C.

24. Deduction of further sums under clause (c) of section 34.—The further sums as are specified in respect of the employer in Schedule D shall be deducted from the gross profit as prior charges under clause (c) of section 34.

25. Manner of carrying forward under sub-section (1) of section 36.—Where for any accounting year, the allocable surplus exceeds the amount of maximum bonus payable to the employees in the establishment under section 26, then, the excess shall, subject to a limit of twenty per cent. of the total salary or wage of the employees employed in the establishment in that accounting year, be carried forward for being set on in the succeeding accounting year and so on up

to and inclusive of the fourth accounting year to be utilised for the purpose of payment of bonus in such manner as illustrated in Schedule A.

26. Manner of carrying forward under sub-section (2) of section 36.—Where for any accounting year, there is no available surplus or the allocable surplus in respect of that year falls short of the amount of minimum bonus payable to the employees in the establishment under section 26, and there is no amount or sufficient amount carried forward and set on under rule 26 which could be utilized for the purpose of payment of the minimum bonus, then, such minimum amount or the deficiency, as the case may be, shall be carried forward for being set off in the succeeding accounting year and so on up to and inclusive of the fourth accounting year in such manner illustrated in Schedule A.

CHAPTER V

State Advisory Board

27. Constitution of the Board.—

- (1) The Board shall consist of the persons to be nominated by the State Government representing employers and employees as specified in sub-section (6) of section 42 and the independent persons as specified in clauses (c) of that sub-section.
- (2) The persons representing employers as referred to in clause (a) of sub-section (6) of section 42 shall be twelve and the persons representing employees referred to in clause (b) of that sub-section shall also be twelve.
- (3) Along with representative of employers and employee, the independent persons specified in clause (c) of sub-section (6) of section 42, to be nominated by the State Government and shall consist of the following, namely:-

1.	Additional Chief Secretary /Principal Secretary/ Secretary Department of Labour Resources, Government of Bihar.	Chairperson
2.	Labour Commissioner, Bihar.	Member Secretary
3.	Joint Labour Commissioner Bihar, Patna.	Member
4.	Additional Chief Secretary /Principal Secretary/ Secretary or their representative from Department of Rural Development, Government of Bihar.	Member
5.	Additional Chief Secretary /Principal Secretary/ Secretary or their representative from the Department of Building Construction, Government of Bihar.	Member
6.	Additional Chief Secretary /Principal Secretary/ Secretary or their representative from Public Works department, Government of Bihar.	Member
7.	Additional Chief Secretary /Principal Secretary/ Secretary or their representative from Department of Urban Development, Government of Bihar	Member
8.	One member who is or has been a presiding officer of an Industrial Tribunal constituted by the State Government under any law for the being in force; and	Member
9.	Two members each of whom, shall be a professional in the field of wages and labour related issues;	Members
10.	Two representatives from Academics & Civil Society	Members

- (4) The State Government shall, while nominating the members of the Board, take into account that the independent members under sub-rule (2) shall not exceed one-third of the total members of the Board and one third of the members of the Board shall be women.

28. Meeting of the Board.—The Chairperson may, subject to the provisions of rule 31, call a meeting of the Board, at any time he thinks fit:

Provided that on requisition in writing from not less than one half of the members, the Chairperson shall call a meeting within thirty days from the date of the receipt of such requisition.

29. Notice of meetings.—The Chairperson shall fix the date, time and place of every meeting and a notice in writing containing the aforesaid particulars along with a list of business to be conducted at the meeting shall be sent to each member by registered post and electronically at least fifteen days before the date fixed for such meeting: Provided that in the case of an emergent meeting, notice of seven days only may be given to every member.

30. Functions of Chairperson.—The Chairperson shall-

- (i) Preside at the meetings of the Board: Provided that in the absence of the Chairperson at any meeting, the members shall elect from amongst themselves by a majority of votes, a member who shall preside at such meeting;
- (ii) Decide agenda of each meeting of the Board;
- (iii) Where in the meeting of the Board, if any issue has to be decided by voting, conduct the voting and count or cause to be counted the secret voting in the meeting.
- (iv) Such other functions that State Government may notify from time-to-time.

31. Quorum.—No business shall be transacted at any meeting unless at least one-third of the members and at least one representative member each of both the employers and an employee are present:

Provided that, if at any meeting less than one-third of the members are present, the Chairperson may adjourn the meeting to a date not later than seven days from the date of the original meeting and it shall thereupon be lawful to dispose of the business at such adjourned meeting irrespective of the number of members present:

Provided further that the date, time and place of such adjourned meeting shall be intimated to all the members electronically or otherwise.

32. Disposal of business of the Board.—All business of the Board shall be considered at a meeting of the Board, and shall be decided by a majority of the votes of members present and voting and in the event of an equality of votes, the Chairperson shall have a casting vote:

Provided that the Chairperson may, if he thinks fit, direct that any matter shall be decided by the circulation of necessary papers and by securing written opinion of the members:

Provided further that no decision on any matter under the preceding proviso shall be taken, unless supported by not less than two-thirds majority of the members.

33. Method of voting.—Voting in the Board shall ordinarily be by show of hands, but if any member asks for voting by ballot, or if the Chairperson so decides, the voting shall be by secret ballot and shall be held in such manner as the Chairperson may decide.

34. Proceedings of the meetings.—

- (1) The proceedings of each meeting of the Board showing inter alia the names of the members present thereat shall be forwarded to each member and to the State Government as soon after the meeting as possible, and in any case, not less than seven days before the next meeting.
- (2) The proceedings of each meeting of the Board shall be confirmed with such modification, if any, as may be considered necessary at the next meeting.

35. Summoning of witnesses and production of documents.—

- (1) The Chairperson may summon any person to appear as a witness if required in the course of the discharge of his duty and require any person to produce any document.
- (2) Every person who is summoned and appears as a witness before the Board shall be entitled to an allowance for expenses by him in accordance with the scale for the time being in force for payment of such allowance to witnesses appearing before a civil court.

36. Appointment of the committees.—The State Government may appoint as many committee under clause (a) of sub-section (1) of section 8 as it considers necessary for the purposes specified in that clause.

37. Term of office of members of the Board.—

- (1) The term of office of a nominated member, shall be normally two years commencing from the date of his appointment or nomination, as the case may be, under sub-section (4) of section 42:

Provided that such member shall, notwithstanding the expiry of the said period of two years, continue to hold office until his successor is appointed or nominated

- (2) An independent member of the Board nominated to fill a casual vacancy shall hold office for the remaining period of the term of office of the member in whose place he is nominated.
- (3) The official members of the Board shall hold office till they are replaced by respective such other official members.
- (4) Ex-officio member such as Chairperson or Member Secretary shall hold office co-terminus with their office tenure.
- (5) Notwithstanding anything contained in sub-rules (1), (2), and (3), the members of the Board shall hold office during the pleasure of the State Government.

38. Travelling allowance.—The Chairman and every member of the Board shall be entitled to draw travelling and halting allowance for any journey performed by him in connection with his duties at the rates and subject to the conditions applicable to a Group A officer of the State Government.

39. Officers and Staff.—The State Government shall provide officers and staff to the Board necessary for the functioning of the Board.

40. Eligibility for re-nomination of the members of the Board.—An outgoing member shall be eligible for re nomination for the membership of the Board for not more than total two terms.

41. Resignation of the members of the Board.—

- (1) A member of the Board may, by giving notice in writing to the Chairperson, resign his membership.
- (2) A resignation shall take effect from the date of communication of its acceptance or on the expiry of 30 days from the date of resignation, whichever is earlier.
- (3) When a vacancy occurs or is likely to occur in the membership of the Board, the Chairperson shall submit a report to the State Government immediately and the State Government shall, then, take steps to fill the vacancy in accordance with the provisions of the Code.

42. Cessation of membership.—If a member of the Board, fails to attend three consecutive meetings, without prior intimation to the Chairperson, he shall, cease to be a member thereof.

43. Disqualification.—

- (1) A person shall be disqualified for being nominated as, and for being a member of the Board— (i) if he is declared to be of unsound mind by a competent court; or (ii) if he is an undischarged insolvent; or (iii) if before or after the commencement of the Code, he has been convicted of an offence involving moral turpitude.
- (2) If any question arises whether a disqualification has been incurred under sub-rule (1), the decision of the State Government thereon shall be final.

CHAPTER VI
PAYMENT OF DUES, CLAIMS ETC.

44. Payment under clause (a) of sub-section (1) of section 44.—Where any amount payable to an employee under the Code is due after his death or on account of his whereabouts not being known, and the amount could not be paid to the nominee of the employee until the expiry of three months from the date the amount had become payable, then, such amount shall be deposited by the employer with the authority having jurisdiction, who shall disburse the amount to the person nominated by the employee after ascertaining his identity within two months of the date on which the amount was so deposited with him.

45. Deposit of the undisbursed dues under clause (b) of sub-section (1) of section 44.—

- (1) Where any amount payable to an employee under this Code remains undisbursed because either no nomination has been made by such employee or for any other reason, such amounts could not be paid to the nominee of employee until the expiry of six months from the date the amount had become payable, all such amounts shall be deposited by the employer with the authority having jurisdiction before the expiry of the fifteenth day after the last day of the said period of six months.
- (2) The amount referred to in sub-rule (1) shall be deposited by the employer with the authority having jurisdiction through bank transfer or through a crossed demand draft obtained from any scheduled bank in India drawn in favour of such authority.

46. Manner of dealing with the undisbursed dues under clause (b) of sub-section (1) of section 44. —

- (1) The amount referred to in sub rule (1) of rule 47 (hereinafter in this rule referred to as the amount) deposited with the authority having jurisdiction shall remain with him and be invested in the Central or State Government Securities or deposited as a fixed deposit in a scheduled bank.
- (2) The authority having jurisdiction will exhibit, as soon as may be possible, a notice containing such particulars regarding the amount as the authority considers sufficient for information at least for fifteen days on the notice board and also publish such notice in any two newspapers being circulating in the language commonly understood in the area in which undisbursed wages were earned.
- (3) Subject to the provision of sub-rule (4), the authority having jurisdiction shall release the amount to the nominee or to that person who has claimed such amount, as the case may be, in whose favour such authority has decided, after giving the opportunity of being heard, the amount to be paid.
- (4) If the undisbursed amount remains unclaimed for a period of seven years, the same shall be dealt within the manner as directed by the State Government from time to time in this behalf.

CHAPTER VII

THE FORM, REGISTER AND WAGE SLIP

47. The form of a single application.—A single application may be filed under sub-section (5) of section 45 in Form-II along with documents specified in such Form.

48. Appeal.—Any person aggrieved by an order passed by the authority under sub-section (2) of section 45 may prefer an appeal under sub-section (1) of section 49 in Form-III, along with documents mentioned by the appellant in such Form, to the appellate authority as notified by State Government.

49. Form of register, etc.—

- (1) all fines and all realizations thereof referred to in sub-section (8) of section 19 shall be recorded in a register to be kept by the employer in Form – I appended to these rules, electronically or otherwise and the authority referred to in said sub-section (8) shall be the Inspector-Cum-Facilitator having jurisdiction.
- (2) All deductions and all realizations referred to in sub-section (3) of section 21 shall be recorded in a register to be kept by the employer in Form- I appended to these rules, electronically or otherwise.
- (3) Every employer of an establishment to which the Code applies shall maintain registers under sub-section (1) of section 50 in Form I and Form IV, electronically or otherwise.

50. Wage slip.—Every employer shall issue wage slips, electronically or otherwise to the employees in Form V under sub-section (3) of section 50 on or before payment of wages.

CHAPTER VIII

OFFENCES AND PENALTIES

51. Manner of holding enquiry under sub-section (1) of section 53.—

- (1) When a complaint is filed before the officer (having rank equivalent to the level of Under-Secretary of Government of India or above) notified by the State Government, appointed under sub-section (1) of section 53 (hereinafter in this rule referred to as the officer) in respect of the offences referred to in said sub-section either by an officer authorized for such purpose by the State Government or by an employee aggrieved or a registered trade union, or an Inspector-cum-Facilitator, the officer, after considering such evidences as produced before him by the complainant, is of the opinion that an offence has been committed, shall issue summons to the offender on the address specified in the complaint fixing a date for his appearance .
- (2) If the offender to whom the summons has been issued under sub rule (1) appears or is produced before the officer, he shall explain the offence complained against him and if the offender pleads guilty, the officer shall impose penalty on him in accordance with the provisions of the Code and when the offender does not plead guilty, the officer shall take evidence of the witnesses produced by the complainant on oath and provide opportunity of cross examination of the witnesses so produced . The officer shall record the statement of the witnesses on oath and in cross examination in writing and take the documentary evidence on record.

- (3) The officer shall, after the complainant's evidence is complete, provide opportunity of defence to the accused person and the witnesses produced by the accused shall be cross examined after their statements on oath by the complainant and documentary evidence in defence shall be taken on record by the officer.
- (4) The officer shall after hearing the parties and considering the evidences both oral and documentary decide the complaint in accordance with the provisions of the Code.

52. The manner of imposing fine under sub-section (1) of section 56.—

- (1) An accused person desirous of making composition of offence under sub-section (1) of section 56 may make an application in Form VI electronically or otherwise to the Gazetted Officer notified under said sub-section (1).
- (2) The Gazetted Officer referred to in sub-rule (1), shall, on receipt of such application, satisfy himself as to whether the offence is compoundable or not under the Code and if the offence is compoundable and the accused person agrees for the composition, compromise the offence for a sum of fifty per cent of the maximum fine provided for such offence under the Code, to be paid by the accused within the time specified in the order of composition issued by such officer.
- (3) Where the offence has been compromised under sub-rule (2) after the institution of the prosecution, then, the officer shall send a copy of such order made by him for intimation to the officer referred to in sub-section (1) of section 53 for needful action under sub-section (6) of section 56.

**CHAPTER IX
MISCELLANEOUS**

53. Timely Payment of Wages.—Where the employees are employed in an establishment through contractor, then, the company or firm or association or any other person who is the proprietor of the establishment shall pay to the contractor the amount payable to him or it, as the case may be, before the date of payment of wages so that payment of wages to the employees shall be made positively in accordance with the provisions of Section 17.

54. Responsibility for payment of minimum bonus.—Where in an establishment, the employees are employed through contractor and the contractor fails to pay minimum bonus to them under section 26, then, the company or firm or association or other person as referred to in the proviso to section 43 shall, on the written information of such failure, given by the employees or any registered trade union or unions of which the employees are members and on confirming such failure, pay such minimum bonus to the employees.

55. Inspection scheme.—

- (1) For the purposes of the Code and these rules, there shall be formulated an inspection scheme by the State Government.
- (2) In the inspection scheme referred to in sub-rule (1), apart from other structural facts, a number shall be specified in the scheme for each Inspector-cum-Facilitator and establishment.

FORM-II

[See rule 47]

[SINGLE APPLICATION UNDER SUB-SECTION (5) OF SECTION 45]
BEFORE THE AUTHORITY APPOINTED UNDER SUB SECTION (1) OF SECTION 45 OF
THE CODE ON
WAGES, 2019 (29 OF 2019)
FOR..... AREA.....

Application No.....of 20.....

Between ABC and (State the number).....other.....

Applicant

(Through employees concerned or registered trade union or Inspector- cum- Facilitator
Address.....

And

XYZ.....
Address.....

The application states as follows:

- (1) The applicant(s) whose name(s) appear in the attached schedule was/were/has/have been employed from.....to..... as.....(category) in.....(establishment) Shri/M/s.....engaged in.....(nature of work) which is/are covered by the Code on Wages, 2019.
- (2) The opponent(s) is/are the employer(s) within the meaning of section 2(1) of the Code on Wages, 2019.
- (3) (a) The applicant(s) has/ have been paid wages at less than the minimum rates of wages fixed for their category (categories) of employment(s) under the Code by Rs.... Per day for the period(s) from.....to.....
- (b) The applicant(s) has/ have not been paid wages at Rs..... Per day for the weekly days of rest from.....to....
- (c) The applicant(s) has/ have not been paid wages at overtime rate(s) for the period from.....to....
- (d) The applicant(s) has/have not been paid wages for period fromto.....
- (e) Deductions have been made which are in contravention of the Code, from the wage(s) of the applicant(s) as per details specified in the annexure appended with this application.
- (f) The applicant(s) has/have not been paid minimum bonus for the accounting year
- (4) The applicant(s) estimate(s) the value of relief sought byhim/ them on each amount as under:
 - (a) Rs.....
 - (b) Rs.....
 - (c) Rs.....
 - Total Rs.....
- (5) The applicant(s), therefore, pray(s) that a direction may be issued under section 45(2) of the Code on Wages, 2019 for;
 - (a) payment of the difference between the wages payable under the Code and the wages actually paid,
 - (b) payment of remuneration for the days of rest
 - (c) payment of wages at the overtime rates,
 - (d) compensation amounting to Rs.....
- (6) The applicant(s) do hereby solemnly declare(s) that the facts stated in this application are true to the best of his/their knowledge, belief and information.

Dated.....

Signature or thumb-impression of the employed
person(s), or official of a registered trade union
duly authorized or Inspector- cum- Facilitator.**Note:** The applicant(s), if required, may append annexures containing details, with this application.

FORM III
(See rule 48)

Appeal under Section 49(1) of the Code on Wages, 2019
Before The Appellate Authority under the Code on Wages, 2019

A.B.C

Address.....APPELLANT

Vs.

C.D.E.

Address.....

RESPONDENT

DETAILS OF APPEAL:

1. Particulars of the order against which the appeal is made :
Number and date :
The authority who has passed the impugned order:
Amount awarded:
Compensation awarded , if any :
2. Facts of the case :
(Give here a concise statement of facts in a chronological order, each paragraph containing as nearly as possible a separate issue or fact).
3. Grounds for appeal :
4. Matters not previously filed or pending with any other Court or any Appellate Authority:
The appellant further declares that he had not previously filed any appeal, writ petition or suit regarding the matter in respect of which this appeal has been made, before any Court or any other Authority or Appellate Authority nor any such appeal, writ petition or suit is pending before any of them.
5. Reliefs sought :
In view of the facts mentioned above the appellant prays for the following relief(s) :—
[Specify below the relief(s) sought]
6. List of enclosures:
 - 1.
 - 2.
 - 3.
 - 4......

Date :

Place :

Signature of the appellant.

For office use

Date of filing

or

Date of receipt by post

Registration No.

Authorized Signatory

FORM IV
[See rule 49(3)]
EMPLOYEE REGISTER

Name of the Establishment :

Name of the Employer:

Name of the Owner :

PAN/TAN of the Employer:

Labour Identification Number (LIN):

Sl. No.	Employee Code	Name	Surname	Gender	Father's/ Spouse Name	Date of Birth	Nationality	Education Level	Date of Joining	Designation	Category (HS/S/SS/US)*	Type of Employment
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13

Mobile No.	UAN	PAN	ESIC IP No.	AADHAAR	Bank A/c Number	Bank	Branch (IFSC)	Present Address	Permanent Address
14	15	16	17	18	19	20	21	22	23

Service Book No.	Date of Exit	Reason for Exit	Mark of Identification	Photo	Specimen Signature/Thumb Impression	Remarks
24	25	26	27	28	29	30

*(Highly Skilled/Skilled/Semi skilled/Unskilled)

FORM V
[See rule 50]
WAGE SLIP

Date of issue:

Name of the Establishment..... Address..... Period.....

1. Name of employee :
2. Father's /Spouse name :
3. Designation :
4. UAN:
5. Bank Account No.:
6. Wage period:
7. Rate of wages payable: a.) Basic b.)D.A. c.) other allowances
8. Total attendance/unit of work done:
9. Overtime wages:
10. Gross wages payable :
11. Total deductions : a.) PF b.) ESI c.) Others
12. Net wages paid:

Employer / Pay-in-charge signature

FORM VI
[See rule 52 (1)]

APPLICATION UNDER SUB-SECTION (4) OF SECTION 56 FOR COMPOSITION OF OFFENCE

1. Name of applicant :
2. Father's / Spouse name :
3. Address of the applicant :
4. Particulars of the offence:

5. Section of the Code under which the offence is committed : :.....
6. Maximum fine provided for the offence under the Code :.....
7. Whether prosecution against the applicant is pending or not
8. Whether the offence is first offence or the applicant had committed any other offence prior to the offence.

If yes, then, full details of the prioroffence.

.....

.....

.....

9. Any other information which the applicant desires to provide

.....

.....

.....

Dated:

Applicant
(Name and signature)

Schedule A

[See rules 20, 21, 25 and 26]

In this Schedule, the total amount of bonus equal to 8.33 per cent of the annual salary or wage payable to all the employees is assumed to be Rs. 1,04,167. Accordingly, the maximum bonus to which all the employees are entitled to be paid (twenty per cent of the annual salary or wage of all the employees) would be Rs. 2,50,000.

Year	Amount equal to sixty per cent. or sixty-seven per cent., as the case may be, of available surplus allocable as bonus	Amount payable as bonus	Set on or Set off of the year carried forward	Total set on or set off carried forward	
1	2	3	4	5	6
	Rs	Rs	Rs	Rs	Of (year)
1	1,04,167	1,04,167**	Nil	Nil	
2	6,35,000	2,50,000*	Set on 2,50,000*	Set on 2,50,000*	(2)
3	2,20,000	2,50,000* (inclusive of 30,000 from year-2)	Nil	Set on 2,20,000	(2)
4	3,75,000	2,50,000*	Set on 1,25,000	Set on 2,20,000 1,25,000	(2) (4)
5	1,40,000	2,50,000* (inclusive of 1,10,000 from year-2)	Nil	Set on 1,10,000 1,25,000	(2) (4)
6	3,10,000	2,50,000*	Set on 60,000	Set on Nil + 1,25,000 60,000	(2) (4) (6)

Year	Amount equal to sixty per cent. or sixty-seven per cent., as the case may be, of available surplus allocable as bonus	Amount payable as bonus	Set on or Set off of the year carried forward	Total set on or set off carried forward	
1	2	3	4	5	6
7	1,00,000	2,50,000* (inclusive of 1,25,000 from year-4 and 25,000 from year-6)	Nil	Set on 35,000	(6)
8	Nil (due to loss)	1,04,167** (inclusive of 35,000 from year-6)	Set off 69,167	Set off 69,167	(8)
9	10,000	1,04,167**	Set off 94,167	Set off 69,167 94,167	(8) (9)
10	2,15,000	1,04,167** (after setting off 69,167 from year-8 and 41,666 from year-9)	Nil	Set off 52,501	(9)

Notes:-

* Maximum.

+ The balance of Rs. 1,10,000 set on from year-2 lapses.

** Minimum

Schedule B
COMPUTATION OF GROSS PROFITS

[See rule 22]

Accounting year ending

Item No.	Particulars	Amount of sub-Items	Amount of main-Items	Remarks
		Rs.	Rs.	
*1.	Net Profit as shown in the Profit and Loss Account after making usual and necessary provisions.			
2.	Add back provision for: (a) Bonus to employees (b) Depreciation (c) Development Rebate Reserve (d) Any other reserves Total of Item No.2.....	Rs.....		See foot-note (1) See foot-note (1)
3.	Add back also: (a) Bonus paid to employees in respect of previous accounting years. (b) The amount debited in respect of gratuity paid or payable to employees in excess of the aggregate of – (i) the amount, if any, paid to, or provided for payment to, an approved gratuity fund; and (ii) the amount actually paid to employees on their retirement or on termination of their employment for any reason. (c) Donations in excess of the amount admissible for income-tax . (d) Capital expenditure (other than capital expenditure on scientific research which is allowed as a deduction under any law for the time being in force relating to direct taxes) and capital losses (other than losses on sale of capital assets on which depreciation has been allowed for income tax). (e) Any amount certified by the Reserve Bank of India in terms of sub-section (2) of section 34A of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949).	Rs.....		See foot-note (1) See foot-note (1)

<i>Item No.</i>	<i>Particulars</i>	<i>Amount of sub-Items</i>	<i>Amount of main-Items</i>	<i>Remarks</i>
		<i>Rs.</i>	<i>Rs.</i>	
	(f) Losses of, or expenditure relating to, any business situated outside India. Total of Item No.3.....			
4.	Add also income, profits or gains (if any) credited directly to published or disclosed reserves, other than- (i) capital receipts and capital profits (including profits on the sale of capital assets on such depreciation has not been allowed for income-tax); (ii) profits of, and receipts relating to , any business situated outside India; (iii) income of foreign banking companies from investment outside India. Net total of Item No.4.....	Rs.....		
5.	Total of Item Nos.1, 2, 3 andb 4...	Rs.....		
6.	Deduct : (a) Capital receipts and capital profits (other than profits on the sale of assets on which depreciation has been allowed for income-tax). (b) Profits of, and receipts relating to any business situated outside India. (c) Income of foreign banking companies from investments outside India . (d) Expenditure or losses (if any) debited directly to published or disclosed reserves, other than – (i) capital expenditure and capital losses (other than losses on sale of capital assets on which depreciation has not been allowed for income-tax); (ii) losses of any business situated outside India. (e) In the case of foreign banking companies proportionate administrative (overhead) expenses of headoffice allocable to Indian business.			See foot-note (2) See foot-note (2) See foot-note (2) See foot-note (3) See foot-note (2)

Item No.	Particulars	Amount of sub-Items	Amount of main-Items	Remarks
		Rs.	Rs.	
	(f) Refund of any excess direct tax paid for previous accounting years and excess provision if any of previous accounting years, relating to bonus, depreciation or development rebate, if written back. (g) Cash subsidy, if any, given by the government or by anybody corporate established by any law for the time being in force or by any other agency through budgetary grants, whether given directly or through any agency for specified purposes and the proceeds of which are reserved for such purposes . Total of Item No. 6	Rs.....		See foot-note (2)
7.	Gross profits for purposes of bonus (Item No. 5 minus Item No. 6)		Rs.....	

Explanation: In sub-item (b) of Item 3, "approved gratuity fund" has the same meaning assigned to it in clause (5) of section 2 of the Income Tax Act, 1961.

* Where the profit subject to taxation is shown in the Profit and Loss account and the provision made for taxes on income is shown, the actual provision for taxes on income shall be deducted from the profit.

Foot-notes:-

- (1) If, and to the extent, charged to Profit and Loss Account.
- (2) If, and to the extent, credited to Profit and Loss Account.
- (3) In the proportion of Indian Gross Profit (Item No. 7) to Total World Gross Profit (as per consolidated profit and loss account adjusted as in Item No. 2 above only)]

Item No.	Particulars	Amount of sub-Items	Amount of main-Items	Remarks
		Rs.	Rs.	
4.	Add also income, profits or gains (if any) credited directly to reserves, other than- (i) capital receipts and capital profits (including profits on the sale of capital assets on which depreciation has not been allowed for income-tax or agricultural income-tax); (ii) profits of, and receipts relating to, any business situated outside India; (iii) income of foreign concerns from investments outside India. Net total of Item No.4.....	Rs.....		
5.	Total of Item Nos. 1, 2, 3 and 4...	Rs.....		
6.	Deduct : (a) Capital receipts and capital profits (other than profits on the sale of assets on which depreciation has been allowed for income-tax or agricultural income-tax). (b) Profits of, and receipts relating to, any business situated outside India. (c) Income of foreign concerns from investment outside India. (d) Expenditure or losses (if any) debited directly to reserves, other than- (i) capital expenditure and capital losses (other than losses on sale of capital assets on which depreciation has not been allowed for income-tax ; or agricultural income-tax; (ii) losses of any business situated outside India. (e) In the case of foreign concerns proportionate administrative (overhead) expenses of head office allocable to Indian business. (f) Refund of any direct tax paid for previous accounting years and excess provision, if any, of previous accounting years relating to bonus, depreciation, taxation or development rebate or development allowance, if written back. (g) Cash subsidy, if any, given by the government or by any body corporate established by any law for the time being in force or by any other agency through budgetary grants, whether given directly or through any agency for specified purposes and the proceeds of which are reserved for such purposes. Total of Item No.6	Rs.....		See foot-note (2) See foot-note (2) See foot-note (2) See foot-note (3) See-foot-note (2)

Item No.	Particulars	Amount of sub-Items	Amount of main-Items	Remarks
		Rs.	Rs.	
7.	Gross Profits for purposes of bonus (Item No.5 minus Item No.6)	Rs.....		

Explanation: In sub-item (aa) of Item 3, "approved gratuity fund" has the same meaning assigned to it in clause (5) of section 2 of the Income Tax Act, 1961.

Foot-notes:-

- (1) If, and to the extent, charged to Profit and Loss Account.
- (2) If, and to the extent, credited to Profit and Loss Account.
- (3) In the proportion of Indian Gross Profit (Item No. 7) to Total World Gross Profit (as per consolidated Profit and Loss Account, adjusted as in Item No. 2 above only).

Schedule D

[See rule 24]

Item No.	Category of employer	Further sums to be deducted
(1)	(2)	(3)
1.	Company, other than a banking company.	(i) The dividends payable on its preference share capital for the accounting year calculated at the actual rate at which such dividends are payable; (ii) 8.5 percent of its paid up equity share capital as at the commencement of the accounting year; (iii) 6 percent of its reserves shown in its balance sheet as at the commencement of the accounting year, including any profits carried forward from the previous accounting year : Provided that where the employer is a foreign company within the meaning of section 2 (42) of the Companies Act ,2013 (18 of 2013) , the total amount to be deducted under this item shall be 8.5 percent on the aggregate of the value of the net fixed assets and the current assets of the company in India after deducting the amount of its current liabilities (other than any amount shown as payable by the company to its Head Office whether towards any advance made by the Head Office or otherwise or any interest paid by the company to its Head Office) in India.
2.	Banking company	(i) The dividends payable on its preference share capital for the accounting year calculated at the rate at which such dividends are payable ; (ii) 7.5 per cent of its paid up equity share capital as at the commencement of the accounting year ; (iii) 5 per cent of its reserves shown in its balance sheet as at the commencement of the accounting year, including any profits carried forward from the previous accounting year; (iv) any sum which, in respect of the accounting year, is transferred by it- (a) to a reserve fund under sub-section (1) of section 17 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) ; or (b) to any reserves in India in pursuance of any direction or advice given by the Reserve Bank of India, whichever is higher:

		<p>Provided that where the banking company is a foreign company within the meaning of section 2 (42) of the Companies Act , 2013 (18 of 2013), the amount to be deducted under this item shall be the aggregate of-</p> <p>(i) the dividends payable to its preference shareholders for the accounting year at the rate at which such dividends are payable on such amount as bears the same proportion to its total preference share capital as its total working funds in India bear to its total world working funds;</p> <p>(ii) 7.5 per cent of such amount as bears the same proportion to its total paid up equity share capital as its total working funds in India bear to its total working funds.</p> <p>(iii) 5 per cent of such amount as bears the same proportion to its total disclosed reserves as its total working funds in India bear to its total world working funds;</p> <p>(iv) any sum which, in respect of the accounting year, is deposited by it with the Reserve Bank of India under sub-clause (ii) of clause (b) of sub-section (2) of section 11 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) , not exceeding the amount required under the aforesaid provision to be so deposited.]</p>
3.	Corporation	<p>(i) 8.5 per cent of its paid up capital as at the commencement of the accounting year;</p> <p>(ii) 6 per cent of its reserves, if any, shown in its balance sheet as at the commencement of the accounting year, including any profits carried forward from the previous accounting year.</p>
4.	Co-operative society	<p>(i) 8.5 per cent of the capital invested by such society in its establishment as evidenced from its books of accounts at the commencement of the accounting year;</p> <p>(ii) such sums as has been carried forward in respect of the accounting year to a reserve fund under any law relating to co-operative societies for the time being in force.</p>
5.	Any other employer not falling under any of the aforesaid categories	<p>8.5 per cent of the capital invested by him in his establishment as evidenced from his books of accounts at the commencement of the accounting year: Provided that where such employer is a person to whom Chapter XXII-A of the income Tax Act applies , the annuity deposit payable by him under the provisions of that Chapter during the accounting year shall also be deducted:</p> <p>Provided further that where such employer is a firm, an amount equal to 25 per cent of the gross profits derived by it from the establishment in respect of the accounting year after deducting depreciation in accordance with the provisions of clause (a) of section 6 by way of remuneration to all the partners taking part in the conduct of business of the establishment shall also be deducted, but where the partnership agreement, whether oral or written, provides for the payment of remuneration to any such partner, and –</p> <p>(i) the total remuneration payable to all such partners is less than the said 25 per cent the amount payable, subject to a maximum of forty-eight thousand rupees to each such partner; or</p>

		<p>(ii) the total remuneration payable to all such partners is higher than the said 25 per cent , such percentage, or a sum calculated at the rate of forty – eight thousand rupees to each such partner, whichever is less , shall be deducted under this proviso:</p> <p>Provided also that where such employer is an individual or a Hindu Undivided Family -</p> <p>(i) an amount equal to 25 per cent of the gross profits derived by such employer from the establishment in respect of the accounting year after deducting depreciation in accordance with the provisions of clause (a) of section 34; or</p> <p>(ii) forty-eight thousand rupees,</p> <p>whichever is less by way of remuneration to such employer, shall also be deducted.</p>
--	--	---

Explanation : The expression "reserves" occurring in column (3) against Item Nos. 1(iii), 2(ii) and 3(ii) shall not include any amount set apart for the purpose of-

- (i) payment of any direct tax which, according to the balance-sheet, would be payable;
- (ii) meeting any depreciation admissible in accordance with the provisions of clause (a) of section 34;
- (iii) payment of dividends which have been declared, but shall include,-
 - (a) any amount, over and above the amount referred to in clause-(i) of this Explanation, set apart as specific reserve for the purpose of payment of any direct tax; and
 - (b) any amount set apart for meeting any depreciation in excess of the amount admissible in accordance with the provisions of clause (a) of section 34.

Schedule E
(see rule 4 (3))

S.No.	UNSKILLED
1	Beldar
2	Calf boy
3	Cattleman
4	Cleaner (Motor shed, Tractor, Cattle, Yard, M.T) 19 Syce
5	Collecting loose fodder
6	Dairy coolie
7	Mazdoor (Arportculturist Compost, Dairy's Haystaking, Irrigation, Manure,Stacking, Milkroom, Ration room Store, Anti-Malaria, M.R.)
8	Driver (Mule, Bullock, Camel, Donkey)
9	Dresser
10	Driver (Bullocks Mule)
11	Grazler
12	Dairyman
13	(Store-Mazdoor)
14	Carrier (Stone),
15	Breaker (using manual appliances)
16	Helper
17	Messenger (Office)
18	Mali
19	Syce
20	Tying and Carrying loose hay

S.No.	UNSKILLED
21	Sweeper,
22	Weighing and Carrying bales,
23	Weighman (Bales, pally),
24	Waterman,
25	Stable man
26	Trolley man
27	Valveman
28	Watchman
29	White Washer
30	Wooderman
31	Wooder Woman
32	Borryman
33	Coalman
34	Condenser
35	Attendant
36	Grass Cutter
37	MuchhersJamadars
38	Condenser Attendant
39	Shunters
40	Turner
41	Bajri Spreader
42	Beater Women
43	Bell-Woman
44	Chain Man
45	Boat Man
46	Bucket Man
47	Labourer (Boiler, Cattle Yard, Cultivation, General Loading and Unloading, Bunding, Carting-Fertilizers, Harvesting, Miscellaneous Seeding, Sowing, Thatching, Transplanting, Weeding)
48	Cleaner (Crane, Truck, Cinder for ash Pit),
49	Cartman,
50	Caretaker (Bridge),
51	Carrier (Water),
52	Chowkidar,
53	Concrete (Hand Mixer),
54	Daffadar,
55	Driver (Bullock, Camel, Donkey, Mule),
56	Flag Man,
57	Flagman (Blast Train),
58	Khalasi not attending to machines
59	Gangmen,
60	Gatingman (Permanent Way),
61	Handle Man, Jumper Man,
62	Kamin (Female Work),
63	Khalas,
64	Bridge,
65	Electrical,
66	Marine,
67	Moplah,
68	Store,
69	Steam Road,

S.No.	UNSKILLED
70	Share,
71	Roller Survey,
72	labourer (Garden),
73	Mazdoor,
74	Hole Cutter,
75	Lorry Trainees,
76	Petrolman,
77	earcher,
78	Signal man,
79	Strikers,
80	Vaks Controller
81	Cleaner
82	Dresser / Dressing Mazdoor
83	Loader
84	Mazdoor (Male/Female)
85	Messenger (Male / Female)
86	Trammer
87	Caretaker (except in Copper, Chromite and Graphite mines where it is semiskilled)
88	Office Peon /Peon (except in Bauxite Mines)
89	Sweeper (Male / Female)
90	Carrier
91	Number Taker
92	TrollyTriper
93	Water Carrier
94	Earth Cutter
95	Survey Khalasi
96	Gate Man,
97	Concrete (Hand Mixer)
98	Dismantling stocks
99	Lampman
100	Beldar/Beldar (Canteen)
101	Coolie
102	Peon
103	Cook-helper
104	Office Boy
105	Quarry Worker
106	Jelly Maker
107	Over burden Remover
108	Waste removing mazdoor
109	Unloader
110	Excavating Labour
111	Digger
112	Butcher
113	Attender
114	Lorry Helper
115	Surface loader
116	Wood Cutter
117	Surface Mukar
118	Under Ground Mukar
119	Striker (Moplah gang),

S.No.	UNSKILLED
120	Tall Boy,
121	Tile
122	Person employed in loading and unloading
123	Person employed in sweeping and cleaning and other categories by whatever name called which are of unskilled nature

S.No.	SEMI SKILLED
1	Assistant (Chowdhary)
2	Attendant (Bull-calving lines, Chowkidar, Chaff cutter, Hostel, Dry Stock, Grain crusher, Pump, Siekline,
3	Stable, Yard Stock)
4	Assistant-Plumber
5	Attendant
6	Bhisti
7	Brander
8	Bullman
9	Butterman
10	Coachman
11	Cobbler
12	Cultivator
13	Daftry
14	Deliveryman
15	Dhobi
16	Dresser
17	Fireman
18	Gowala
19	Hammerman
20	Helper (Blacksmith)
21	Helper
22	Jamadar (stand)
23	Jamadar
24	Khalasi
25	Mali Senior
26	Mate/Mistry
27	Mazdoor (literate)
28	Nalband
29	Oilman
30	Ploughman
31	Vtackers
32	Supervisor
33	Thatcher
34	Valveman
35	Valveman (Senior)
36	Wireman fixing tin cables
37	Cook
38	Dandee
39	Frash
40	Hacksaw man
41	Helper (locco-Crane/Truck)
42	Manjhee (Boatman)

S.No.	SEMI SKILLED
43	Belchawala
44	Muccadam (without competency certificate under Metalliferous Bulldozer Driver Mines Regulations, 1961)
45	Bhisti (with Mushk)
46	Boatman (head)
47	Breaker,
48	Breaker (Stone, Rock, Rock Stone, Stone Metal)
49	Canweaver
50	Chainman(Head)
51	Charpoy-Stringer
52	Checker
53	Cracker
54	Dollyman
55	Assistant
56	Driller
57	Driver (Skin)
58	Excavator
59	Ferroman
60	Fireman (Brick Kiln, Steam Road Roller)
61	Gate Keeper
62	Gharami
63	Classman
64	Grater
65	Greaser-cum-Fireman
66	Grinder
67	Hammerman
68	Helper (Artisan)
69	Helper (Sawyer)
70	Keyman
71	Khalasi (Head Survey, Rivertters-Moplah Gang, Supervisory)
72	Labourer (Rock-Cutting)
73	Lascar
74	Mali (Head)
75	Stockers and Boilerman
76	Thoombaman (Spade worker)
77	Tindals
78	Trolleyman (Head Motor)
79	Fitter (Assistant Semi-Skilled)
80	Jamadar (Semi-skilled)
81	Mate (Stone)
82	Kasab
83	Khalasi (Structural)
84	Masalchi P.M. Mates
85	Miner
86	Untrained Mate/ Mining Mate/ Mate without Competency certificate Under Metalliferous Mines Regulations, 1961
87	Butler/Cook
88	Breaker (using mechanical appliances)
89	Crech Ayah/Ayah/Untrained Crech Attendant
90	Assistant Driller
91	Oilman/Oiler

S.No.	SEMI SKILLED
92	Chowkidar/ Watchman
93	Helper (Mason, Carpenter, Blacksmith)
94	Tindals
95	Topas
96	Topkar (Big Stone Breaker)
97	TrolleyJamadar
98	Winchman
99	Attendance-keeper
100	Assistant Wireman
101	Mate
102	Mate (Blacksmith, Road, Carpenter)
103	Engine Driver and/or Feeder
104	Fitter
105	Gang
106	Mazdoor Mason
107	Permanent Way
108	Pump-Driver,Turner)
109	Mazdoor (Heavy-weight)
110	Charge-man
111	Mistri (Head)
112	Muccadam
113	Night-guard
114	Runner (Post dak)
115	Oilman
116	Quarry man
117	Quarry Operator
118	Stoneman
119	Stocker
120	Thatcher
121	Pump Attendant
122	Bearer
123	Breakman
124	Crowlder Man
125	Laboratory Boy
126	PointsmanSencummy
127	Stone mines and other cateogires by whatever name called which are of semi-skilled nature

S.No.	SKILLED
1	Artificer (Class-II, III, IV)
2	Blacksmith
3	Blacksmith (Class II)
4	Boilerman
5	Carpenter
6	Carpenter (Class II) Carpenter-cum- Blacksmith
7	Chowdhary
8	Driver
9	Driver (Engine Tractor, M.T.Motor)
10	Electrician
11	Fitter

S.No.	SKILLED
12	Mason
13	Mason Class II
14	Machine hand (Class II, III, IV)
15	Machineman
16	Mate Gr. I (Senior)
17	Mechanic
18	Milk Writer
19	Mistry (Head)
20	Moulder
21	Muster Writer
22	Operator (Tube-well)
23	Painter
24	Plumber
25	Welder
26	Upholsterer
27	Wireman,
28	Chipper
29	Chipper-Cum-Grinder
30	Cook (Head)
31	Driller
32	Driller (Well Boring)
33	Driver(Loco/Truck)
34	Electrician (Assistant)
35	Mechanic (Tube-Well)
36	Mistry(Stell, Tube-Well, Telephone)
37	Meter Reader
38	Meterological Observer Navghani
39	Operaor (Batching Plant, Cinema Project, Clamp Shelf, Compressor, Grane, Dorrick, Diesel Engine, Doser, Dragling Drill Dumber, Excavator, Fork Lift Generator, Grader, Jack Hammer and Payment breaker Loader, Pump, Pile Driving, Scrapper, Screening Plant, Shoal, Tractor, Vibrator, Weight Batcher, Railway Guards, Repairer (Battery)
40	Sharper/Slotter
41	Sprayer (Ashalt) Station Master
42	Surveyor (Silt)
43	Trades-Man
44	Train Examiner
45	Turner/Miller
46	TyreVulcaniser
47	Sawyer
48	Sawyer (Selection Grade Class II) Serang
49	Serangpile
50	Driving Pantooms with Boiler
51	Shapesman
52	Shift-incharge
53	Sprayman
54	Sprayman (Roads)
55	Stone Cutter
56	Stone Cutter (Selection Grade, Grade II, Class II)
57	Stone Chisler
58	Stone Chisler (Class II)
59	Stone Blasterer

S.No.	SKILLED
60	Sub-Overseer (Unqualified)
61	Surveyors
62	Pump Driver
63	Pump Driver (Selection Grade), Grade II and III, Class II)
64	Pump Driver (Selection Grade, P.E., Driver,
65	Pumpman
66	Pumpman (Assistant)
67	Plumber
68	Polisher (with spray) Grade II
69	Ratan Man
70	Rivet Cutter (Assistant)
71	Rivetter
72	Rivetter (Cutter)
73	Road Inspector Grade II, Railway Plate Layer
74	Rod Bender
75	Haulage Operator
76	Dispensary Attendant
77	Work Sakar
78	Mica Cutter Grade -I
79	Dresser Grade -I Mica
80	Supervisory Fireman
81	Fireman only in Mines
82	Compressor Driver
83	Pump Man Driver 96. Grinder in Mica Mines
84	Surveyors (Assistant)
85	Tailor
86	Tailor(Upholstry)
87	Transprayer
88	Tar man
89	Line Man
90	Tiler Class II
91	Wall(Floor, Roof)
92	Tiler (Selection Grade)
93	Tin-Smith
94	Tin Smith(Selection Grade, Grade II and III, Class II) Tinker
95	Well Sinker
96	Assistant Mistry
97	Armature Winder Grade-II and III
98	Bhandari
99	Blacksmith
100	Blacksmith (Selection Grade, Grade II, III, Class II and III)
101	Boilerman
102	Boilerman Grade II and III
103	Boiler Foreman Grade II
104	Work (Assistant)
105	Brick Layer
106	Bricklayer (Selection Grade, Class II)
107	Blaster
108	Chowkidar (Head)
109	Security Guard (without arms)

S.No.	SKILLED
110	Carpenter
111	Carpenter (Selection Grade, Grade II and III, Class I and III Assistant
112	B.I.M. Road
113	Cabinet Maker
114	Caneman
115	Celotex
116	Cutter Maker Chargeman, Class II and Class III, Carpenter Ordinary)
117	Checkder (Junior)
118	Chick Maker
119	Chickman (Junior) Concrete Mixure Mixer
120	Concrete Mixure Operator
121	Cobbler
122	Coremaker
123	Driver
124	Driver Motor Vehicle
125	Motor Vehicle Selection Grade
126	Motor Lorry
127	Motor-Lorry Grade II
128	Lorry Grade II
129	Diesel Engine
130	Diesel Engine Grade II
131	Mechanical Road Roller I.C. and Cement Mixer etc.
132	Road Roller
133	Road Roller Driver Grade II
134	Driver (Engine Static Stone Crusher, Tractor/Bull Dozer, Steam Road Roller, Water Pump, Mechanical Assistant, Road Roller, Mechanical, Steam Crane, Tractor with Bull Dozer Mechanical, Transport, Engine Static and Road Roller Boiler Attendant
135	Engine Operator (Stone Cursher Mechanical)
136	Distemper, Electrician, Electrician (Grade II, Class II and Class III)
137	Fitter
138	Fitter (Selection Grade, Grade II and III) class II and III Assistant, Pipe class II, Pipe Line ending Bars for
139	reinforcement Cum-mechanic, Mechanic and Plumber)
140	Gharami (Head)
141	Glazier
142	Hole Drillar for Blasting
143	Joiner
144	Joiner (Cable, Cable Grade II)
145	Lineman (Grade II, III, High Tension/Low Tension)
146	Mason
147	Mason (Selection Grade, Grade II, III and Class B Mistry)
148	Stone (Stone Class II, Brick Work, Stone work)
149	Brick-layer
150	Tile Flooring
151	B.I.M Muccadam (Head)
152	Stone cutting
153	Ordinary Machanis
154	Mechanic
155	Mechanic (Class II, Air conditioning, Air conditioning Grade II
156	Diesel Grade II
157	Road Roller Grade II

S.No.	SKILLED
158	Assistant, Radio)
159	Manson (Gharami
160	Mistry
161	Mistry Grade II, Air conditioning Grade II, P. Way, Survey, Santras Works)
162	Mason Class A
163	Moulder
164	Moulder (Brick, Tile)
165	Painter
166	Painter (Selection Grade, Grade II and III, Class II, Assistant Lotter and Polisher, Polisher, Rough)
167	Plasterer
168	Plasterer (Mason Grade II)
169	Plumber
170	Plumber (Selection Grade, Class II, Assistant Lotter and Polisher, Rough),
171	Plasterer
172	Plasterer (Mason Grade II)
173	Plumber (Selection Grade, Class-II, Assistant Senior, Junior, Mistry Grade II)
174	Plumbing Mistry
175	Plumber-cum-Fitter
176	Polisher
177	Polisher (Floor)
178	Sirdhar Lathe Man
179	Geologist
180	Trailors
181	Turner
182	Upholsterer
183	Upholsterer (Grade II and III)
184	Painter Spray (Class II)
185	Wood Cutter
186	Wood Cutter Section Grade
187	Wood Cutter Class II
188	Work Sircar
189	Welder
190	Airwineh Haulage Operator
191	Auto-electrician
192	Painter
193	Blacksmith
194	Tailor
195	Compressor Operator
196	Blaster/Shot-firer
197	Driver
198	Head cook
199	Chargeman
200	Carpenter
201	Concrete Mixer Operator
202	Compressor Attendant

S.No.	SKILLED
203	Air Compressor Attendant
204	Tractor Driver
205	Vehicle Driver
206	Chemist and Assistant/ Chemist
207	Sub- overseer (unqualified)
208	Driller
209	Handhole Driller
210	Drill Mechanic
211	Driver Auto
212	Electrician
213	Wireless Operator Asstt. Foreman
214	Foreman
215	Fitter
216	Ferry Driver
217	Issuer Loco
218	Super Foreman
219	Hoist Operator
220	IMCE Driver
221	Driver
222	Loco Driver
223	Loader Operator
224	Linesman
225	Mechanic/ Machinist
226	Mason
227	Mid Wife
228	Tinsmith
229	Supervisory Mechanic
230	Pump Attendant only in Gypsum, Barytes and Rock Phosphates
231	Pump Operator/Driver
232	Mining Mate with competency certificate under Metalliferous Mines\ Regulations, 1961.
233	Mistry
234	Skilled Mazdoor
235	Turner
236	Senior Mechanic
237	Pipe Fitter
238	Supervisor
239	Drafts Man
240	Wireman
241	Timber Man/Timber Mistry Elect.
242	Stone Crusher Operator

S.No.	SKILLED
243	Crusher Operator
244	Moulder
245	Welder
246	Operator
247	Work Mistry
248	Engine Driver
249	Mining Engine Driver Grade -II
250	Engineman
251	Valveman
252	Cutter
253	Winding Engine Driver Grade - II
254	Security Guard (Unarmed) /Head Chowkidar
255	Shovel Operator
256	Limco Loader Operator
257	Surface Supervisor
258	Dozer Operator
259	Compressor Driller
260	Dumper Tractor Operator
261	Boiler Man (with Certificate)
262	Machinery Attendant
263	Air-conditions Mechanic
264	Crech Attendant only in Magnesite, Manganese and Mica Mines
265	Power Shovel Operator
266	Power and Pump House Operator
267	Miner Grade - I
268	Tractor Operator 80. Tub Repairer 81. Lathe Mistry
269	Stationery Engine Attendant 83. Generator Operator 84. Loading Foreman
270	Diesel Mechanic
271	Ferro Printer cum-chairman
272	White Washing and Colour Washing Man
273	Operator Pneumatic Tools, Operator (Fitter)
274	Boreman
275	Borer
276	Wireman (Grade II and III, Mechanic, Electrical)
277	White Washer
278	White Washer (Selection Grade, Class II)
279	Wireman
280	Welder (Class II, Bridge work)
281	Welder gas
282	Muccatam (with Compentency Certificate under Metalliferous Mines Regulations, 1961).

S.No.	SKILLED
283	Security Guard (without arms) and other categories by whatever name called which are of skilled nature
284	Assistant (Farm)
285	Assistant (Cashier)
286	Librarian
287	Telex or Telephone Operator
288	Hindi Translator
289	Telex or Telephone Operator
290	Hindi Translator
291	Accounts Clerk
292	Clerks
293	Computer/Data Entry Operator
294	Telephone Operator, Typist
295	Store Attendant
296	M. C. Clerk
297	Munshi (Matriculate, Non-matriculate)
298	Store Clerk (Matriculate Non-matriculate)
299	Store Keeper
300	Store Keeper Grade I, Grade II, (Matriculate)
301	Time Keeper
302	Time Keeper (Matriculate Non-Matriculate)
303	Book Keeper
304	Work Munshi
305	Work Munshi (Subordinate)
306	Magazine Clerk
307	Teller Clerk
308	Store clerk
309	Tally Clerk
310	Store Issuer
311	Tool Keeper
312	Computer/Data Entry Operator
313	Record Keeper
314	Tracer
315	File Clerk
316	Register Keeper
317	Time Keeper
318	Clerk
319	Munshi
320	Typist and other categories by whatever name called which are of clerical nature

S.NO	HIGHLY SKILLED
------	----------------

S.NO	HIGHLY SKILLED
1	Artificier Class I
2	Blacksmith Class I
3	Carpenter Class I
4	Machine
5	Hand Class I
6	Mason Class I
7	Mechanic (Senior)
8	Painter (Grade I, Class I, Spray) Plasterer (Mason) Class I
9	Plumber (Head, class I)
10	Mistry Grade I
11	Polisher (with spray Grade I)
12	Road Inspector Grade I
13	Sawyer Class I
14	Stone Cutter Class I
15	Stone Cutter Grade I
16	Stone Chisler Class I
17	Stone Mason Class I
18	Sub-Overseer (Qualified)
19	Tiler Class I
20	Tinsmith Grade I and Class I
21	Upholsterer Grade I
22	Varnisher Class I
23	Welder-Cum-Fitter and Air Conditioning Mechanic
24	Welder (Gas) Class I
25	White Washer Class I
26	Wireman Grade I, Class I
27	Wood Cutter Class I
28	Grinder (Tool) Grade I
29	Operator (Batching Plant Grade I)
30	Leader Grade I
31	Pile Driving Grade I
32	Pump Grade
33	Scrapper Grade I
34	Screening Plant Grade I
35	Pump Grade I
36	Scrapper Grade I
37	Security Guards (with arms)
38	Armature Winder Grade I
39	Blacksmith Grade I and Class I
40	Boilerman Grade I
41	Boilerman Foreman Grade I
42	Brick Layer class I
43	Cable Joiner Grade I

S.NO	HIGHLY SKILLED
44	Carpenter grade I and Class I
45	Celo Cutter and Decorator
46	Chargeman Class I
47	Checker (Sr) Driver Lorry Grade I
48	Motor Lorry Grade I
49	Motor Vehicle Class I and Diesel Engine Grade I
50	Road Roller Grade I
51	Pump Class Electrician Grade I and Class I/ Grade I
52	Fitter (Grade I, Class I)
53	Pipe Class I (Head)
54	Foreman(Assistant) Line Man Grade I Mason (Skilled Grade I, Class I)
55	Mast Rig
56	Mechanic Class I and Class II
57	Mechanic (Diesel Grade I and Road Roller Grade I
58	Airconditioning Grade I/Class I, Mistry Grade I
59	Mistry (Airconditioning Grade I)
60	Overseer
61	Overseer (Senior and Junior)
62	Dragline Grade I
63	Drill Grade I
64	Dumper Grade I
65	Excavator Grade I
66	Fork Lift Grade I
67	Generator Grade I
68	Rigger Grade I
69	Rigger Grade II
70	Charper/Sletter Grade I
71	Shovel and Dragline Tractor Grade I
72	Tradesman Class I
73	Turner/Miller Grade I
74	Work (Assistant) Grade I
75	Compounder
76	Surveyor
77	Winding Engine Driver
78	Operator (Heavy Earth Moving Shovel and Bulldozer)
79	Head Mistry
80	Staff Nurse with Diploma
81	Drill Operator other than Jack Hammer
82	Electrical Supervisor with Competency Certificate
83	Underground Shift Boss
84	Head Mechanic
85	Qualified and Experienced Welder
86	Machine Tool Mechanic

S.NO	HIGHLY SKILLED
87	Mechanical/Plant Foreman
88	Mining Supervisor
89	Vocational Training Instructor/Teacher
90	Head Electrician
91	Accountant
92	Steno with 7 years of service
93	Store Incharge
94	Shift Incharge
95	Supervisor
96	Incharge of Watch and Ward
97	Security Guard (Armed)
98	Crane Grade I
99	Diesel Engine Grade I
100	Dozer Grade I
101	Clamp Shell Grade I
102	Compressor Grade I
103	Grader Grade I
104	Tractor Grade I
105	Vibrator Grade I
106	Screening Plant Grade I
107	Shovel Grade I
108	Shovel and Dragline
109	Tyrevulcanser Grade I
110	Security Guard (with Arms)and other categories by whatever name called which are of Highly skilled nature

(सं० 1 / code on wages 10-01/2021-634 / अ०सं०)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से
सूर्यकान्त मणि,
सरकार के उप-सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट (असाधारण) 118-571+200-डी०टी०पी०।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>